राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

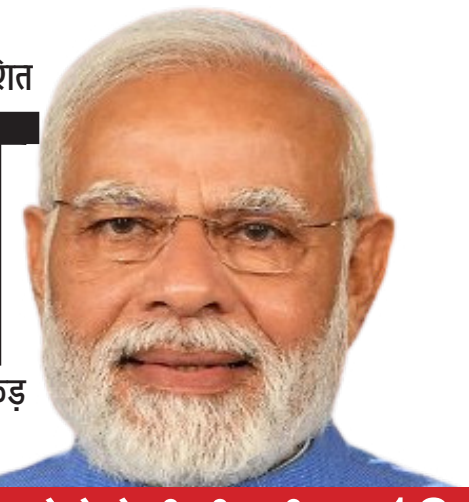

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 तूफान में भी सुरक्षित रखनी होगी किम जोंग की फोटो..... पीएम मोदी ने बदली सोशल मीडिया अकाउंट की डीपी, लोगों से भी की अपील... 12

वर्ष : 14 | अंक : 94 | नई दिल्ली, सोमवार, 14 अगस्त, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर डाकघरों को करीब 2.5 करोड़ राष्ट्रीय ध्वज भेजे गए: संस्कृति मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

संस्कृति मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि ह्यहर घर तिरंगा' अभियान के तहत डाकघरों में बिक्री के लिए लगभग 2.5 करोड़ राष्ट्रीय ध्वज भेजे गए हैं. उन्होंने कहा कि जनभागीदारी बढ़ने के साथ यह अभियान जन आंदोलन'' बन गया है. केंद्रीय संस्कृति सचिव गोविंद मोहन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस अभियान को लेकर अभी देश में काफी उत्साह है, जिसे पिछले साल पहली बार शुरू होने पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य 2023 में ह्यहर घर तिरंगा' अभियान को उसी बड़े पैमाने और प्रतिबद्धता के साथ मनाना है जैसा हमने पिछले साल किया था. पिछले साल की गई सभी तैयारियां इस साल भी कर ली गई हैं.'' बाद में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, वस्त्र मंत्रालय के माध्यम से, हमने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को झंडों की आपूर्ति सुनिश्चित की है. इस साल डाकघरों को लगभग 2.5 करोड़ ध्वज की आपूर्ति की गई है, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा एक करोड़ था.'' संस्कृति मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस पहल के तहत डाक विभाग जनता को उच्च गुणवत्ता वाले राष्ट्रीय ध्वज बेचने और वितरित करने के लिए जिम्मेदार नामित इकाई के रूप में कार्य कर रहा है. एक बयान में संस्कृति सचिव के हवाले से कहा गया, डाक विभाग ने इस वर्ष 2.5 करोड़ ध्वज के लिए मांग की है और 55 लाख ध्वज डाक घरों के माध्यम से पहले ही भेजे जा चुके हैं. वस्त्र मंत्रालय राज्यों को पहले ही 1.3 करोड़ ध्वज भेज चुका है.'' उन्होंने यह भी कहा कि राज्यों में स्वयं सहायता समूहों द्वारा करोड़ ध्वजों का

निर्माण किया जा रहा है जो ध्वज विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के रुझान का संकेत देता है. मोहन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कम बिक्री का कारण यह भी है कि कई परिवार अभियान के तहत पिछले साल खरीदे गए झंडों का फिर से उपयोग करेंगे. मोहन ने कहा कि एक बैठक के दौरान, विभिन्न राज्यों के नोडल अधिकारियों ने बताया कि या तो मुख्यमंत्री या एक वरिष्ठ अधिकारी हर घर तिरंगा' अभियान से संबंधित गतिविधियों में भाग लेंगे उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री 14 अगस्त को तिरंगा यात्रा' का नेतृत्व करेंगे जो साबरमती रिवरफ्रंट से शुरू होगी. उन्होंने कहा कि इसके अलावा यह भी सूचना मिली है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भी तिरंगा यात्रा' में हिस्सा लेंगे केंद्रीय संस्कृति सचिव ने कहा कि 13 से 15 अगस्त तक सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों और कॉलेजों में बड़े कार्यक्रमों के साथ-साथ प्रभात फेरी' और तिरंगा यात्राएं' आयोजित की जाएंगी. मोहन ने कहा कि इस साल अब तक, संस्कृति मंत्रालय ने हर घर तिरंगा' अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित 2,000 से अधिक कार्यक्रम'' आयोजित किए हैं उन्होंने कहा कि भारत में लगभग 26 करोड़ परिवार हैं और उनमें से लगभग सभी ने अपने परिसर में झंडा फहराया, जो देश के प्रति सम्मान और प्रेम का प्रतिबिंब है. पिछले साल, भारतीय ध्वज के साथ लगभग छह करोड़ सेल्फी ह्यहर घर तिरंगा' वेबसाइट पर अपलोड की गईं थीं. उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस बार यह आंकड़ा बढ़ेगा.'' सरकार आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 13-15 अगस्त तक र घर तिरंगा' अभियान मना रही है।

मौसम

अधिकतम तापमान 35.6°C

न्यूनतम तापमान 26.9°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	61,080
चांदी	75,100
संसेक्स	65,953
निफ्टी	19,597

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता दिवस समारोह में देशभर से 1800 लोगों को विशेष आमंत्रण

इस वर्ष लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में देशभर से विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 1800 विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के अनुसार भारत सरकार ने उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के समारोह और इस अवसर पर राष्ट्र के नाम उनके संबोधन को सुनने के लिए आमंत्रित किया है। एमएसएमई मंत्रालय ने इस वर्ष नई दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के लिए देशभर से 18 विविध व्यवसायों के 50 खादी कारीगरों और 62 कारीगरों (विश्वकर्मा) को उनके जीवनसाथी के साथ आमंत्रित किया है। स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के बाद वे केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे के आवास पर उत्सव में शामिल होंगे।

मणिपुर हिंसा के 9 और मामलों की जांच करेगी सीबीआई, एजेंसी के पास अब कुल 17 केस

- मैतेई महिला से गैंगरेप की भी जांच कर सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी

मणिपुर हिंसा से जुड़े 9 और मामलों की जांच सीबीआई करेगी। बताया कि जांच एजेंसी के पास अब कुल 17 केस हैं। सीबीआई ने अब तक 8 मामले दर्ज किए हैं, जिनमें मणिपुर में महिलाओं के कथित यौन उत्पीड़न से संबंधित दो मामले भी शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि सीबीआईके पास और केस भी आ सकते हैं। इसमें खासकर महिलाओं के साथ हुए उत्पीड़न, कुकी महिला के वायरल वीडियो के मामले शामिल होंगे। इसके अलावा 9 अगस्त को मैतेई महिला से गैंगरेप का मामला सामने आया था। इसकी जांच भी सीबीआईको दी जा सकती है। दरअसल, राज्य में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई से जारी हिंसा में 160 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि मणिपुर में 6523 दर्ज की गई हैं। इनमें से 11 केस महिलाओं और बच्चों की हिंसा से जुड़े हैं। सीबीआईको कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा

अधिकारियों ने कहा कि राज्य में समाज जातीय आधार पर बंटा हुआ है, ऐसे में जांच एजेंसी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सीबीआईपर पक्षपात का आरोप भी लग सकता है कि वो एक समुदाय से मिली हुई है। ऐसे में बेहद गंभीरता के साथ आगे की जांच की जा रही है। एसआईटी की 42 टीमें हिंसा के मामलों की जांच करेंगी सुप्रीम कोर्ट ने 7 अगस्त को कहा था कि मणिपुर में हिंसा से जुड़े मामलों की 42 स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीमें (एसआईटी) जांच करेंगी। इन एसआईटी के काम की निगरानी डीआइजीरैंक का अफसर करेगा। ये अफसर मणिपुर के बाहर का होगा। डीआइजीरैंक का एक अफसर 6 एसआईटी की निगरानी करेगा। इन एसआईटी की जिले के आधार पर नियुक्ति होगी। मणिपुर में मैतेई महिला से 3 मई को गैंगरेप, 9 अगस्त को एफआई आरमणिपुर के चुराचांदपुर की एक मैतेई महिला ने कुकी समुदाय के लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। घटना 3 मई की है, पुलिस ने 9 अगस्त को एफआईआर दर्ज की है। महिला ने पुलिस को बताया कि उपद्रवियों ने उसके घर में आग लगा दी थी। विरोध करने पर गैंगरेप किया। समाज के डर से उसने अब तक अपने साथ हुई हैवानियत के बारे में किसी से बात नहीं की थी। मणिपुर हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा मौतें मणिपुर हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें 3-5 मई के बीच 59 लोग, 27 से 29 मई के बीच 28 लोग और 13 जून को 9 लोगों की हत्या हुई थी। 16 जुलाई से लेकर 27 जुलाई तक हिंसा नहीं हुई थी। 4 पॉइंट्स में जानिए, मणिपुर हिंसा की वजह... मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय हैं- मैतेई, नगा और कुकी। मैतेई ज्यादातर हिंदू हैं। नगा-कुकी ईसाई धर्म को मानते हैं। एसटी वर्ग में आते हैं। इनकी आबादी करीब 50% है। राज्य के करीब 10% इलाके में फैली इंफाल घाटी मैतेई समुदाय बहुल ही है। नगा-कुकी की आबादी करीब 34 प्रतिशत है। ये लोग राज्य के करीब 90% इलाके में रहते हैं। कैसे शुरू हुआ विवादः मैतेई समुदाय की मांग है कि उन्हें भी जनजाति का दर्जा दिया जाए। समुदाय ने इसके लिए मणिपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाई। समुदाय की दलील थी कि 1949 में मणिपुर का भारत में विलय हुआ था। उससे पहले उन्हें जनजाति का ही दर्जा मिला हुआ था। इसके बाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से सिफारिश की कि मैतेई को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल किया जाए। मैतेई का तर्क क्या हैः मैतेई जनजाति वाले मानते हैं कि सालों पहले उनके राजाओं ने म्यांमार से कुकी को युद्ध लड़ने के लिए बुलाया था। उसके बाद ये स्थायी निवासी हो गए। इन लोगों ने रोजगार के लिए जंगल काटे और अफीम की खेती करने लगे। इससे मणिपुर ड्रग तस्करी का ट्राएंगल बन गया है। यह सब खुलेआम हो रहा है। इन्होंने नगा लोगों से लड़ने के लिए आर्म्स ग्रुप बनाया। नगा-कुकी विरोध में क्यों हैंः बाकी दोनों जनजाति मैतेई समुदाय को आरक्षण देने के विरोध में हैं। इनका कहना है कि राज्य की 60 में से 40 विधानसभा सीट पहले से मैतेई बहुल इंफाल घाटी में हैं। ऐसे में रळ वर्ग में मैतेई को आरक्षण मिलने से उनके अधिकारों का बंटवारा होगा। सियासी समीकरण क्या हैंः मणिपुर के 60 विधायकों में से 40 विधायक मैतेई और 20 विधायक नगा-कुकी जनजाति से हैं। अब तक 12 उट में से दो ही जनजाति से रहे हैं।

भाजपा सरकार के इशारे पर कांग्रेस नेताओं पर दर्ज करायी गयी प्राथमिकीः कमलनाथ

- सरकार भ्रष्टाचार की जांच नहीं बल्कि भ्रष्टाचार के मुद्दे को उठाने वालों पर अत्याचार

भोपाल, एजेंसी

सोशल मीडिया पर कमीशन संबंधी कथित पत्र वायरल होने के बाद कांग्रेस नेताओं पर दर्ज करायी प्राथमिकी को लेकर आज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह प्राथमिकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के इशारे पर दर्ज करायी गयी है। श्री कमलनाथ ने अपने ट्वीट के माध्यम से कहा सर से पांव तक घोटालों से घिरी शिवराज सिंह चौहान सरकार के इशारे पर कांग्रेस की सम्मानित नेता श्रीमती प्रियंका गांधी, श्री जयराम रमेश और मुझ सहित कई नेताओं पर प्रदेश के विभिन्न जिलों में भाजपा नेताओं ने एफआईआर दर्ज कराई गई।

जिस सरकार को मध्यप्रदेश का बच्चा-बच्चा कमीशन राज सरकार कहता है, वह सरकार भ्रष्टाचार की जांच नहीं करा सकती, बल्कि भ्रष्टाचार के मुद्दे को उठाने वालों पर अत्याचार कर सकती है। मैं कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता का आव्हान करता हूं कि वह भ्रष्टाचार के खिलाफ तन कर खड़ा हो जाए और इस 50 प्रतिशत कमीशन के राज को उखाड़ फेंके।

वायु सेना में शामिल हुए इजराइली हेरॉन मार्क-2 ड्रोन

- उत्तरी क्षेत्र में एक फॉरवर्ड एयरबेस से 'वार्डन ऑफ द नॉर्थ' स्क्वाड्रन से होंगे संचालित
- आने वाले दिनों में तीनों सेनाओं को मिलेंगे, ताकि आक्रामक हमले की क्षमता बढ़ सके

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय वायु सेना में इजराइली हेरॉन मार्क-2 ड्रोन को शामिल किया गया है। एक बार संचालित होने पर लंबे समय तक उड़ने वाले यह ड्रोन एक ही उड़ान में पाकिस्तान और चीन दोनों के साथ पूरी सीमाओं को कवर करने की क्षमता रखते हैं। इसलिए इन्हें उत्तरी क्षेत्र में एक फॉरवर्ड एयर बेस से संचालित किया जा रहा है। इस स्क्वाड्रन को 'वार्डन ऑफ द नॉर्थ' के रूप में जाना जाता है। आने वाले दिनों में इसे तीनों सेनाओं के लिए तैयार किया जाएगा ताकि जरूरत पड़ने पर दोनों दुश्मन के खिलाफ एक साथ आक्रामक हमला किया जा सके। उपग्रह संचार लिंक से लैस हेरॉन ड्रोन मार्क-2 को हाल ही में भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया है। सेटेलाइट से नियंत्रित होने वाला हेरॉन ड्रोन 250 किलोग्राम हथियार लेकर उड़ सकता है। भारतीय वायु सेना अब 'मेक इन इंडिया'

के तहत अपने प्रोजेक्ट चीता को आगे बढ़ाने की योजना बना रही है। इन्हें उत्तरी क्षेत्र में एक फॉरवर्ड एयर बेस पर तैनात किया गया है। हेरॉन मार्क-2 ड्रोन का संचालन करने वाली स्क्वाड्रन को 'वार्डन ऑफ द नॉर्थ' के रूप में जाना जाता है। इस स्क्वाड्रन से एकसाथ चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर निगरानी मिशन चलाया जा रहा है। वायु सेना के एक अधिकारी ने बताया कि उपग्रह संचार लिंक से सुसज्जित यह भारतीय सशस्त्र बलों में सबसे उन्नत ड्रोन हैं। भारतीय वायु सेना में शामिल किये गये चार नए हेरॉन मार्क-2 ड्रोन लंबी दूरी की मिसाइलों और अन्य हथियार प्रणालियों से लैस हैं। उन्होंने कहा कि लंबी दूरी के राडार और सेंसर, एंटी-जैमिंग क्षमता और 35 हजार फीट की ऊंचाई तक पहुंचने की क्षमता के साथ हेरॉन ड्रोन एलएसी के पास सभी प्रकार की खुफिया जानकारी इकट्ठा करने में सक्षम होंगे। इन्हें इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) ने सभी मौसमों के रणनीतिक मिशनों के लिए विकसित किया है। इनकी खरीद रक्षा बलों को दी गई आपातकालीन वित्तीय शक्तियों के तहत की गई है। चीन के साथ जारी संघर्ष के बीच रक्षा बलों को अपनी युद्धक क्षमताओं को उन्नत करने के लिए आपातकालीन वित्तीय शक्तियां दी गई हैं। इन्हीं शक्तियों का उपयोग करते हुए भारतीय वायु सेना ने भी बड़ी संख्या में टैंक-रोधी निर्देशित मिसाइलें, लंबी दूरी की सटीक-निर्देशित तोपखाने के गोले के साथ-साथ हैमर एयर-टू-ग्राउंड स्टैंड ऑफ मिसाइलों को लगभग 70 किमी. स्ट्राइक रेंज के साथ हासिल किया है। अब अगर चीन की सेना लद्दाख सीमा के इस पार या उस पार भारत के खिलाफ कोई 'नापाक' हरकत करेगी, तो तुरंत पता चल जाएगा। इजरायल से लिए गये हेरॉन ड्रोन्स कई खूबियों से लैस है। आने वाले दिनों में अगर भारतीय सेनाएं बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक की तर्ज पर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों का खात्मा करना चाहें, तो इसके लिए सेना को वहां घुसकर ऑपरेशन करने की जरूरत नहीं होगी। अमेरिका ने जिस तरह ड्रोन स्ट्राइक में अलकायदा के चीफ अल जवाहिरी और दुनिया के कई दूसरे देशों में अपने दुश्मनों को ढेर किया था, अब भारतीय वायु सेना को भी गेम चेंजर हथियार हेरॉन ड्रोन मार्क-2 मिल गया है।

दिल्ली में पंद्रह अगस्त की तैयारी, लाल किले में फुल ड्रेस रिहर्सल, जमीन से आसमान तक अभूतपूर्व सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 15 अगस्त को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस मनाने की जोरदार तैयारियां चल रही हैं। लाल किले पर आज सशस्त्र बलों की फुल ड्रेस रिहर्सल चल रही है। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले दिल्ली में जमीन से आसमान तक अभूतपूर्व सुरक्षा का बंदोबस्त किया गया है। लाल किला और राजघाट के साथ राजधानी के चप्पे-चप्पे पर दिल्ली पुलिस नजर रख रही है। इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) के ब्लैक कैट कमांडो ने स्वतंत्रता दिवस समारोह एवं अगले महीने प्रस्तावित जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के मद्देनजर प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पिछले कुछ हफ्तों के दौरान सुरक्षा अभ्यास किया है। दोनों कार्यक्रमों के मद्देनजर केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया तंत्र के साये में निर्मित की जा रही समग्र सुरक्षा ग्रिड के हिस्से के रूप में विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) से लिए गए लगभग 500 कमांडो, स्नाइपर्स और वीआईपी सुरक्षा कर्मियों की एक टुकड़ी को दिल्ली में तैनात किया गया है। एनएसजी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपने आधिकारिक हैंडल पर यह सूचना साझा की है। इसमें कहा गया है-प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने के लिए अन्य हितधारकों को शामिल कर कई तरह आकस्मिकताओं को लेकर पूर्वाभ्यास किया गया। दिल्ली पुलिस ने रविवार तड़के से कड़े सुरक्षा इंतजाम के साथ गश्त और वाहनों की जांच तेज कर दी है। यहां तक कि डीटीसी की बसों के रूट तक डायवर्ट किए गए। उल्लेखनीय है कि देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को नागरिकों से 13 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' आंदोलन में हिस्सा लेने का आग्रह कर चुके हैं। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे। इस गरिमामय समारोह में पूरे देश से लगभग 1800 विशेष अतिथि शामिल होंगे।

घुसपैठ की कोशिश कर रहे अधिकांश आतंकवादियों को मार गिराया गयाः सिंह

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के महानिदेशक दिलबाग सिंह ने रविवार को कहा कि सीमा पार से घुसपैठ की अधिकांश कोशिशें नाकाम कर दी गईं और इस पार आने की कोशिश कर रहे अधिकत्तर आतंकवादियों को मार गिराया गया। डीजीपी ने यहां एक तिरंगा रैली के मौके पर संवाददाताओं से कहा, इस साल सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों के दौरान सीमा पर सभी बड़ी मुठभेड़ें हुईं। हमने घुसपैठ की सभी कोशिशों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया है और जो आतंकवादी इस तरफ घुसने की कोशिश कर रहे थे, उन्हें मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि अब तक सीमा पार से घुसपैठ की सभी बड़ी कोशिशों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया है। श्री सिंह ने कहा, मौजूद आतंकवादियों की संख्या गिनने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन हमें लगातार सतर्क रहना चाहिए क्योंकि पाकिस्तान अभी भी सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को लुभाने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। डीजीपी ने कहा, मुझे खुशी है कि लोगों को यह एहसास हो गया है कि उग्रवाद ही विनाश का रास्ता है। उन्होंने लोगों को बधाई देते हुए कहा, अभी भी कुछ गुमराह लोग हैं जिन्हें शांति से अपना जीवन जीने के लिए मुख्यधारा में शामिल होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोगों और परिवार के सदस्यों को भी अपने बच्चों पर नजर रखने और उनकी देखभाल करने के लिए सतर्क रहने की जरूरत है ताकि वे पाकिस्तान के नापाक मंसूबों का शिकार न बनें।

सोशल मीडिया पोस्ट सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था फर्जी पत्र, मप्र सरकार को बताया था 50 फीसदी कमीशन वाली सरकार.....

मध्य प्रदेश के कई जिलों में प्रियंका गांधी, कमलनाथ व अन्य पर एफआईआर

भोपाल, एजेंसी

मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पूर्व कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रदेश में अधिकारियों द्वारा ठेकेदारों से 50 प्रतिशत कमीशन मांगने का एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कांग्रेस नेताओं ने इस मामले में ट्वीट किया था। इसके बाद भाजपा की शिकायत पर भोपाल और इंदौर समेत कई जिलों में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश, अरुण यादव, कांग्रेस नेत्री शोभा ओझा और पत्र जारी करने वाले ज्ञानेंद्र अवस्थी के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में एफआइआर दर्ज की गई है। दरअसल, सोशल मीडिया पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश के नाम लिखा गया एक पत्र वायरल हुआ था, जो कि लघु एवं मध्यम श्रेणी संविदाकार संघ के नाम से लिखा गया था। पत्र में फरियादी का नाम ज्ञानेंद्र अवस्थी दर्ज था। पत्र में ठेकेदारों को 50 प्रतिशत कमीशन देने पर ही भुगतान मिलने की बात कही गई है। प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस नेताओं ने इस पत्र को ट्वीट किया था। भाजपा नेताओं ने शनिवार दोपहर में प्रदेश के अधिकांश जिलों में थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा ने कहा कि मप्र में चुनाव आते ही कांग्रेस रोज झूठ का सहारा ले रही है। भाजपा नेताओं ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि षड्यंत्रपूर्वक किसी ठेकेदार एसोसिएशन के नाम से फर्जी पत्र सोशल मीडिया पर प्रचारित कर भाजपा की छवि धूमिल करने की कोशिश की गई है। आवेदन में प्रियंका गांधी, कमलनाथ, जयराम रमेश, अरुण यादव समेत अन्य कांग्रेस

नेताओं पर कार्रवाई की मांग की गई थी। इंदौर में भाजपा विधि प्रकोष्ठ के नेता निमेश पाठक ने शिकायत की थी। इसमें प्रियंका पर ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से एक पत्र के जरिए भ्रामक ट्वीट करने का आरोप लगाया गया है। इसमें कहा गया कि कांग्रेस नेताओं ने भाजपा की छवि धूमिल करने का काम किया है। इसके बाद रात 9:30 बजे संयोगितागंज थाने में धारा 420, 469 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। वहीं, भोपाल में भी भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने क्राइम ब्रांच थाने पहुंचकर शिकायत कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश महामंत्री भगवान दास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी मौजूद रहे। शनिवार रात क्राइम ब्रांच ने धारा 469, 500, 501 के तहत केस रजिस्टर्ड किया गया। डीसीपी क्राइम श्रुत्कीर्ति सोमवंशी ने इसकी पुष्टि की है। इधर, ग्वालियर क्राइम ब्रांच में इस मामले में अज्ञात संस्था संचालक ज्ञानेंद्र अवस्थी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। भाजपा नेता और वकील पंकज पालीवाल ने बताया कि सोशल मीडिया पर चल रहे लेटर में जिस 'लघु एवं मध्यम क्षेत्रीय संविदाकार संघ' पता- बसंत विहार, लश्कर ग्वालियर लिखा है। इस पते पर वे शनिवार को पुलिस के साथ गए थे। वहां ना तो इस नाम की कोई संस्था मिली और ना ही इस पते पर कोई मिला। इसके बाद पालीवाल ने क्राइम ब्रांच में शिकायत की। आईपीसी की धारा 420 के तहत अधिकतम सात साल की सजा के साथ अर्थ दंड का प्रावधान है, जबकि धारा 469 में तीन साल की सजा और जुमार्ना हो सकता है। धारा 500 में दो साल की सजा अथवा जुमार्ना या दोनों तथा धारा 501 में दो साल की सजा अथवा जुमार्ना या दोनों का भी प्रावधान है। **प्रियंका गांधी ने ट्वीट में ये लिखा था** प्रियंका गांधी ने अपनी ट्वीट में लिखा था, ''मध्यप्रदेश में ठेकेदारों के संघ ने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर शिकायत की है कि प्रदेश में 50 फीसदी कमीशन देने पर ही भुगतान मिलता है। कर्नाटक में भ्रष्ट भाजपा सरकार 40 फीसदी कमीशन की वसूली करती थी। मध्य प्रदेश में भाजपा भ्रष्टाचार का अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर आगे निकल गई है। कर्नाटक की जनता ने 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार को बाहर किया, अब मध्य प्रदेश की जनता 50 प्रतिशत कमीशन वाली भाजपा सरकार को सत्ता से हटाएगी।''

संक्षिप्त समाचार

इमरजेंसी में बनेगा स्टाफ का स्टेशन, जेआर और इंटर्न रहेंगे मौजूद

देहरादून, एजेंसी। दून अस्पताल में शुक्रवार को हॉस्पिटल काउंसिल की मीटिंग हुई। इस दौरान सभी विभाग के एचओडी, डॉक्टर और कंसल्टेंट ने एमएस डॉ. अनुराग अग्रवाल के सामने अपने विभाग की समस्याओं को रखा। इसमें निर्देश दिए गए कि इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को प्राथमिकता से इलाज दें। इसके लिए इमरजेंसी में सभी विभाग के जेआर और इंटर्न मौजूद रहेंगे। इमरजेंसी में स्टाफ स्टेशन बनाने के साथ ही इमरजेंसी का स्टाफ भी बढ़ाया जाएगा। डॉ. अनुराग ने बताया, स्टेशन पर गायनी, ऑर्थो, बाल रोग विभाग, मेडिसिन और सर्जरी के जेआर और इंटर्न मौजूद रहेंगे। इस दौरान कहा गया कि सभी विभागों के एचओडी इस बात पर ध्यान दें कि जिस डॉक्टर की ड्यूटी इमरजेंसी में लगी हो वह मौके पर मौजूद रहें। ड्यूटी के समय डॉक्टर एप्रेन जरूर पहनें।

डॉ. अनुराग ने बताया, अस्पताल में डेंगू के लिए 30 बेड का वार्ड पहले से चल रहा था, अब 30 बेड और बढ़ा दिए गए हैं। इसके अलावा अस्पताल की पुरानी एमआरआई बिल्डिंग में बने वार्ड में बच्चों के लिए भी 23 बेड बढ़ाए जाएंगे। इसके लिए जगह चिह्नित कर ली गई है। एक दो दिन में वार्ड शुरू हो जाएगा।

डीएवी में 17 तक होंगे प्रवेश, 24 से शुरू होंगी स्नातक की कक्षाएं

देहरादून, एजेंसी। डीएवी पीजी कॉलेज में मेन मेरिट और पहली वेटिंग के तहत स्नातक कोर्स में दाखिला पाने का शनिवार को आखिरी दिन है। कॉलेज में स्नातक कोर्सों बीए, बीएससी और बीकॉम के लिए 3815 सीट हैं। इनपर अबतक 1925 छात्रों के दाखिले हो चुके हैं। कॉलेज में दाखिला लेने वाले छात्रों में करीब 95 फीसदी की फीस जमा हो चुकी है। अब दूसरी वेटिंग लिस्ट से छात्र 17 अगस्त तक दाखिला ले सकेंगे। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. केआर जैन ने बताया कि स्नातक में दाखिला लेने के इच्छुक कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) दे चुके छात्रों के पंजीकरण के लिए एक बार फिर कॉलेज की वेबसाइट खोल दी गई थी। अब तक 300 छात्रों ने पंजीकरण करवाया है। इनके दाखिले के लिए 13 अगस्त को दूसरी वेटिंग लिस्ट निकाली जाएगी। दाखिले 14 अगस्त से 17 अगस्त तक चलेंगे। इस दौरान मेन मेरिट और पहली वेटिंग लिस्ट में दाखिला पाने से चूके छात्रों को भी मौका दिया जाएगा। प्रो. जैन ने बताया, 24 अगस्त से बीए, बीएससी और बीकॉम की कक्षाएं चलने लगेंगी।

बिजली संकट से त्रस्त ग्रामीणों का टूटा सब्र का बांध, किया प्रदर्शन

देहरादून, एजेंसी। पिछले पांच दिन से बिजली का संकट झेल रहे ग्रामीणों के सब्र का बांध टूट रहा है। ग्रामीणों ने कोटी-कॉलोनी क्षेत्र में जलविद्युत निगम व ऊर्जा निगम के विरोध में प्रदर्शन करके अपनी नाराजगी जताई। इसके साथ ही चेतावनी दी कि शीघ्र ही बिजली की आपूर्ति को बहाल नहीं किया गया तो वह बिजली घर पर तालाबंदी करेंगे। लाइन खराब होने के कारण विशायल खत के तीस गांवों के ग्रामीण बिजली का संकट झेल रहे हैं। आपूर्ति ठप होने के चलते ग्रामीणों को मुसीबत उठानी पड़ रही है। मोबाइल चार्ज नहीं होने से ग्रामीणों का संपर्क भी दूसरे क्षेत्रों से कट गया है। पिछले पांच दिनों से क्षेत्र की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। जलविद्युत निगम के छिबरोऊ बिजली घर से क्षेत्र को सप्लाई देने वाली लाइन में खराबी आने के कारण इस प्रकार की स्थिति बनी हुई है। ऊर्जा निगम के अधिकारी लाइनों में खराबी को ठीक करने की बात कह रहे हैं लेकिन लगातार पांचवें दिन भी आपूर्ति बहाल नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने बाजार में प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जल्द ही आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो वह उग्र प्रदर्शन करेंगे। बिजली घर पर तालाबंदी करेंगे। प्रदर्शन करने वालों में शांति सिंह, गजेंद्र सिंह, कुंवर सिंह चौहान, प्रभु नेगी, विनोद चौहान, अनिल, ईश्वर सिंह, ध्यान सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

रानीगांव मोटर मार्ग को मिली वित्तीय स्वीकृति

देहरादून, एजेंसी। क्षेत्र के ग्राम रानीगांव व मझियारना क्षेत्र को जोड़ने वाले मोटर मार्ग के निर्माण की वित्तीय स्वीकृति मिलने से क्षेत्रवासियों में खुशी ही लहर है। कई साल से मार्ग के निर्माण होने की बाट जोह रहे ग्रामीणों को जल्दी ही पैदल चलकर अपनी आवाजाही करने की समस्या से निजात मिल जाएगी। सड़क के निर्माण को लेकर 2004 में एक बार पहले भी कार्रवाई शुरू हुई थी लेकिन लगभग तीन किलोमीटर हिस्से की कटिंग के बाद काम बंद हो गया था। कटिंग की गई सड़क के दोनों हिस्सों को अधूरा छोड़ दिए जाने से क्षेत्रवासियों के सामने पैदल चलने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। सड़क के अभाव में ग्रामीणों को लगभग 12 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करके आवाजाही करनी पड़ती है। ग्राम प्रधान रानी गांव नेपाल चौहान, पूर्व कनिष्ठ प्रमुख खजान नेगी, मोहर सिंह नेगी, श्याम दत्त जोशी, शमशेर सिंह नेगी, प्रताप नेगी ने प्रदेश सरकार व जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान का आभार व्यक्त किया। कहा कि सड़क को वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद अब शीघ्र ही निर्माण का कार्य भी प्रारंभ हो जाएगा। रानीगांव मोटर मार्ग के द्वितीय चरण के लिए जिला प्लान के तहत दो किलोमीटर सड़क की कटिंग के लिए 68 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है। बताते चलें कि 2004 में प्रथम चरण के तहत तीन किलोमीटर की कटिंग का काम पूरा कर लिया गया था। मार्ग के बनने से क्षेत्र की लगभग एक हजार की आबादी को लाभ मिलेगा।

राज्य अभियंत्रण सेवा (एई) परीक्षा आज से होगी शुरू, अभ्यर्थियों के लिए बनाए गए 88 केंद्र

08

हरिद्वार, एजेंसी। राज्य लोक सेवा आयोग की ओर से प्रदेश के हरिद्वार, रुड़की, देहरादून, ऋषिकेश और नैनीताल और हल्द्वानी नगर के 88 परीक्षा केंद्रों पर रविवार से सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा परीक्षा (एई)-2021 दो पालियों में शुरू होगी। 166 पदों के लिए आयोजित होने वाली इस लिखित परीक्षा के लिए 36,304 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। राज्य लोक सेवा आयोग की ओर से निर्विघ्न परीक्षा कराने को सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

परीक्षा केंद्र से 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू रहेगी। राज्य लोक सेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों पर किसी भी तरह का कैलकुलेटर आदि ले जाना

प्रतिबंधित किया गया है। बताया कि 13 अगस्त को पहली पाली की परीक्षा सुबह नौ बजे से पूर्वाह्न 11 बजे, जबकि दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक होगी। 14 अगस्त को एकल सत्र पूर्वाह्न नौ बजे से ग्यारह बजे तक एवं 16 से 18 अगस्त तक दो सत्रों पूर्वाह्न नौ से 11 और दोपहर पांच बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

बताते चलें कि राज्य लोक सेवा आयोग की ओर से एक सितंबर 2021 को सहायक अभियंता (एई) के 166 पदों के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया था। एक से 21 सितंबर 2021 तक आनलाइन आवेदन मांगे गए थे। आयोग की ओर से हरिद्वार, रुड़की समेत प्रदेश के 19 परीक्षा केंद्रों पर 23 से 27 अप्रैल 2022 तक परीक्षा कराई गई थी। इस परीक्षा में 531 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए थे। इनका साक्षात्कार मार्च 2023 में प्रस्तावित था।

लेकिन, पटवारी-लेखपाल भर्ती परीक्षा का पेपर लीक मामले की छानबीन के दौरान एसआइटी को इस परीक्षा में गड़बड़ी का पता चलने और नौ छात्रों के नकल करने की बात सामने आने पर आयोग की

तेज रफ्तार डीसीएम ने तोड़ा हाइट गेज, चपेट में आया बाइक सवार, पैर की हड्डी टूटी; अफरातफरी

रुड़की, एजेंसी। सोलानी नदी पुल पर लगाए गए हाइट गेज में शराब से लदे एक तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दी। हादसे की चपेट में आया एक बाइक सवार भी घायल हो गया। हादसे के बाद पुलिस ने डीसीएम को कब्जे में लेकर चालक को फटकार लगाई। पुलिस अब हाइट गेज की मरम्मत करा रही है।

सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र स्थित हरिद्वार रोड पर सोलानी नदी पुल को भारी वाहनों के लिए वर्जित किया गया है। पुलिस की ओर से भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने के लिए पुल के दोनों तरफ हाईटेगेज लगाए गए हैं। जिससे की भारी वाहन यहां से नहीं निकल सकें।

शनिवार की शाम करीब चार बजे हरिद्वार की तरफ से शराब से लदा एक डीसीएम ट्रक तेज रफ्तार से रुड़की आ रही था। डीसीएम चालक की नजर हाइट गेज पर नहीं पड़ी, जिसके चलते डीसीएम सड़क पर लगाए गए हाइट गेज से टकरा गया, जिससे हाइट गेज टूट कर हाईवे पर जा गिरा और राहगीरों में अफरातफरी मच गई।

इस दौरान अनियंत्रित डीसीएम की चपेट में एक बाइक सवार भी आ गया, जिससे उसके एक पैर की हड्डी टूट गई। लोगों ने चालक को घेर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को जमकर फटकार लगाई। साथ ही घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

बताते चलें कि पहले भी यूटीलिटी लोडर की टक्कर लगने से हाइट गेज टूटा था। वरिष्ठ उप निरीक्षक अभिनव शर्मा ने बताया कि डीसीएम को कब्जे में ले लिया है। मामले में कार्रवाई की जाएगी।

चीन सीमा को जोड़ने वाला चोरगाड नदी पर बना बैली ब्रिज टूटा

उत्तरकाशी, एजेंसी। बैली ब्रिज का पिलर ढहने से पुल नदी में समा गया। पुल के ढहने से सेना और आईटीबीपी के जवानों को रेकी करने में दिक्कत झेलनी पड़ेगी। चोरगाड़ पर बने बैली ब्रिज का उपयोग सेना, आईटीबीपी के जवान और भेड़ पालक करते हैं।

भारत-चीन सीमा पर नेलांग घाटी में चोरगाड़ नदी पर बना बैली ब्रिज का पिलर ढहने से पुल नदी में समा गया है जिससे सेना और आईटीबीपी के जवानों का हिमाचल प्रदेश को जोड़ने वाले मार्ग सहित अंतरराष्ट्रीय सीमा से संपर्क कट गया है। इस संबंध में गंगोत्री नेशनल पार्क ने जिला प्रशासन को रिपोर्ट भेज दी है।

पार्क प्रशासन ने जिला प्रशासन से जल्द पुल निर्माण की मांग की है। गंगोत्री नेशनल पार्क के उपनिदेशक रंगनाथ पांडेय ने बताया कि चोरगाड़ पर बने बैली ब्रिज का उपयोग सेना, आईटीबीपी के जवान और भेड़ पालक करते हैं। पुल

हिमाचल प्रदेश सहित अंतरराष्ट्रीय सीमा को जोड़ता है। जाड़ गंगा की सहायक नदी चोरगाड़ का पिलर ढहने के कारण पुल टूट गया है। पांडेय ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने जिला प्रशासन को सूचना दे दी है। साथ ही पुल निर्माण के लिए जिला प्रशासन से अनुमति मांगी गई है। उन्होंने बताया कि पुल सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। पुल के ढहने से सेना और आईटीबीपी के जवानों को रेकी करने में दिक्कत झेलनी पड़ेगी। वहीं इस संबंध में जिला प्रशासन ने लोनिवि भटवाड़ी को पुल निर्माण के लिए आकलन तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

तीन वर्ष बाद पर्यटन विभाग की कैद से स्वतंत्र होंगी साइकिल, 40 से 50 हजार रुपये है एक की कीमत

पौड़ी, एजेंसी। माउंटेन बाइकिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाखों रुपये खर्च कर पौड़ी लाई गई अत्याधुनिक साइकिलें तीन वर्ष से पर्यटन विभाग के कार्यालय में कैद हैं। अब स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले 14 अगस्त को इन साइकिलों को आजादी मिलने वाली है। इस दिन पर्यटन विभाग माउंटेन बाइक रैली आयोजित करने जा रहा है।

इसमें कुछ प्रतिभागियों को विभाग की ओर से साइकिल मुहैया कराई जाएंगी। हालांकि, तीन वर्ष तक बंद कमरे में धूल फांकने के कारण साइकिलों की स्थिति पर आशंका भी जताई जा रही है। सवाल उठ रहे कि ये साइकिल उपयोग लायक हैं भी या नहीं। फिलहाल, अधिकारी भी इस संबंध में कुछ नहीं बोल रहे।

उत्तराखंड में साहसिक पर्यटन की व्यापक संभावनाएं हैं। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिले तो पलायन की समस्या का समाधान भी हो सकता है। इसी को देखते हुए सरकार पूरे प्रदेश में साहसिक खेलों को बढ़ावा देने में जुटी है।

माउंटेन बाइकिंग को भी इसी कड़ी में प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए

समुद्रतल से 5,789 फीट की ऊंचाई पर स्थित पौड़ी में आदर्श स्थितियां हैं। यहां माउंटेन बाइकिंग को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2018 में पर्यटन निदेशालय देहरादून ने 30 अत्याधुनिक साइकिलें दी थीं।

प्रत्येक साइकिल की कीमत 40 से 50 हजार रुपये के बीच बताई जा रही है। लेकिन, विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के चलते इन साइकिलों का उद्देश्य के अनुरूप उपयोग नहीं हो पाया। इससे साहसिक खेल प्रेमी भी नाखुश हैं। इन साइकिलों से पौड़ी में माउंटेन बाइकिंग के दो आयोजन ही हो पाए। पहला सितंबर 2018 और दूसरा वर्ष 2019 में। इनमें बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी और युवा शामिल हुए। इसके बाद कोरोनाकाल में खेलों पर कुछ समय के लिए प्रतिबंध लगा तो पर्यटन विभाग ने साइकिलों को कार्यालय के एक कमरे में बंद कर दिया और फिर इस तरफ झांकने की जरूरत नहीं समझी। अब स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विभाग की ओर से 14 अगस्त को कंडोलिया से अदवाणी तक 15 किमी लंबी माउंटेन बाइक रैली का आयोजन किया जा रहा है।

रास्ता बंद करने के विरोध में बाईपास पर प्रदर्शन

देहरादून, एजेंसी। ग्राम कल्यणपुर के ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व शिमला बाईपास फोर लेन का काम कर रही कंपनी के विरुद्ध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने प्राधिकरण व कंपनी पर गांव के पुराने रास्तों को बंद करने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों की आवाजाही के लिए पर्याप्त ऊंचाई वाले अंडरपास बनाए जाने की मांग की।

हसनपुर-कल्यापुर के ग्राम प्रधान शराफत अली के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कल्याणपुर में शिमला बाईपास मार्ग पर प्रदर्शन किया। ग्राम प्रधान ने आरोप लगाया कि फोर लेन का निर्माण करने वाली कंपनी व प्राधिकरण ने गांव के पुराने नक्शे में मौजूद रास्तों को बंद कर दिया है। इसके अलावा उनके माध्यम से फोर लेन को पार करने वाले अंडर पास बनाए जा रहे हैं। उनकी ऊंचाई ठीक नहीं होने से ग्रामीणों को कठिन समस्या का सामना भविष्य में करना पड़ेगा।उन्होंने कहा कि प्राधिकरण व कंपनी को अंडरपास की इतनी ऊंचाई रखनी चाहिए जिसमें से होकर किसानों के ट्रैक्टर व अन्य वाहन फसल को लेकर आसानी से गुजर सकें। ग्राम प्रधान ने बताया कि फोर लेन का निर्माण शुरू होने के समय भी ग्रामीणों ने अपनी समस्या प्राधिकरण व कंपनी के सामने रखी थी लेकिन वह ग्रामीणों की समस्या को लेकर लापरवाह बने हुए हैं। शीघ्र ही उनकी मांग पर कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

खदरी खड़कमाफ में जंगली हाथी का आतंक, पालतू कुत्ते पर हमला कर तोड़ दी गर्दन ; ढहाया चहारदीवार

ऋषिकेश, एजेंसी। श्यामपुर न्याय पंचायत की ग्राम सभा खदरी खड़कमाफ में हाथी आतंक का प्रयाय बना हुआ है। शनिवार की रात यहां बोक्सा जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में गुस्साए हाथी ने आबादी क्षेत्र में कई चहारदीवारी या तोड़ दी। एक कुत्ते को भी हाथी ने घायल किया है। आबादी क्षेत्र में हाथी की आमद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

बोक्सा बस्ती में देर रात पहुंचा जंगली हाथी मक्का खाने के चक्कर में विजय रयाल की गौशाला की दीवार तोड़कर आंगन में आ धमका। दीवार गिरने की आवाज सुनकर पड़ोसी निर्मला जैन, सुरेन्द्र सिंह, प्रीति देवी बाहर आये तो सामने भीमकाय जंगली हाथी को देखकर घबरा गए। उन्होंने शोर करके हाथी को भगाया। शोर सुनकर जंगली

हाथी मोहल्ले के बीचों बीच होता हुआ गांव की ओर बढ़ गया।

तीन सौ मीटर की दूरी पर स्थित स्थानीय ग्रामीण भगवती प्रसाद रयाल पुत्र प्रेम लाल रयाल के आवास की चहारदीवारी भी हाथी ने ढहा दी जबकि हाथी ने उनके पालतू कुत्ते पर हमला कर गर्दन तोड़ दी। जंगली हाथी के हमले से कुत्ता बुरी तरह घायल है। स्थानीय निवासी विनोद जुगलान का कहना है कि एक ओर गांव की सीमा पर स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान के समीप गुलदार की आमद से ग्रामीण भयभीत हैं। गुलदार मवेशियों को अपना शिकार बना रहा है। दूसरी ओर आबादी क्षेत्र में अब तक जंगली हाथी एक दर्जन के लगभग चहारदीवारी को नुकसान पहुंचा चुका है। चारों ओर भारी बर्षा के कारण जलभराव की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में रात को कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

वन्यजीवों की आमद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

नैनीताल आइए और होटल में ठहरने पर डिस्काउंट पाइए

नैनीताल, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस पर पर्यटकों को लुभाने के लिए पर्यटन कारोबारियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। कई होटलों में एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है तो कुछ में 30 से 50 फीसदी कमरे पैक हो चुके हैं। मानसून सीजन में होटल व्यवसायी पर्यटकों को कमरों पर 20 से 50 फीसदी तक डिस्काउंट दे रहे हैं। वीकेंड पर फिर से सैलानियों के उमड़ने की उम्मीद है। सैलानियों ने नैनीताल भ्रमण के लिए ऑनलाइन बुकिंग के साथ ही होटल, होम स्टे, गेस्ट हाउसों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। इससे पर्यटन कारोबारियों में बेहतर कारोबार की उम्मीद जग गई है। नैनीताल के आसपास भवाली, मुक्तेश्वर, रामगढ़, भीमताल, सातताल, नौकुचियाताल आदि पर्यटक स्थलों पर सैलानियों के काफी संख्या में पहुंचने का अनुमान है।

कुमाऊं विवि के एक लाख छात्र अब ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे शिकायत

नैनीताल, एजेंसी। कुमाऊं विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज में अध्ययन कर रहे लगभग एक लाख विद्यार्थी अब ऑनलाइन माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगे। छह दिन में उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा। कुलपति प्रो. डीएस रावत ने ग्रीवेंस रिड्रेसल पोर्टल लांच किया है। इसमें न सिर्फ विद्यार्थी बल्कि शिक्षक, कर्मचारी और संबद्ध संस्थान भी अपनी समस्याएं व शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। शुक्रवार को ई-समाधान ग्रीवेंस रिड्रेसल पोर्टल को लांच करते हुए प्रो. रावत ने बताया कि कुमाऊं विवि की वेबसाइट में ग्रीवांस के विकल्प में रजिस्ट्रेशन कर अकाउंट बनाना होगा। इसके बाद ई-मेल व मोबाइल नंबर के माध्यम से लॉग-इन करना शिकायत दर्ज करा सकते हैं। विद्यार्थी की ओर से की गई शिकायत जिस विभाग से संबंधित होगी वह उसी विभाग को स्थानांतरित कर दी जाएगी। शिकायतकर्ता अपनी समस्या के स्टेटस के बारे में भी जानकारी ले सकते हैं। विवि के ईआरपी सेल के प्रभारी केके पांडेय ने बताया कि पोर्टल में अन्य फीचर्स को जोड़ा जा रहा है जिससे यह बहुउपयोगी साबित हो सके। यहां वित्त नियंत्रक अनिता आर्य, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. संजय पंत, प्रो. एमसी जोशी, प्रो. अमित जोशी, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. महेंद्र राणा, उप कुलसचिव दुर्गेश डिमरी आदि रहे।

आजादी उत्सव में शामिल होने को दिल्ली रवाना हुए वाइब्रेंट विलेज के प्रधान

उत्तरकाशी, एजेंसी। वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत चयनित गांवों के प्रधान स्वतंत्रता दिवस के समारोह में शामिल होने के दिल्ली रवाना हो गए। ये प्रधान अपने परिवार के साथ आइटीबीपी अधिकारियों के नेतृत्व में रवाना हुए हैं, जो आज शाम को दिल्ली पहुंच जाएंगे।

उत्तरकाशी जनपद में वाइब्रेंट विलेज योजना में हर्षिल, धराली, मुखवा, बगोरी, झाला, जसपुर, पुराली और सुक्की गांव शामिल हैं। रविवार की सुबह उत्तरकाशी जिले के आठ वाइब्रेंट विलेज के प्रधान अपने परिवार के साथ आइटीबीपी के मातली कैंप से दिल्ली के लिए रवाना हुए। गंगा घाटी के ये ग्राम प्रधानगण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए गंगाजली के साथ स्थानीय उत्पादों की समूण भी लेकर गए हैं। हर्षिल गांव के प्रधान दिनेश रावत ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के मुख्य कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वह भी दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं। प्रधानों को परिवार के साथ लालकिले में आमंत्रित किया गया है। सभी प्रधान गंगाजल और स्थानीय महिलाओं की ओर से तैयार किए उत्पाद व अन्य स्थानीय सामग्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए लेकर जा रहे हैं। अगर प्रधानमंत्री से मिलने का अवसर मिला तो प्रधान उन्हें स्वयं समूण देंगे। अगर नहीं मिल पाए तो पीएमओ के अधिकारियों के माध्यम से देंगे। जसपुर के प्रधान हरीश राणा ने कहा कि देश के सबसे बड़े उत्सव स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिला दिल्ली में जाने का अवसर मिला।

वर्षों बाद मिली रुकी पेंशन, बुजुर्ग का जीवन हो गया रोशन

चौखुटिया (अल्मोड़ा), एजेंसी। एक बुजुर्ग महिला की आठ साल से रुकी वृद्धावस्था पेंशन उन्हें मिलनी शुरू हो गई है। पेंशन दिलवाने में पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने दो महीने तक संबंधित अधिकारियों से पत्र व्यवहार किया। महिला को रुकी पेंशन राशि 1,07,600 की पहली किस्त 22,800 के साथ ही एक महीने की पेंशन 1500 रुपये मिल गई जिससे वह काफी खुश है।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत धुधलिया मनराल की हंसुली देवी (75) पत्नी प्रेमराम की वृद्धावस्था पेंशन 2015 से बंद हो गई थी। इस दौरान महिला काफी परेशान रही। मई में बुजुर्ग महिला की मदद के लिए पूर्व जिला पंचायत

सदस्य गजेंद्र सिंह नेगी ने संबंधित अधिकारियों से पत्राचार किया। इसके बाद उन्हें पेंशन की पहली किस्त मिल गई। बताया कि गया कि हंसुली देवी गांव के टूटे मकान में अकेले रहती है। उनका कहना है कि वह पेंशन के लिए वर्षों से भटक रही थी। इधर गजेंद्र नेगी ने कहा कि बुजुर्ग को जीविकोपार्जन का सहारा मिल गया है।

प्रेग्नेंसी में भ्रांतियों से कैसे बचें महिलाएं ?

प्रेग्नेंसी को लेकर बहुत सारी स्त्रियों में कई प्रकार की भ्रांतियां हो जाती है ऐसे ही बहुत सारे सवालों के जवाब दे रही है डॉक्टर निधि अग्रवाल जो कि एक वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं और एडवांस प्लस क्लीनिक सेक्टर 62 नोएडा में डायरेक्टर हैं आजादी की इस 76 वें साल में आइए हम भी पाएं आजादी प्रेग्नेंसी से जुड़ी कई भ्रांतियों से

प्रातः किरण विशेष

डॉ निधि अग्रवाल
वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ
क्लाउडनाइन हॉस्पिटल पटपड़गंज व नोएडा
एडवांस प्लस क्लिनिक सेक्टर 62 नोएडा

भ्रांति : प्रेग्नेंसी में सीढ़ियां चढ़ना उतरना माना है

तथ्य- प्रेग्नेंसी किसी रोग अवस्था का नाम नहीं है, और सीढ़ियां चढ़ने उतरने में कोई खतरा नहीं है, तीसरी यानी आखिरी तिमाही में सावधानी बरतने की जरूरत है,क्योंकि सीढ़ियां ठीक से दिखाई नहीं देती हैं

भ्रान्ति : प्रेग्नेंसी में दो जनों के लिए खाना खाओ

तथ्यः प्रेग्नेंसी में 300 कैलोरीज अधिक की आवश्यकता होती है मां और शिशु के लिए एक संतुलित आहार लेना जरूरी है, डॉक्टर की सलाह अनुसार दवाइयां लेना जरूरी है एक सामान्य गर्भावस्था में 11 से 15 किलो वजन की बढ़ोतरी होती है

भ्रान्ति : प्रेग्नेंसी में हवाई यात्रा नहीं कर सकते

तथ्य : हवाई यात्रा बिल्कुल सुरक्षित है खासतौर से आठवें महीने तक अगर आपकी प्रेग्नेंसी में कोई जटिलताएं हैं तो आपको अपने डॉक्टर से पहले सलाह लेनी चाहिए लंबी दूरी के हवाई सफर में कुछ खास बातों का ध्यान रखा जाता है, अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा के नियमों की जानकारी लेकर ही अपना सफर प्लान करें

भ्रान्ति : व्यायाम से प्रेग्नेंसी में होगा नुकसान

तथ्य : व्यायाम मां और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत ही फायदेमंद है जटिल प्रेग्नेंसी वाली महिलाएं (हाई रिस्क प्रेग्नेंसी) अपनी डॉक्टर से विस्तृत सलाह लें व्यायाम से खून का दौरा बढ़ता है स्टेमिना बढ़ता है और नॉर्मल डिलीवरी की संभावना भी बढ़ती है

भ्रान्ति : प्रेग्नेंसी में पीठ के बल नही सोना चाहिए

तथ्य : सामान्य प्रेग्नेंसी में पीठ के बल या किसी भी करवट से अपनी सुविधा अनुसार सो सकते हैं,प्रेग्नेंसी के कुछ मामलों में या नवें महीने में कुछ देर
बाईं करवट लेटना फायदेमंद रहता है

भ्रान्ति : घी खाने से नॉर्मल डिलीवरी आसान होती है

तथ्य : देखिये घी का सेवन एक नियंत्रित मात्रा में ही करना चाहिए,अन्यथा यह मोटापा और ब्लड प्रेशर शुगर और कोलस्ट्रोल की समस्याओं को जन्म देगा
घी का सेवन डिलीवरी को आसान नहीं बनाता है, बल्कि अधिक वजन होने की वजह से मुश्किलें बढ़ा जरुर सकता है एक विशेषज्ञ होने के नाते में यही कहना चाहूंगी की प्रेगनेंसी हर स्त्री के जीवन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण और खास समय होता है, इस दौरान बहुत लोगों से चाही और अनचाही सलाह मिलती है, परन्तु हमारा यही कहना है कि सुने सब की मगर मानने से पहले अपना विवेक और डॉक्टर की सलाह अवश्य लें

आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

उच्च शिक्षा की फर्जी डिग्री देकर 100 से ठगी

नई दिल्ली । कोटला मुबारकपुर थाना पुलिस ने उच्च शिक्षा की फर्जी डिग्री बनाने वाले गिरोह का पदार्फाश कर दो महिलाओं समेत पांच जालसाजों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कॉल सेंटर चलाकर फर्जी डिग्री 25 से 30 हजार रुपये में बनाकर देते थे। आरोपी 100 से ज्यादा लोगों को ठग चुके हैं। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में अवैध गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए निर्देश दिया गया था। इस बीच एसआई किरणदीप कौर को सूचना मिली थी कि बापू पार्क में अवैध कॉल सेंटर चलाकर लोगों से ठगी की जा रही है। सूचना के बाद थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार, एसआई किरणदीप कौर व एएसआई अमर चंद की टीम ने कॉल सेंटर में दबिश दी। यहां पर दो महिलाओं सहित पांच लोगों को फोन पर लोगों को ठगने में लिप्त पाया गया। पुलिस ने दोनों महिलाओं और आशीष, अशफा व दानिश को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से कीपैड वाले चार मोबाइल, एक लैपटॉप, पांच स्मार्ट फोन, ग्राहकों का डाटा, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग की मुहर, खाली प्रवेश फॉर्म, रजिस्टर और डायरियां बरामद की गईं। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे एक साल से कॉल सेंटर चला रहे हैं। उच्च शिक्षा की फर्जी डिग्री 25 से 30 हजार रुपये में दे देते थे।

गीता के दर्शन का युवाओं के लिए संदेश विषय पर, दो दिवसीय कार्यक्रम

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आज यहाँ वैश्विक अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में ह्यगीता के दर्शन का युवाओं के लिए संदेशह्ण विषय पर वैश्विक अध्ययन केंद्र में संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से दो दिवसीय कार्यक्रम का आरंभ हुआ क कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में देश के प्रतिष्ठित विद्वान उपस्थित रहे क उद्घाटन सत्र में बीज वक्ता के रूप में अपने विचार रखते हुए पांचजन्य के सम्पादक श्री हितेश शंकर जी ने कहा कि गीता के संदेश को विश्वस्तर पर ले जाने की आवश्यकता है क्योंकि उसी में विश्वबंधुत्व और विश्व शांति का सूत्र हैकविशेषकर युवाओं को निष्काम कर्म का संदेश अपने स्वयं के जीवन को आदर्श रूप में प्रस्तुत करके विश्व के समक्ष रखना चाहिए कमहात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा जी ने कहा कि गीता में श्रीकृष्ण जी ने सभी विषयों की चर्चा की है और शंका निवारण किया है जो मनुष्य जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्ध रखते हैं क कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ विकास गुप्ता ने गीता के व्यवहारिक पक्ष पर चर्चा की और केंद्र इस महत्वपूर्ण विषय पर यह वातार्लाप आयोजित करने के लिए साधुवाद दिया तथा इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सहयोग का आश्वासन दिया कदिल्ली विश्वविद्यालय के नामित सदस्य श्री राजकुमार भाटिया जी ने केंद्र को कार्यक्रम के लिए शुभकामनायें दीं कइस अवसर पर केंद्र के निदेशक प्रो सुनील के चौधरी जी ने केंद्र के कार्यक्रमों की जानकारी साझा की तथा वार्षिक विवरणिका का विमोचन किया क कार्यक्रम का संचालन केंद्र के शोधार्थी डॉ महेश कौशिक ने किया क अन्य सत्रों में चौधरी चरण सिंह विश्विद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो पवन शर्मा, प्रो भगवती प्रकाश, प्रो राजेंद्र पांडे, यू एस ए से प्रोफेसर डगलस एलन, पूर्व कुलपति सुषमा यादव ने गीता दर्शन के विभिन्न आयामों को देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए आचार्यों, शोधार्थियों तथा छात्रों के समक्ष रखा ।

डीयू एसओएल ने राजनीति विज्ञान के दो पेपरों में मामूली त्रुटियों को लेकर गठित की कमेटी

नई दिल्ली । दिल्ली विश्वविद्याल के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) ने राजनीति विज्ञान के दो पेपरों के सेल्फ लर्निंग मेटीरियल (एसएलएम) में मामूली त्रुटियों को लेकर एक समीक्षा कमेटी गठित की है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसओएल के प्रिंसिपल प्रो. अजय जैसवाल ने बताया कि 11अगस्त, 2023 को दिल्ली विश्वविद्यायल की अकादमिक परिषद (एसी) की बैठक के दौरान कुछ निर्वाचित एसी सदस्यों द्वारा राजनीति विज्ञान के दो पेपरों के एसएलएम में कुछ त्रुटियों को इंगित किया गया था। प्रो. जैसवाल ने बताया कि स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग ने अनुवाद, मुद्रण, व्याकरण संबंधी, फैकल्टि त्रुटियों को गंभीरता से लेते हुए इस मामले में तुरंत प्रभाव से 12 अगस्त, 2023 को प्रख्यात शिक्षाविदों की एक समीक्षा कमेटी गठित कर दी है। उन्होंने कहा कि सख्त समीक्षा तंत्र संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एसएलएम के लिए कंटैंट लेखकों ने संपादकीय बोर्ड के साथ मिलकर अध्ययन सामग्री तैयार की है। प्रो. जैसवाल ने बताया कि एनईपी-2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में नियमित मोड के साथ-साथ दूरस्थ मोड में भी लागू किया गया है। एनईपी-2020 और यूजीसीएफ- 2022 के कार्यान्वयन के बाद, एसओएल ने जुलाई 2022 के डीईबी के नवीनतम दिशानिदेर्शों में उल्लिखित सेल्फ लर्निंग मेटीरियल (एसएलएम) के निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति का पालन किया है। एसओएल ने अखबारों में खुले विज्ञापन के माध्यम से प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालयों से कंटैंट लेखकों को सूचीबद्ध किया है। प्रत्येक विषय के कंटैंट लेखकों को संबंधित विषय के वरिष्ठ प्रोफेसर के साथ बातचीत के बाद शॉर्टलिस्ट किया गया है। फिर भी एसओएल अपने एसएलएम में किसी भी सुधार/संशोधन/सुझाव के लिए हमेशा खुला है। इस प्रयोजन के लिए, प्रत्येक एसएलएम मुद्रित सामग्री के पहले पृष्ठ पर इस बारे स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है।

जामिया हमदर्द को प्रतिष्ठित संस्थान का दर्जा नहीं देने की सिफारिश

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और विशेषज्ञों की एक समिति ने प्रतिष्ठित संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस यानी आईओई) के दर्जे के लिए केंद्र द्वारा चयनित यादवपुर विश्वविद्यालय और जामिया हमदर्द को आईओई के रूप में मान्यता नहीं देने की सिफारिश की है। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा तमिलनाडु सरकार ने अन्ना विश्वविद्यालय को आईओई का दर्जा देने के अपने पहले के प्रस्ताव को वापस ले लिया है। शिक्षा मंत्रालय ने सशक्त विशेषज्ञ समिति (ईईसी) और यूजीसी की सिफारिशों पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार के यादवपुर विश्वविद्यालय ने शुरू में योजना के तहत 3, 299 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान का प्रस्ताव पेश किया था। इसके बाद, मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से उसके द्वारा मुहैया कराई जाने वाली राशि के लिए वित्तीय प्रतिबद्धता मांगी थी क्योंकि इस योजना में प्रस्तावित बजट प्रावधान के लिए केवल 1, 000 करोड़ रुपये तक की निधि मुहैया कराए जाने और धनराशि कम पड़ने की स्थिति में योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए निधि की निरंतरता सुनिश्चित करने का प्रावधान है।

अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार इस पर सहमत नहीं हुई और उसने प्रस्ताव में बदलाव किया। पहले इसे 1, 015 करोड़ रुपये और फिर इसे और कम करके 606 करोड़ रुपये किया गया, जिसकी 25 प्रतिशत राशि विश्वविद्यालय द्वारा अपने स्तर पर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव था। यह प्रस्ताव फिर से समीक्षा के लिए यूजीसी और ईईसी के पास भेजा गया और दोनों ने शिक्षा मंत्रालय से विश्वविद्यालय को आईओई का दर्जा नहीं दिए जाने की सिफारिश की।

अधिकारी ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पारिवारिक निपटान विलेख के आधार पर हमदर्द नेशनल फाउंडेशन (एचएनएफ) को हमदर्द शिक्षा एवं सांस्कृतिक सहायता समिति (एचईसीए) और चिकित्सा राहत एवं शिक्षा समिति (एमआरईसी) में विभाजित करने का प्रस्ताव है। आईओई का दर्जा अविभाजित विश्वविद्यालय को देने की मंजूरी दी गई थी, इसलिए ईईसी ने उचित विचार-विमर्श के बाद संस्थान को यह दर्जा देने पर विचार नहीं करने की सिफारिश की है।

शिक्षा मंत्रालय ने 2018 में आईओई योजना शुरू की थी, जिसके तहत 10 सरकारी और 10 निजी यानी ऐसे कुल 20 संस्थानों का चयन किया जाना था, जिन्हें पूर्ण अकादमिक एवं प्रशासनिक स्वायत्तता मिलेगी। इस संबंध में पश्चिम बंगाल सरकार और तमिलनाडु सरकार को यादवपुर विश्वविद्यालय एवं अन्ना विश्वविद्यालय में वित्तीय योगदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता इंगित करने के लिए कहा गया था, ताकि उन्हें आईओई का दर्जा दिया जा सके। अधिकारी ने कहा कि तमिलनाडु सरकार द्वारा गठित एक समिति ने सिफारिश की कि अन्ना विश्वविद्यालय को आईओई दर्जे की आवश्यकता नहीं है, इसलिए राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय को यह दर्जा दिए जाने के अपने पहले के प्रस्ताव को वापस ले लिया।

खुखरायण ब्रदरहुड के कार्यक्रम में पहुंचे रोहित मीणा और राजीव साहनी

नई दिल्ली। खुखरायण वर्ल्ड ब्रदरहुड पूर्वी दिल्ली ने मनाया स्वतंत्रता दिवस। दिल्ली स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर खुखरायण वर्ल्ड ब्रदरहुड पूर्वी दिल्ली द्वारा कृष्णा नगर के लाल मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया प्रोग्राम में देश भक्ति के गीतों को सबने ध्यानपूर्वक सुना ओर रंगारंग कार्यक्रम का मजा लिया इसमें मुख्य रूप से उपस्थित लोगों में डीसीपी रोहित मीणा, विधायक एसके बग्गा, पार्षद संदीप कपूर , एसएचओ एस एल मीणा, नेहरू युवा केंद्र के डिप्टी डायरेक्टर एस के बब्बर, खुखरायण वर्ल्ड ब्रदरहुड के प्रधान राजीव साहनी, दीपक भसीन, शहीद पवन साहनी मेमोरियल सोसाइटी के अध्यक्ष ओर साहनी टाइम्स समाचार पत्र के मुख्य संपादक प्रवेश साहनी, कुलबीर सेठी और ईस्ट दिल्ली से संस्थापक यशपाल चड्ढा, अध्यक्ष आलोक भसीन, संत सभरवाल, लवली साहनी, विनोद साहनी, दीपक चड्ढा, सतीश साहनी, विनोद भसीन, नरेश घई, एवं ईस्ट दिल्ली के अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित हुए।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर डीयू में लगेगी प्रदर्शनी

नई दिल्ली। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 14 अगस्त को विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस सेंटर में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि दिल्ली विश्वविद्यालय ने स्वतंत्रता और विभाजन अध्ययन केंद्र की स्थापना की घोषणा भी की गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी दिल्ली परिसर के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने बताया कि यह केंद्र दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता और संरक्षण में कार्य करेगा। केंद्र की गवर्निंग बॉडी गठित कर दी गई है जो तीन साल की अवधि के लिए तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

प्रो. सिंह ने बताया कि यह केंद्र स्वतंत्रता संग्राम और उसके परिणाम के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए काम करेगा। उन्होंने कहा कि विभाजन विभीषिका से उपजी गंभीर मानवीय त्रासदी, दर्द, घाटे, अस्तित्व की गंभीरता और अंततः विजय जैसे असंख्य तथ्य, उपाख्यान, कहानियां और यादें हैं जो इस केंद्र द्वारा अध्ययनों से प्रकाश में आएंगे। यह केंद्र समर्पित अभिलेखीय स्रोतों और मौखिक इतिहास के माध्यम से अनुसंधान और सीखने को प्रोत्साहित करने का एक यथार्थ शैक्षणिक प्रयास है। प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने बताया कि इस केंद्र को इस क्षेत्र में विशिष्ट अध्ययन के लिए एक समर्पित संसाधन केंद्र के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना है। उन्होने बताया कि यह केंद्र उन गुमनाम लोगों के ऐतिहासिक आख्यानों को उजागर करने को प्राथमिकता देगा, जिन्हें शायद ही कभी मुख्यधारा में संदर्भित किया जाता हो और जिनकी पहचान के साथ पक्षपातपूर्ण और पूर्वाग्रहपूर्ण व्यवहार किया गया तथा जिनके विस्थापन और प्रवासन के रूट-मैप ने उनकी भावी पीढ़ियों को स्थायी रूप से प्रभावित किया व जीवन भर के लिए उन्हें गहरे जख्म दिये। प्रो. सिंह ने कहा कि यह केवल भौगोलिक विभाजन ही नहीं था, बल्कि भावनात्मक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से भी बहुत भारी क्षति थी। प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने बताया कि यह केंद्र अनुसंधान तथा सहयोग व संबंध विकसित करने के साथ-साथ देश के भीतर और बाहर एमओयू भी करेगा। शोध के अंततः सेमिनारों, सम्मेलनों और एक आवधिक पत्रिका के साथ प्रकाशनों में परिणित होने की उम्मीद है। क्षेत्र में ज्ञान के व्यापक प्रसार के लिए एक समर्पित पुस्तकालय और एक डिजिटल-संसाधन इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस पहले से ही चल रहा है। इस केंद्र की परिकल्पना अनुसंधान और संसाधनों के प्रासंगिक क्षेत्र में एक अति उत्कृष्ट संस्थान के रूप में की गई है।

एस.के.सारस्वत को किया गया सम्मानित : डी.के.तिवारी

नई दिल्ली । दिल्ली के सेक्टर-8, आरके पुरम स्थित केरला एजूकेशन सोसाइटी के सभागार में भूतपूर्व सरकारी विद्यालय प्रधानाचार्य संगठन के तत्वावधान में एक समारोह हुआ जिसमें पूर्व डिप्टी डायरेक्टर एस.के.सारस्वत को संगठन ने पुष्प, शाल व अनेक उपहार देकर सम्मानित किया। ज्ञात हो कि शिक्षा निदेशालय में कार्यरत एवं सेवा कर चुके प्रधानाचार्य व डिप्टी डायरेक्टर्स को पे-बैंड चार (ग्रेड 37000-69100) के अन्तर्गत संशोधित सुनिश्चित प्रोमोशन कैरियर स्कीम (एम ए सी पी) में ग्रेड पे 8700/ का लाभ दिलाने हेतु एस.के.सारस्वत ने लगभग 12 वर्षों तक कैट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक की लम्बी लड़ाई लड़ी। दिल्ली हाईकोर्ट ने 12 अक्टूबर 2022 को याचिका कताओं को उक्त लाभ देने का आदेश जारी किया था। इसके फलस्वरूप ही शिक्षा निदेशालय ने 18 जुलाई, 2023 को सभी योग्य लाभार्थियों के लिए आदेश जारी किया है। समारोह में सोसायटी फॉर टीचर्स कॉज के अध्यक्ष ओम सिंह व उपाध्यक्ष डी.के.तिवारी ने श्री सारस्वत सहित राजस्थान में कार्यरत डिस्ट्रिक्ट जज राज कुमार सहरावत को भी पुष्प गुच्छ व शाल पहनाकर सम्मानित किया।इस अवसर पर सैकड़ों अधिकारी उपस्थित हुए। सभा को अन्य वक्ताओं सहित राज किशोर शर्मा ने भी संबोधित किया। समारोह की अध्यक्षता पी.एन.वार्ष्णेय ने की और मंच का संचालन पूर्व डिप्टी डायरेक्टर डॉ.स्टेला ने किया।

गोपाल राय ने आज किया पांचवें वन महोत्सव का शुभारंभ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय द्वारा आज पूर्वी दिल्ली लोकसभा के उत्सव ग्राउंड ,पटपड़गंज से पांचवे वन महोत्सव की शुरूआत की गई। कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने बताया की इस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य वन एवं वन्य जीव विभाग की कार्यप्रणाली के बारे में जागरूक करना और हरित क्षेत्र की सुरक्षा को बढ़ावा देना है। पोर्टल के द्वारा वन एवं वन्यजीव विभाग के विभिन्न योजनाओं और कार्यों के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। केजरीवाल सरकार द्वारा इस साल लगभग 52 लाख से ज्यादा पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके अलावा 50 लाख पौधे एनडीएमसी द्वारा लगाए जाएंगे। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगो को विभाग द्वारा फ्री औषधीय पौधे भी बाटें गए

दिल्ली के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय द्वारा वन महोत्सव कार्यक्रम की शुरूआत पौधरोपण करके की गई। उसके बाद उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि दिल्ली के अंदर सीएम अरविंद केजरीवाल की सरकार बनने के बाद से लगातार प्रदूषण में गिरावट दर्ज की जा रही है। दिल्ली के अंदर हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में काफी इजाफा देखा गया है। दिल्ली के प्रदूषण स्तर में पिछले 8 सालों में लगभग 30 प्रतिशत से ज्यादा की कमी देखी गई है। दिल्ली में जहां साल 2013 में हरित क्षेत्र 20 फीसदी था, वह केजरीवाल सरकार के प्रयासों के कारण, साल 2021 में बढ़कर 23.06 फीसदी हो गया है। केजरीवाल सरकार के दूसरे कार्यकाल यानी साल 2020 से जबसे हमारी सरकार बनी है तबसे 1 करोड़ 18 लाख पौधे लगाए गए हैं। इस वर्ष भी हमारी सरकार ने 52 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसे 21 विभागों की एजेंसियो के द्वारा पूरा किया जाएगा। इसके अलावा लगभग 50 लाख पौधे एनडीएमसी लगाएगी।

उन्होंने बताया कि दिल्ली के ग्रीन बेल्ट को बढ़ाने और प्रदूषण को कम करने के लिए हर साल वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष केजरीवाल सरकार द्वारा ग्रीन एक्शन प्लान के तहत राज्य में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है। इस वर्ष समर एक्शन प्लान के बिन्दुओं में शामिल वृक्षारोपण महाअभियान को गति देने के लिए 9 जुलाई को आईएआरआई पूसा से वन महोत्सव कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए पांचवें वन महोत्सव कार्यक्रम को उत्सव ग्राउंड, पटपड़गंज में किया जा रहा है। हमारी सरकार दिल्ली के अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों में वृक्षारोपण और पौधा वितरण के जरिये वन महोत्सव को पूरी दिल्ली के साथ मिलकर मना रही है। इस नेक पहल में सरकार का साथ देने के लिए प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र से विभिन्न स्कूलों के बच्चे और अध्यापक भी मौजूद हैं।

इस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य वन एवं वन्य जीव विभाग की कार्यप्रणाली के बारे में जागरूक करना और हरित क्षेत्र की सुरक्षा को बढ़ावा देना है। साथ ही विभाग के कार्यप्रणाली के बारे में जागरूक करना ताकि ऐसे लोग दिल्ली की पारिस्थितिक सुरक्षा को आगे बढ़ाने में योगदान दे सकें।

- इस पोर्टल के द्वारा दिल्ली के निवासी,एनजीओ/आरडब्ल्यूए/निजी संगठन,वाणिज्यिक संगठन,सरकारी विभाग के अधिकारी आदि को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

- सभी लोगों के लिए प्रशिक्षण निःशुल्क होगा

- इस पोर्टल के द्वारा वन एवं वन्यजीव विभाग के विभिन्न अधिनियमों, योजनाओं और कार्यों क बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। जैसे :- दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम-1994, वन (संरक्षण) अधिनियम-1980,वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम- 1972,भारतीय वन अधिनियम-1927, राष्ट्रीय जैव विविधता अधिनियम-2005, मुख्यमंत्री शहरी बागवानी योजना आदि।

- इस पोर्टल के द्वारा लोगों और विभिन्न विभागों/संगठनों के प्रशिक्षण के लिए आवेदन ऑनलाइन जमा करना, आवेदन की ऑनलाइन ट्रैकिंग, प्रशिक्षण हेतु कार्यक्रम की तिथि, वन एवं वन्यजीव विभाग द्वारा आयोजित पिछले प्रशिक्षणों को देखना, प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रमाणपत्र जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

पिछले दिनों वन महोत्सव कार्यक्रम में लांच किए गए पोर्टल का विवरण

मंत्री गोपाल राय ने बताया की पिछले दिनों आयोजित किए गए वनमहोत्सव कार्यक्रम में विभाग द्वारा कई नए पोर्टल की शुरूआत की गई। वह कुछ इस प्रकार हैं

- पौध वितरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल की शुरूआत भी की गई थी। जहां से दिल्लीवासी मुफ्त पौध की बुकिंग कर सकते हैं।

-ग्रीन एक्शन प्लान के सफल परिणाम को सुनिश्चित करने के लिए, वन और वन्यजीव विभाग द्वारा वृक्षारोपण स्थलों की जियो लोकेशन और तस्वीरों के साथ मासिक वृक्षारोपण प्रगति को दिल्लीवासियों के लिए उपलब्ध कराने हेतु ग्रीन एक्शन प्लान पोर्टल भी शुरू किया गया था ।

- असोला भाटी वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी के पर्यटकों के लिए ऑनलाइन पोर्टल की शुरूआत भी की गई थी।

- वन महोत्सव कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण में रुचि रखने वालो युवाओ के लिए इंटर्नशिप पोर्टल शुरू किया गया। सभी 70 विधानसभाओं में शुरू होगा पौध वितरण का कार्यक्रम

पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सरकार के साथ दिल्लीवासी भी इस वन महोत्सव में सहयोग कर रहे हैं। इसी कारण सरकार द्वारा दिल्लीवासियों के लिए इस वन महोत्सव कार्यक्रम के बाद दिल्ली के विधायक एवं पार्षदों की सहभागिता से मुफ्त औषधीय पौधे पूरे 70 विधानसभाओ में वितरित करने का अभियान शुरू किया जाएगा।

शिव धाम में प्रभु श्री राम की लीला का मंचन

नई दिल्ली। विश्व प्रसिद्ध लव कुश रामलीला कमेटी लालकिला मैदान दिल्ली द्वारा आयोजित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब नई दिल्ली में प्रेस वार्ता के अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए बताया कि इस वर्ष रामलीला मंचन में अहम किरदार निभा रहे हिंदी सिनेमा के जाने-माने खलनायक बॉलीवुड स्टार मुकेश ऋषि प्रख्यात विद्वान दशानन रावण, बॉलीवुड एक्टर्स और जानी-मानी टीवी अभिनेत्री अमिता नांगिया महाबली रावण की पत्नी मंदोदरी, फिल्म एक्टर मोहित त्यागी रावण के भाई विभीषण, माया नगरी के जस्सी सिंह मेघनाद जैसे दमदार किरदारों को मीडिया से रूबरू कराया। लव कुश रामलीला कमेटी के प्रेसिडेंट अर्जुन कुमार ने यह भी बताया कि लालकिला मैदान में इस वर्ष होने वाली रामलीला में नए-नए अद्भुत, आधुनिक प्रयोग, लीला भव्य, सुंदर, मनोहारी हो उसके लिए लेटेस्ट टेक्निक का इस्तेमाल किया जा रहा है। पहली बार तीन मंजिला भव्य स्टेज बनाया जाएगा। काशी के बाबा विश्वनाथ धाम मंदिर की थीम पर बनने वाले भव्य सेट का निर्माण वाराणसी, मथुरा, राजस्थान एवं हरियाणा के अनुभवी कारीगरों द्वारा तैयार किया जा रहा है। 150 फीट लंबा 65 फीट ऊंचा बने इस भव्य सेट पर शिव धाम में रामलीला होगी। 31 फीट का कैलाश पर्वत और घने जंगल का सेट बनाया जाएगा। इसी सेट पर केवट जी का जगत पालनहार श्री राम, लक्ष्मण, माता सीता को नाव से नदी पार कराने से लेकर कई प्रमुख स्टंट एक्शन सीन दिखाएं जाएंगे। दूसरी मंजिल पर 3ऊमैपिंग इफेक्ट 200.14 की विशाल एलईडी युक्त और डिजिटल डॉल्बी साउंड के साथ विशाल स्टेज पर प्रतिदिन प्रभु श्री राम की लीला का मंचन होगा। काशी के बाबा विश्वनाथ धाम मंदिर के आकार की भव्य स्टेज की तीसरी मंजिल पर आकाश में विचरण कर रहे सभी देवी देवता लीला मंचन के बीच में प्रभु श्रीराम पर पुष्प वर्षा करते दिखाई देंगे। आकाश में रावण, कुंभकरण, मेघनाथ के पुतले लेजर लाइट से बनाए जाएंगे। कमेटी के महासचिव सुभाष गोयल ने बताया कि इस बार मुंबई फिल्म नगरी के नामी ड्रेस डिजाइनर विष्णु पाटील द्वारा लीला पात्रों की पोशाके तैयारी की जा रही है वही मुकुट एवं ज्वेलरी, धनुष तीर, गदा, तलवार, चंद्रहास एवं मेकअप मैन चोटालिया पंकज जीवराज भाई की टीम भी माया नगरी से ही आ रही है। लव कुश रामलीला कमेटी के सत्य भूषण वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि लीला स्थल पर 15 से 25 अक्टूबर 2023 तक लगने वाले मेले में विशेष प्रकार के झूले एवं पुरानी दिल्ली की मशहूर चाट पकौड़ी एवं विभिन्न प्रांतों के व्यंजन बहुत ही शुद्ध, शाकाहारी, मनोहरी, स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध रहेंगे। प्रवीण सिंगल, कपिल रस्तोगी लीला मंत्री ने इस अवसर पर बताया कि इस वर्ष भी लीला मंचन पूरी तरह से डिजिटल, हाईटेक होगा एवं लीला का लाइव टेलीकास्ट विभिन्न चैनलों के माध्यम से किया जाएगा। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए बॉलीवुड स्टार मुकेश ऋषि ने कहा कि मैं सिनेमा के साथ-साथ धार्मिक कार्यों में रुचि रखता हूं मेरे लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है कि लव कुश रामलीला कमेटी में मुझे रावण का अभिनय करने का मौका मिला है मैं रावण हूं। फिल्म अभिनेत्री एवं टीवी एक्टर अमिता नांगिया ने कहां इस बार मैं रावण पत्नी मंदोदरी का अभिनय करूंगी यह मेरे लिए एक नया अनुभव होगा। अभिनेता एवं टीवी कलाकार मोहित त्यागी ने बताया मैं रावण के भाई विभीषण का रोल करूंगा। मुंबई के कलाकार जस्सी सिंह ने कहा मैं रावण पुत्र मेघनाद की भूमिका अदा करूंगा आशा करता हूं दिल

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 14 अगस्त, 2023

संक्षिप्त खबरें

आईआईटी ने मध्य सेमेस्टर परीक्षाओं का एक सेट हटाया

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी दिल्ली) के निदेशक रंगन बनर्जी ने कहा कि संस्थान ने अपनी मूल्यांकन प्रणाली में सुधार किया है और विद्यार्थियों में तनाव कम करने के लिए मध्य सेमेस्टर परीक्षाओं का एक सेट हटा दिया है। यह निर्णय अलग-अलग आईआईटी संस्थानों में विद्यार्थियों की आत्महत्या के कई मामलों की पृष्ठभूमि में आया है। इसने इस बात को लेकर बहस छेड़ दी है कि क्या पाठ्यक्रम और कठिन अध्ययन कार्यक्रम विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं। आईआईटी दिल्ली के निदेशक बनर्जी ने बताया कि पहले हम एक सेमेस्टर की परीक्षाओं में दो सेट का इस्तेमाल करते थे। हर सेमेस्टर के अंत में अंतिम परीक्षा और कई सतत मूल्यांकन प्रणालियां हैं। हमने आंतरिक सर्वेक्षण किया और सभी विद्यार्थियों एवं संकाय से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर परीक्षाओं के एक सेट को छोड़ने का फैसला किया। अब नियमित मूल्यांकन के अलावा परीक्षाओं के दो सेट होंगे। उन्होंने कहा कि हमने महसूस किया कि परीक्षा कार्यक्रम बहुत अधिक बोझिल था, इसलिए विद्यार्थियों का बोझ और तनाव कम करने का फैसला किया। इस फैसले को सीनेट की मंजूरी मिल गई है और इसे चालू सेमेस्टर में लागू किया जाएगा। दोनों परीक्षाओं के लिए अधिकतम 80 फीसदी अधिभार (वेटेज) की सीमा निर्धारित की गई है। आईआईटी परिषद ने अप्रैल में हुई बैठक में निर्णय लिया था कि एक मजबूत शिकायत निवारण प्रणाली, अधिक मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग सेवा के साथ-साथ विद्यार्थियों में तनाव और अनुत्तीर्ण होने का डर कम करने की जरूरत है। पिछले महीने संसद में साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, सभी आईआईटी में पिछले पांच साल के दौरान विद्यार्थियों की आत्महत्या के सर्वाधिक मामले दर्ज किए गए। दरअसल, वर्ष 2018 से 2023 के बीच भारत के उच्च शैक्षिक संस्थानों में विद्यार्थियों की आत्महत्या के 98 मामलों में से 39 मामले आईआईटी के हैं।

दिल्ली पुलिस ने दोहरे हत्याकांड में शामिल छेनू गिरोह के सदस्य को पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली के सीमापुरी में हुए दोहरे हत्याकांड के मामले में फरार चल रहे छेनू गिरोह के एक सदस्य को पकड़ने में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने सफलता पाई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, आरोपी सलमान उर्फ तोहिद ने अपने साथियों के साथ मिलकर स्थानीय गैंगस्टर के रूप में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित करने के लिए दो व्यक्तियों की गोली मारकर हत्या कर दी। पीड़ितों से उनकी कोई निजी दुश्मनी नहीं थी। अधिकारी ने बताया कि 11 जुलाई को एक व्यक्ति को खून से लथपथ पाया गया, जिसको दो गोलियां लगी थीं। मृतक की पहचान प्रदीप (40) के रूप में हुई। लगभग 300 मीटर दूर एक अन्य व्यक्ति को मृत पाया गया, जिसकी पहचान बब्लू उर्फ पटला (40) के रूप में हुई, उसे दो गोलियां लगी थी। जानकारी के मुताबिक, प्रदीप और बब्लू एक-दूसरे को जानते थे और घटना के समय संभवतः एक साथ थे। जांच के दौरान, दो संदिग्धों, शाहबाज उर्फ शिब्बू और मिस्बाह को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने खुलासा किया कि वे छेनू गिरोह के सक्रिय सदस्य थे और अपने सहयोगी सलमान उर्फ तोहिद के साथ मिलकर दोनों पीड़ितों पर गोलियां चलाई थीं। पूछताछ के दौरान तोहिद ने खुलासा किया कि घटना की रात उसने साथियों शहबाज उर्फ शिब्बू और मिस्बाह के साथ मिलकर एक ही इरादे से दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया था। वे सभी शराब के नशे में थे और क्षेत्र में अपनी गैंगस्टर छवि को बढ़ाने की कोशिश में थे।

अकाश कुंज हाउसिंग सोसाइटी के मुख्य प्रवेश द्वार का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भारतीय वायु सेना और विमानन में सेवारत लोगों की लगभग 40 साल पुरानी सोसायटी की उपस्थिति तब से है जब से नई दिल्ली मे रोहिणी ने विकसित होना शुरू किया। आजकलए आसपास के सोसायटी क्षेत्र में बहुत सारे नए विकास देखे जा सकते हैंए लेकिन लंबे समय से हमारी सोसायटी को इस इलाके में अन्य लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक बड़े उन्नयन की आवश्यकता थी क्योंकि कई निवासी पद से सेवानिवृत्त हैं और वरिष्ठ नागरिक बन गए हैं।

आकाशकुज अपार्टमेंट के मुख्य प्रवेश द्वार के इस नए विकास के दौरानए हमारी दृष्टि इस तरह से विकसित करने की थी कि यह हमारी भारतीय वायु सेना और हवाईअड्डे के लोगों के प्रति पूरे सम्मान और श्रद्धांजलि के साथ सभी देशवासियों के लिए एक छाप छोड़ सके। इसलिएए 2023 में 76वें स्वतंत्रता दिवस के इस अवसर पर हमारी सोसाइटी आकाशकुंज अपार्टमेंट ने भारतीय वायु सेना में देश की सेवा करने वाले लोगों को सम्मान और श्रद्धांजलि देने के लिएए सोसाइटी के मुख्य द्वार परए सेना में अपनी वीरता का जज्बा दिखाने वाले पूर्व सैनिकों को सम्मान देते हुए राफेल लड़ाकू जेट विमान की प्रतिकृति को उभारा गया है। यह सोसाइटी में रहने वाले सभी पूर्व सैनिकों के लिए तो गर्व का विषय है ही साथ ही दिल्लीवालों के लिये भी गौरवांवित करने वाला पल है। बता दें कि इस कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व भाजपा अध्यक्ष और विधायक श्री विजेंद्र गुप्ता और सोसाइटी के अध्यक्ष श्री राजेश भूटानी ने किया। इस कार्यक्रम के दौरान भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने अपने विधायक निधि से समाज के लिए दो प्रमुख विकासों की भी घोषणा की 1ण मुख्य द्वार के लिए बूम बैरियर और 2ण वह समाज को उसकी क्षमता के अनुसार बागवानी सहायता प्रदान करेंगे।

इस बारे में आकाशकुंज सोसायटी के अध्यक्ष श्री राजेश भूटानी ने कहा कि ये सोसायटी में रहने वाले पूर्व सैनिकों के साथ ही उन सभी सैनिकों के लिए एक छोटी सी भेंट है जिन्होंने अपने जान की परवाह किए बिना जीवनभर परिवार से दूर रहकर सीमाओं की रक्षा की ताकि देशवासी आराम से अपने घरों में सो सकें। देश की प्रगति और तरक्की में महत्वपूर्ण भूमिका हमारे देश के इन्ही वीर जवानों की है। इन चिरयुवाओं को पूरी सोसायटी की ओर से यह सम्मान है। इस दौरान सोसायटी के प्रमुख प्रतिनिधियों की भी गरिमामय उपस्थिति रही।

वही सोसायटी निवासी श्रि निपुण चान्ना ने बताया कि सोसायटी का यह कदम समाज के लिये सराहनीय है। इस्स से जन्ता प्रेरित होएगि और आने वाली पीढ़ियों के लिये मिसल बनेगि। हमारी सोसायटी कि यह हमेशा कोशिश रहेगि कि हम एसे हि कुछ ना कुछ प्रेरणादायक काम करते रहेए जिस से इस सोसायटी मे रहने वाले सभी लोगों का अच्छी दिशा में विकास हो सके।

दोहरे हत्याकांड का वांछित अपराधी सलमान पुलिस की गिरफ्त में

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने डबल मर्डर के मामले में वांछित आराधी को गिरफ्तार कर लिया है. इसकी पूर्वी दिल्ली के वेलकम थाना की पुलिस टीम को लंबे समय से तलाश थी. गिरफ्तार बदमाश की पहचान सलमान उर्फ तोहिद के रूप में हुई है. यह पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर का रहने वाला है. स्पेशल पुलिस कमिश्नर रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि डबल मर्डर की वारदात 11 जुलाई को हुई थी, जब वेलकम थाना इलाके के पीली मिट्टी 65 फुटा रोड और जनता मजदूर कॉलोनी इलाके में दो अलग-अलग लोगों की गोली मारकर हत्या की गई थी. एक की पहचान प्रदीप और दूसरे की पहचान बबलू के रूप में हुई थी. दोनों को ही दो-दो गोली मारी गई थी.इस मामले में वेलकम थाना की पुलिस टीम भी छानबीन कर रही थी, जिसमें शाहबाज उर्फ शिबू और मिस्बाह को लोकल पुलिस ने गिरफ्तार किया था. उनसे पूछताछ से पता चला कि यह दोनों छेनू गैंग के सदस्य हैं. इन्होंने गैंग के साथी सलमान के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था. सलमान ने ही दोनों शख्स को गोली मारी थी.मामले की छानबीन कर रही क्राइम ब्रांच की टीम के हेड कांस्टेबल सचिन तोमर को सूचना मिली कि डबल मर्डर में शामिल बदमाश वेलकम मेट्रो स्टेशन में आने वाले हैं. डीसीपी सतीश कुमार की देखरेख में एसीपी राजकुमार, इंस्पेक्टर सुनील कुंडू, सहायक सब इंस्पेक्टर परवीन, हेड कांस्टेबल मनीष, सुनील और अनुज की टीम ने पूरा पता लगाकर ट्रैप लगाया और सलमान उर्फ तौहीद को वहां से धर दबोचा.आगे की जब पूछताछ हुई तो सलमान ने बताया कि वह अपने साथी शाहबाज उर्फ शिबू और मिस्बाह के साथ वारदात को अंजाम देने पहुंचा था, जिसमें दो लोगों की गोली मारकर इसलिए हत्या की, क्योंकि इलाके में गैंगस्टर का इमेज बनाना था. प्रदीप और बबलू की हत्या के पीछे कोई वजह नहीं थी और ना कोई पुरानी दुश्मनी थी. स्कूल ड्रॉपआउट सलमान ने अपनी इमेज बनाने के लिए क्लब और पब में जाना शुरू किया और फिर अपनी एक्टिविटी को इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो डालकर पोस्ट करके हाई प्रोफाइल बताने लगा.

15 अगस्त को लेकर दिल्ली पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी

- लाल किला के पास बंद रहेगा यातायात
- रिंग रोड पर भी यातायात रहेगा प्रभावित

नई दिल्ली। इस मंगलवार 15 अगस्त को देश अपना 77वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। इसको लेकर राजधानी दिल्ली हाई अलर्ट पर है। सुरक्षा एजेंसियां और दिल्ली पुलिस सुरक्षा-व्यवस्था को मुस्तैद है। वहीं, ट्रैफिक पुलिस ने भी यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से बने रहने के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी के मुताबिक, लाल किला के आसपास यातायात आम जनता के लिए सुबह 4 बजे से 10 बजे तक बंद रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को लाल किले से ही राष्ट्र को संबोधित करेंगे। इसमें कहा गया है कि यह केवल अधिकृत वाहनों के लिए खुला रहेगा।

मार्गों में नेताजी सुभाष मार्ग, लोथियन रोड, एसपी मुखर्जी मार्ग, चांदनी चौक रोड, निशाद राज मार्ग, एस्प्लेनेड रोड और इसकी लिंक रोड, राजघाट से आईएसबीटी तक रिंग रोड, और आईएसबीटी से आईपी फ्लाईओवर तक बाहरी रिंग रोड आम जनता के लिए बंद रहेगा। यह एडवाइजरी 15 अगस्त (मंगलवार) को सुबह 4 बजे से 11 बजे तक जारी रहेगी। पार्किंग लेबल वाहनों के लिए

एडवाइजरी के अनुसार, जिन वाहनों पर रिहर्सल के लिए पार्किंग लेबल नहीं है, उन्हें इन जगहों से बचना चाहिए। इनमें सी-हेक्सागोन, इंडिया गेट, कॉपरनिकस मार्ग, मंडी हाउस, सिकंदरा रोड, डब्ल्यू प्वाइंट, ए प्वाइंट तिलक मार्ग, मथुरा रोड, बीएसजेड मार्ग, नेताजी सुभाष मार्ग, जेएल नेहरू मार्ग, निजामुद्दीन खट्टा और आईएसबीटी कश्मीरी गेट के बीच रिंग रोड, और निजामुद्दीन खट्टा से सलीमगढ़ बाईपास के माध्यम से आईएसबीटी कश्मीरी गेट तक बाहरी रिंग रोड। नॉर्थ दिल्ली से साउथ जाने वालों के लिए उत्तरी दिल्ली से दक्षिणी दिल्ली और इसके विपरीत यात्रा करने वाले यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए अरबिंदो मार्ग, सफदरजंग रोड, कमल अतातुर्क मार्ग, कौटिल्य मार्ग, मदर टेरेसा क्रिसेंट, पार्क स्ट्रीट, मंदिर मार्ग और रानी झांसी रोड के वैकल्पिक मार्गों को लेना होगा। पूर्व-पश्चिम गलियारे में, वाहन यातायात एनएच-24, निजामुद्दीन खट्टा, बारापुला रोड-एम्स फ्लाईओवर के नीचे, रिंग रोड, मथुरा रोड, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, राजेश पायलट मार्ग, पृथ्वीराज रोड और सफदरजंग रोड आदि के वैकल्पिक मार्गों का पालन करेंगे। इसके अलावा शांति वन की ओर पुराना लोहे का पुल और गीता कॉलोनी पुल बंद रहेगा।

मालवाहक वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध 12 अगस्त की मध्यरात्रि से 13 अगस्त की सुबह 11 बजे तक निजामुद्दीन और वजीराबाद पुलों के बीच मालवाहक वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा। इस अवधि के दौरान महाराणा प्रताप आईएसबीटी और सराय काले खां आईएसबीटी के बीच अंतरराज्यीय बसों को भी अनुमति नहीं दी जाएगी। सिटी और डीटीसी बसें सोमवार रात 12 बजे से मंगलवार सुबह 11 बजे रिंग रोड पर आईएसबीटी कश्मीरी गेट और रिंग रोड-एनएच 24 (एनएच-9)/एनएच टी-प्वाइंट (निजामुद्दीन खट्टा) के बीच बसें नहीं चलेंगी। इसके लिए वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करना होगा।

आमतौर पर लाल किला, जामा मस्जिद और दिल्ली मुख्य रेलवे स्टेशन पर समाप्त होने वाली बसों की संख्या कम कर दी जाएगी या उनका मार्ग बदल दिया जाएगा। एडवाइजरी में कहा गया है कि मंगलवार सुबह 11 बजे के बाद सामान्य बस सेवा बहाल कर दी जाएगी। इसमें कहा गया है कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, लाल किला, भाई मति दास चौक, मोन गेट, आईएसबीटी प्रगति मैदान और अंबेडकर स्टेडियम टर्मिनल पर समाप्त होने वाली सभी बसें तुर्कमान गेट आसफ अली रोड के सामने समाप्त होंगी।

संविधान की भावना के खिलाफ है सेवा कानून कानून : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद दिल्ली सेवा अधिनियम कानून बन चुका है, जिसके बाद दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार और आम आदमी पार्टी लगातार केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर है। अब इस कानून को लेकर दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अपनी प्रतिक्रिया दी है और कहा कि यह कानून संविधान की मूल भावना के खिलाफ है।

आप सरकार के मंत्री ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि कई बार ऐसा हुआ है कि सरकार ने संविधान की मूल भावना के खिलाफ कानून पारित किया और सुप्रीम कोर्ट ने उसे पलट दिया। मेरा मानना है कि यह कानून (दिल्ली सेवा अधिनियम) भी मूल भावना के खिलाफ है संविधान का। उन्होंने आगे कहा, संविधान कहता है कि सरकार जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों के माध्यम से चलेगी। ऐसे में ऊपर से नियुक्त उपराज्यपाल सरकार नहीं चला सकते। यह संभव नहीं है। जब यह मामला अदालत में आता है तो अदालत इस कानून को पलट देंगे और संविधान लागू करेंगे। तब तक अराजकता रहेगी। एलजी मनमाने ढंग से सरकार चलाएंगे और जनता का काम रोक देंगे...यह दिल्ली के लिए दुर्भाग्यपूर्ण होगा।

स्वतंत्रता दिवस पर सेनानियों को नमन : राधेश्याम गुप्ता

नई दिल्ली। विकास मार्ग ट्रेडर्स एसोसिएशन के तत्वाधान में स्वन्त्रता दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता विकास मार्ग ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता ने करी उन्होंने अपने संबोधन में स्वत्रंता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि आज हमें उन शहीदों को याद करना चाहिए जिन्होंने हँसते हँसते अपने प्राणों को देश पर कुर्बान कर दिया। युवा साथियों को भी इन स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से अवगत कराया। कार्यक्रम में सी पी जावा, जे पी भाटी, राजीव जैन, प्रमोद शर्मा विनोद गुप्ता, रमेश कपूर, विजय राठौड़, अमित मिश्रा, प्रदीप महाजन, संजय चौहान, आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रीत विहार में संदीप दीक्षित नें किया ध्वजारोहण

नई दिल्ली । स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गुरचरन सिंह राजू जिला अध्यक्ष, कृष्णा नगर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रीत विहार के महावीर स्वामी में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संदीप दीक्षित पूर्व सांसद, डॉ. नरेन्द्र नाथ पूर्व मंत्री दिल्ली सरकार, नसीब सिंह पूर्व विधायक, हरिदत्त पूर्व प्रत्याशी एवं समस्त ब्लॉक अध्यक्ष, कार्यकर्त्ता और प्रीत विहार निवासी उपस्थित रहे। झंडा फहराने के बाद सलामी भी दी गई और राष्ट्रीय गान भी हुआ। इस अवसर पर गुरुचरण राजू ने नफरत छोड़ो भारत जोड़ो। देश में शांति सौहार्द का माहौल बनाने का संदेश दिया।

तेंदुओं की खालों के साथ आठ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली । राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों ने सिपाही समेत आठ तस्करों को पकड़ा है। इस लोगों से चार तेंदुए की खालें जब्त की गईं हैं। वित्त मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा विशिष्ट खुफिया जानकारी के बाद एक ऑपरेशन शुरू किया गया था। सूचना थी कि श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में कुछ गिरोह अवैध वन्यजीव व्यापार में शामिल है। यह गिरोह तेंदुए की खाल की बिक्री के लिए संभावित खरीदारों की तलाश कर रहा है। मंत्रालय ने कहा, ऑपरेशन के बाद एक सेवारत पुलिस कांस्टेबल सहित 8 लोगों को पकड़ा गया और तेंदुए (पैंथेरा पार्डस) की कुल 4 खालें बरामद की गईं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि तेंदुओं का शिकार लद्दाख, डोडा और उरी से किया गया था। सभी आरोपियों पर वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्हें वन्य जीवन संरक्षण विभाग, जम्मू और कश्मीर के अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

15 अक्टूबर से रामलीला का मंचन, इस बार 3डी इफेक्ट में दिखेगा रावण का वध

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में 15 अक्टूबर से लवकुश रामलीला कमेटी द्वारा रामलीला का मंचन किया जाएगा. रामलीला कमेटी प्रमुख अर्जुन कुमार ने बताया कि इस बार रामलीला मंचन और रावण पुतला का दहन स्पेशल इफेक्ट्स (3डी) के जरिए किया जाएगा.

उन्होंने रामलीला मंचन के बारे में बताया कि हमारा मकसद आज की युवा पीढ़ी के अंदर संस्कारों को आगे बढ़ाना है. आजकल लोग एक-दूसरे के दुश्मन बने फिर रहे हैं. भाई-भाई को देखना नहीं चाहता है. ऐसे में भगवान श्रीराम की प्रासंगिकता बहुत जरूरी है. इस बार रामलीला में आधुनिकता की कड़ी में थ्री डी इफेक्ट के जरिए पक्षियों, जानवरों की आवाजों को भी मंचन के दौरान जोड़ने का काम कर रहे हैं. जिससे खासकर बच्चों को रामलीला देखने में रुचि बढ़ेगी और वे अच्छे संस्कार की तरफ अग्रसर हो सकेंगे. रावण की भूमिका में मुकेश ऋषिः रावण की भूमिका में तीन बार फिल्म फेयर अवार्ड जीत चुके मुकेश ऋषि नजर आएंगे. उन्होंने कहा कि हम सभी के अंदर रावण है लेकिन हमें उस पर सदैव नियंत्रण रखना चाहिए. अपने अंदर भगवान राम की भावना को जगाए रखने की जरूरत है. रावण अपने समय का प्रख्यात पंडित था. वह सभी देवताओं पर विजय प्राप्त कर चुका था, लेकिन उनका अहंकार सर्वनाश का कारण बना. इस बात को हमेशा ध्यान रखना चाहिए. हमें सभी से विनम्रता पूर्वक आचरण करना चाहिए. बता दें, इस बार प्रसिद्ध कलाकार मोहित त्यागी विभीषण, विलेन का रोल करने वाले मुकेश ऋषि, अमिता नागिया मंदोदरी, जस्सी सिंह मेघनाद की भूमिका में नजर आएंगे. वहीं, अर्जुन कुमार ने बताया कि इस बार दर्शकों की सुविधा के लिए 3000 स्क्वायर फिट का एलईडी टीवी लगाया जाएगा. मेगा हेल्थ मेला का आयोजनः अर्जुन कुमार ने बताया कि हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन 17 अक्टूबर को रामलीला के दौरान ही मेगा हेल्थ मेला का आयोजन किया जाएगा. इस दौरान आंखों के चश्मे, कान की मशीनें सहित कृत्रिम अंगो को भी दिव्यांग जनों को बांटा जाएगा. इस दौरान किसी भी तरह का कोई भी शुल्क किसी से नहीं लिया जाएगा. मेगा हेल्थ मेला का आयोजनः अर्जुन कुमार ने बताया कि हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन 17 अक्टूबर को रामलीला के दौरान ही मेगा हेल्थ मेला का आयोजन किया जाएगा. इस दौरान आंखों के चश्मे, कान की मशीनें सहित कृत्रिम अंगो को भी दिव्यांग जनों को बांटा जाएगा. इस दौरान किसी भी तरह का कोई भी शुल्क किसी से नहीं लिया जाएगा.

मेट्रो स्टेशनों पर सोमवार से पार्किंग की सुविधा नहीं

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस को लेकर सुरक्षा के इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं। सभी मेट्रो स्टेशनों पर सोमवार से मंगलवार को दोपहर दो बजे तक वाहन पार्किंग की सुविधा नहीं मिलेगी। इसके अलावा स्टेशनों पर दो स्तरीय चेकिंग की जा रही है, जिसके चलते रविवार को कई स्टेशनों पर लंबी लाइनें लगी रहीं। सरोजिनी नगर मेट्रो स्टेशन पर लोगों को करीब एक घंटे तक लाइन में लगना पड़ा। बताया जा रहा है कि सरोजिनी नगर सुरक्षा की दृष्टि से काफी अहम है, क्योंकि यहां आतंकी हमला हो चुका है। इसके चलते बाजार में सुरक्षा चाक-चौबंद है। बाजार आने वाले लोगों की मेटल डिटेक्टर से जांच की जा रही है। साथ ही पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान भी जांच कर रहे हैं। सरोजिनी नगर में रविवार को खरीदारी करने वालों की संख्या करीब 60-70 हजार तक पहुंच जाती है।

छत्रसाल स्टेडियम के आसपास यातायात बाधित रहने के आसार

नई दिल्ली। मॉडल टाउन स्थित छत्रसाल स्टेडियम में मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ध्वजारोहण करेंगे। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सैकड़ों गाड़ियां एवं हजारों लोग पहुंचेंगे। इसे ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने स्टेडियम के आसपास व्यापक बंदोबस्त किए हैं। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, मंगलवार को सुबह 6 से दोपहर एक बजे तक स्टेडियम के आसपास यातायात बाधित रहने के आसार हैं। इस कार्यक्रम में लगभग 200 बसों से लोग आएंगे। इसके अलावा करीब दो हजार गाड़ियां आने का अनुमान है। इन गाड़ियों की पार्किंग के चलते आसपास जाम की समस्या हो सकती है। इसके चलते पुलिस ने आईपी कॉलेज से आजादपुर चौक, शक्ति नगर से आजादपुर चौक और छत्रसाल स्टेडियम रोड से गुजरावाला टाउन के रास्ते से न जाने की सलाह दी है।

वुमन एंपावरमेंट के लिए यूथ कांग्रेस ने उठाया बड़ा कदम, लॉन्च किया सुपर शक्ति शी कैंपेन

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस ने संगठन के महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम सुपर शक्ति शी के संबंध में महत्वपूर्ण पत्रकार वार्ता का आयोजन किया. भारतीय युवा कांग्रेस ने देश भर में महिला सशक्तिकरण के लिए युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन बेंगलुरु में सुपर शक्ति शीह्व कार्यक्रम की शुरूआत की थी. कार्यक्रम भारतीय युवा कांग्रेस के मुख्य कार्यक्रमों में से एक है. दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रणविजय सिंह लोचव ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर हर प्रदेश स्तर पर, जिला स्तर पर और विधानसभा स्तर पर महिला सशक्तिकरण की झलकियां दिखाई पड़ेगी. हर स्तर पर महिलाएं युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेकर अपने हक और हिस्सेदारी के लिए ध्वजारोहण करेंगी. इसी क्रम में दिल्ली में 15 अगस्त को प्रदेश स्तर पर, हर जिला स्तर पर और हर विधानसभा स्तर पर इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. युवा कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव और दिल्ली सह प्रभारी खुशबू शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम के जरिए देशभर की महिलाओं को जोड़ने का प्रयास करेगी और इस क्लब के माध्यम से यह सुनिश्चित करेगी की जिस भी क्षेत्र में महिलाएं भविष्य में आगे बढ़ना चाहे उसमें उनकी मदद कर सशक्त कर सके. इसके साथ-साथ भारतीय युवा कांग्रेस 14 अगस्त को इंदिरा फेलोशिप की भी शुरूआत कर रही है, जिसके तहत राजनीति की क्षेत्र में रुचि रखने वाली महिलाओं को मदद की जा सके. वहीं, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा कि वर्तमान समय में देश भर में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर अनेकों प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं. महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के चलते उन्हें आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है. इस असमानता को दूर करने के लिए युवा कांग्रेस ने सुपर शक्ति शी कार्यक्रम की शुरूआत की है. ताकि देश की हर महिला अपने हक और हिस्सेदारी के लिए किसी पर भी निर्भर न रहें. राहुल गांधी ने हमेशा प्रयास किया है कि ज्यादा से ज्यादा महिलाएं राजनीति में आए, इसके चलते युवा कांग्रेस ने संगठन स्तर पर 33% महिला आरक्षण के तहत संगठन में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं की भागीदारी हो, इसका प्रयास किया है.

हाऊस टैक्स,मालिकाना हक को लेकर देहात के नेताओ आवाज उठाई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली पंचायत संघ दिल्ली प्रदेश ने गांव नवादा में गांवों व अनाधिकृत कालोनियों के विकास के लिए 18 सूत्री मांगो को लेकर दिल्ली देहात के राजनेताओं व खापो के साथ पंचायत की इसमें सर्व सम्मति से 18 सूत्री मांगो में दिल्ली देहात की जीवनदायी साहिबी नदी की स्वच्छता व अतिक्रमण से मुक्ति के लिए शामिल किया गया। ओर 11 सदस्यीय समिति बना कर दिल्ली की तीनों पार्टी भाजपा, आप व कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्षों को मिल कर अपनी मांगो का ज्ञापन देना ओर देहात के वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में माननीय उप राज्यपाल दिल्ली को ज्ञापन देना प्रस्ताव पास किया गया ।

पंचायत की अध्यक्षता चोः बलवान सिंह गहलोत पूर्व पार्षद ने की इसमें पूर्व परिवहन एवं विकास मंत्री देवेन्द्र सिंह शौकीन, पूर्व विधायक सुखबीर दलाल, कृष्ण पाल गहलोत, पूर्व पार्षद श्रीमती राजेश कर्ण यादव ओर खापो से आठ गाँव प्रधान सुरेश शौकीन, पालम 360 प्रधान रामकुमार सोलंकी, 28 गांव खाप के प्रधान राकेश चौधरी तिहाड गांव,छावला गांव प्रधान सुखबीर शौकीन, कपूर सिंह डागर मलिक पुर व वेद प्रकाश तंवर अध्यक्ष दिल्ली प्रदेश सत्य सोधक समाज ने भी प्रस्ताव का समर्थन किया ।

प्रमुख मांगो में मालिकाना हक,हाऊस टैक्स, भवन उप नियम से बहार, सीलिंग प्रोपर्टी को खोलना,गांवों को व्यवसायिक श्रेणी में करना ओर वर्तमान में दिल्ली के सभी छात्र छात्राओं को कॉलेजो में शत प्रतिशत दाखिला देना है।

पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि सर्व प्रथम जहाँ हम 76वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं वहीं आज भी अंग्रेजों के समय से गांवों को लाल डोरा में बांध रखा है जिसे जल्द से जल्द हटा कर दिल्ली के गांवों को मालिकाना हक देने का काम करे सरकार ।

पूर्व मंत्री देवेन्द्र सिंह शौकीन व पालम 360 प्रधान रामकुमार सोलंकी व राकेश चौधरी 28 गांव प्रधान तिहाड गांव ने इन सभी ज्वलंत मुद्दों को लेकर महा पंचायत पालम गांव या तिहाड गांव में बुलाने की मांग की पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह व सह प्रमुख सुनील शर्मा ने आवाह्न किया कि गांवों व देहात के विकास के लिए राजनेताओं को एक मंच पर आना चाहिए कयोंकि अब गांव, किसान व देहात अपनी मांगोको लेकर खडा हो रहा है। चौधरी बलवान सिंह गहलोत ने कहा अब हम इस ज्ञापन के एक माह बाद सरकार की तरफ से कार्रवाई देखेंगे ।उसके बाद गांवों की चोपाल में गांव संसद बुलाई जाएगी इसमें गांवों व किसानों से संवाद होगा। इसके बाद महा पंचायत में बड़े आदोलन के रूप में जंतर मंतर पर गांवों की संसद लगेगी।

गैंगस्टर सचिन बिश्नोई का अयोध्या कनेक्शन आया सामने, लारेंस सिंडिकेट को मुहैया कराता था अवैध हथियार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

बीते दिनों अजरबैजान से प्रत्यर्पण पर दिल्ली लाए गए कुख्यात गैंगस्टर सचिन बिश्नोई थापन का अयोध्या कनेक्शन सामने आया है। अयोध्या से विधानसभा का निर्दलीय चुनाव लड़ चुके बाहुबली नेता विकास सिंह, लॉरेंस सिंडिकेट को न केवल विदेशी अवैध हथियार मुहैया कराने का काम करता है बल्कि अयोध्या व लखनऊ में लारेंस के पूरे गिरोह को शरण देने का भी काम करता है। कहीं भी अपराध करने के बाद लॉरेंस सिंडिकेट अगर छिपने के लिए विकास सिंह से संपर्क करता है तो वह शूटरों को अयोध्या से लेकर लखनऊ में छिपने के लिए शरण देने का काम करता है। विकास एक बड़ी राजनीतिक पार्टी से भी जुड़ा हुआ है। पुलिस ने कोर्ट को दी सचिन के अयोध्या कनेक्शन की जानकारी

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस यूनिट ने शनिवार को पटियाला हाउस कोर्ट में सचिन ब

संक्षिप्त खबरें

इसुआपुर में 99 प्रतिशत गणना क कार्य पूर्ण

इसुआपुर, एक संवाददाता। प्रखंड में जातीय गणना का कार्य लगभग पूरा हो गया है। केवल लोहार जाति को छोड़कर 99% कार्य पूरा कर लिया गया है। लोहार जाति के लोगों ने आरक्षण कैटेगरी को लेकर गणना कार्य कराने से इंकार कर दिया। उत्क्रमित मध्य विद्यालय अचितपुर में कैंप लगाकर पोर्टल पर चढ़ाने का कार्य अंतिम दौड़ में है। हालांकि इंटरनेट सेवा काफी स्लो तथा मोबाइल में नाम मात्र का नेट प्रगणकों को काफी रुला रहा है। बावजूद प्रगणकों ने गणना कार्य को अंतिम रूप देकर सराहनीय कार्य किया है। कैंप में गणना पदाधिकारी सह बीडीओ संतोष कुमार मिश्रा, डाटा एंट्री ऑपरेटर आनंद कुमार सिंह, मास्टर ट्रेनर पंकज भारती व अन्य थे।

इनर व्हील क्लब ऑफ सारण ने गरीब महिला को स्वरोजगार का दिया साधन

छपरा। इनर व्हील क्लब ऑफ सारण ने सभी बने सवालम्बी सोच को साकार करने मेंछोटी ही सही परन्तु सकारात्मक भूमिका निभाने का काम कर रही है ।महिलाओं की अंतरास्ट्रीय संस्था महिलाओं के उत्थान के लिए लगातार प्रयास कर रही है ।इसी कड़ी में आज क्लब की अध्यक्ष तनुजा जायसवाल ने एक गरीब महिला सुनीता देवी को सिलाई मशीन दे उन्हें सवालम्बी बनने की ओर प्रेरित किया ।क्लब की अध्यक्ष तनुजा जायसवाल ने इस अवसर पर बताते हुए कहा कि हमारा क्लब लगातार सामाजिक कार्यो में रुचि लेते हुए इस तरह से गरीब और पिछड़े वर्ग के समाज के बीच कार्य कर रहा है ,इसी कड़ी में आज सुनीता देवी को सिलाई मशीन दिया गया ताकि वो अपने परिवार का भरण पोषण कर सके ,साथ ही ये भी शपथ दिलाया कि किसी भी हालात में सिलाई मशीन किसी दूसरे हाथ न दे या बेचे ।इस अवसर पर क्लब की कोषाध्यक्ष अंकिता जायसवाल,सचिव अंजू फैशन एवं अन्य सदस्य मौजूद थी ।

दूसरी बार शराब पीने पर युवक को भेजा गया जेल

गोपालगंज। जिले के भोरे पुलिस ने दूसरी बार शराब पीकर हंगामा कर रहे एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। जिसे नए संशोधित शराबबंदी कानून के तहत जेल भेज दिया गया। बताया जाता है कि स्थानीय थाना क्षेत्र के जगतौली चैराहे पर एक युवक शराब पीकर हंगामा कर रहा था। जिसकी सूचना एसआई विनोद कुमार यादव को मिली थी। विनोद ने मौके पर से युवक को गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान थाना क्षेत्र के सकतौली गांव निवासी राहुल चैहान के रूप में की गई। पुलिस ने ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच कराई, तो शराब पीने की पुष्टि हुई। इसके बाद उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बता दें कि कुछ दिन पूर्व भी उत्पाद विभाग की टीम ने राहुल चैहान को शराब के नशे में गिरफ्तार किया था।

मुर्गी के दाना चुगने पर हिंसक झड़प, सास-बहू जख्मी

गोपालगंज । कभी मछली के मुड़ा, तो कभी चिकन बिरयानी को लेकर हिंसक झड़प के मामले में सुर्खियों में रहने वाला गोपालगंज, एक बार फिर चर्चा में है। इस बार मुर्गा और मुर्गी के दाना चुग लेने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। जिसमें सास बहू जख्मी हो गई। इस दौरान जमकर मारपीट हुई। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के डूमर नरेंद्र गांव के जेठकी टोला निवासी नंद जी बिन की पत्नी निर्जला देवी कहीं बाहर गई हुई थी। घर में उसकी बेटी अकेली थी, तभी पड़ोस के धनु बिन के घर के मुर्गा मुर्गी निर्जला देवी के दरवाजे पर चले गए। वहां जाने के बाद उनका गेहूं चुग कर खाने लगे। जब निर्जला देवी की बेटी ने मना किया, तो इससे नाराज होकर धनु बिन, उर्मिला देवी मेनका देवी, नीतू देवी और प्रभावती देवी अपने हाथ में लिए लाठी डंडा और फरसा से हमला कर दिया।

श्राद्धक्रम में शामिल होने आए युवक से मारपीट

गोपालगंज । जिले के फुलवरिया थाना क्षेत्र के सेमरबारी गांव में श्राद्ध कर्म में अपने रिश्तेदार के यहां शामिल होने आए युवक को कुछ लोगों ने रंगदारी पूर्वक मारपीट कर जख्मी कर दिया, साथ ही उसके पॉकेट में रखे 5000 नगद भी छीन लिए। मामले में जख्मी युवक भोरे थाना क्षेत्र के कुकुरभुका गांव के निवासी श्री राम भगत के पुत्र कृष्ण कुमार सिंह ने तीन लोगों के खिलाफ थाने में प्राथमिक दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि सेमरबारी गांव में अपने फुफहर गुलाबचंद सिंह के यहां श्राद्ध कर्म में सहयोग करने हेतु खाना बनाने के लिए बर्तन के अलावे अन्य आवश्यक सामग्री ई रिक्शा से लेकर आ रहे थे।

राजेंद्र स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह का पूर्वाभ्यास जारी, जिला पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित होने वाले 77 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का पूर्वाभ्यास जारी है । जिला पदाधिकारी अमन समीर एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव मंगला ने रविवार को राजेंद्र स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाले समारोह के लिए फूल ड्रेस रिहर्सल का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने परेड के तारतम्यता का अवलोकन किया, राष्ट्रगान के लय, सुर और टाइमिंग का सूक्ष्मता से अनुश्रवण किया तथा जरूरी आवश्यकताओं की तैयारियों के संबंध में जायजा लिया और संतुष्टि प्रकट की।

ध्यातव्य हो कि 15 अगस्त 2023 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के मुख्य समारोह स्थल राजेन्द्र स्टेडियम में विज्ञान एवं प्रावैधिकी-सह- सारण जिला प्रभारी मंत्री सुमित कुमार सिंह पूर्वाह्न 9:00 बजे ध्वजारोहण करेंगे। पदाधिकारीद्वय ने जिला के प्रमुख स्थलों की सतत निगरानी हेतु सभी अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को निदेशित करते हुए कहा कि वे आवश्यकतानुसार पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करें। इसके अलावे जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न आयोजन स्थलों पर भी विधि-व्यवस्था संधारण के लिए पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करना सुनिश्चित करे। बताते चलें कि इस बार मुख्य समारोह स्थल राजेन्द्र स्टेडियम से स्वतंत्रता दिवस समारोह का सीधा प्रसारण डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन सारण के यूट्यूब, फेसबुक पेज एवं ट्विटर पेज पर किया जा रहा है । इसके माध्यम से समारोह के सभी कार्यक्रम को जिलावासी एवं अन्य नागरिक आसानी से देख पाएंगे ।

सकारात्मक परिवर्तन का हो चुका है आगाज : अहमद

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जन सुराज अभियान से बिहार के राजनीति में सकारात्मक परिवर्तन का आगाज हो चुका है. एक नये बिहार का निर्माण में लोगों को आगे आने की जरूरत है. उक्त बाते रविवार को सारण जिला जन सुराज कार्यालय का विधिवत उद्घाटन के मुख्य अतिथि एमएलसी मो. अफाक अहमद ने कही. उन्होंने लोगों से इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया. वहीं जन सुराज के वरिये नेता व एमएलसी ई.सच्चिदानंद राय ने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए इस अभियान को जन जन तक पहुंचाने की बात कही. जबकि पूर्व मंत्री उदित राय ने बिहर की वर्तमान राजनीति परिदृश्य में जन सुराज एक बेहतर विकल्प के रुप में बताया. सारण जिला जन सुराज कार्यालय का विधिवत उद्घाटन विधान पार्षद मो. अफाक अहमद,ई. सच्चिदानंद राय, पूर्व मंत्री उदित राय, सभापति अशोक सिंह, जिलाध्यक्ष रामपुकार मेहता, महासचिव अभय सिंह, अभियान समिति के अध्यक्ष ब्रजेन्द्र कुमार सिंह उर्फ मुन्ना भवानी ,किसान मोर्चा के अध्यक्ष सुरेश सिंह, महिला मोर्चा के अध्यक्ष कांति देवी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. उद्घाटन के पश्चात एक समारोह का आयोजन किया गया. जिसकी अध्यक्षता करते हुए सभापति अशोक सिंह ने आगत अथितियों का स्वागत किया. जबकि सभा का संचालन अभियान समिति के अध्यक्ष मुन्ना भवानी ने किया. इस मौके पर मुख्य रूप से जिला प्रभारी व पूर्व आइपीएस अधिकारी अशोक सिंह, युवा जिला अध्यक्ष सरोज गिरी उर्फ संगम बाबा, अनुमंडल अध्यक्ष उदय शंकर सिंह, उपेंद्र सिंह, राहुल सिंह, अमिता सहनी, मुख्य प्रवक्ता कुलदीप महासेठ, प्रियरंजन सिंह युवराज, पूर्व जिला पार्षद पुष्पा सिंह, संगीता सिंह, कार्यालय प्रभारी नवनीत कुमार, प्रवक्ता आनंद मोहन सिंह, कुमार शिवम, संपत राही, श्याम बाबू राय, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद राय, डॉ. आर्थव ठाकुर आदि लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किया। इस मौके पर कविता सिंह,डॉ. सिंह, योगेंद्र महतो,ध्रुव राम,संजीव सिंह सैकड़ों की संख्या में विभिन्न संगठन व राजनीतिक दलों के लोग जन सुराज का संस्थापक सदस्य के रुप मे सदस्यता ली।

किराना व्यवसायी से रंगदारी मामले का पुलिस ने किया खुलासा

देशी कट्टा, लूटी गई एक मोबाइल और एक जिंदा कारतूस बरामद

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के मीरगंज शहर के एक किराना व्यवसायी से दस लाख रुपए की रंगदारी मांगे जाने के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में पुलिस टीम ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से एक देशी कट्टा, एक जिन्दा कारतूस, एक लूटी गई मोबाइल व एक अन्य मोबाइल बरामद किया है। गिरफ्तार बदमाशों में मीरगंज शहर के पूरब मोहल्ला निवासी अनिल सोनी तथा अभिषेक सोनी शामिल है। मालूम हो कि मीरगंज शहर के एक किराना व्यवसायी से मोबाइल पर पिछले आठ अगस्त को बदमाशों ने दस लाख रुपए की रंगदारी की मांग की थी उसके बाद पीड़ित ने इसकी सूचना मीरगंज पुलिस को दी। बाद में एसपी के निर्देश पर हथुआ एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। जिसके बाद पुलिस टीम ने मामले की जांच करते हुए दो बदमाशों को मीरगंज बीके टाईल्स के पास से गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से देशी कट्टा, दो मोबाइल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। रविवार की देर शाम हथुआ एसडीपीओ के कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान हथुआ एसडीपीओ अनुराग कुमार ने बताया कि दोनों बदमाश मीरगंज शहर के रहने वाले है। इन लोगों ने पूर्व में भी कई आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया है। उचकागांव थाना क्षेत्र के वृन्दावन के पास लूट की वारदात में दोनों शामिल थे। इस मामले को लेकर उचकागांव थाने में मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावे इसी थाने में एक अन्य केस भी दर्ज है। बदमाशों ने पूछताछ में अपना अपराध कबूल किया है। छापेमारी दल में पुलिस इंस्पेक्टर ललन कुमार, थानाध्यक्ष विशाल आनंद, एसआई आशीष कुमार, विनोद कुमार, विकास कुमार, तकनीकी शाखा के विकास कुमार, रविशंकर सिंह, संजीव कुमार, गुड्डू कुमार सिंह आदि शामिल रहे थे।

मातृभूमि की सेवा में समर्पित प्रबुद्ध जनों की सांगठनिक बैठक

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के बैकुण्ठपुर प्रखंड क्षेत्र के हरपुर टेगराहीं एनएच-27 डुमरिया घाट स्थित विवेकानंद विद्या स्थली स्कूल में भारत विकास परिषद के बैनर तले उत्तर कोसी बिहार प्रांत पूर्वी क्षेत्र की मातृभूमि की सेवा में समर्पित प्रबुद्ध जनों की एक विशेष सांगठनिक बैठक रविवार को आयोजित की गयी। जिसकी अध्यक्षता संस्थान के संचालक रामबाबू सिंह ने किया। संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा और समर्पण की सोंच लिये स्वस्थ समर्थ एवं संस्कारित भारत की परिकल्पना हेतु आयोजित बैठक में भारत विकास परिषद के महत्वाकांक्षी योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। बैठक में उत्तर कोसी बिहार प्रांत के कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर नवनीत शांडिल्य, प्रांतीय वित्त सचिव सुधीर कुमार सिंह, प्रांतीय संगठन मंत्री अमरनाथ प्रसाद ने भारत विकास परिषद के उद्देश्यों पर फोकस करते हुए वनवासी सहायता प्रकल्प, सेवा प्रकल्प, दिव्यांग प्रकल्प, समग्र ज्ञान विकास प्रकल्प, सरल सामूहिक विवाह प्रकल्प एवं अन्य प्रकल्पों के लिए देय आयकर अधिनियम की धारा 80-जी के अंतर्गत कर मुक्त सेवा की विस्तृत चर्चा की गयी। बैठक में महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति, विकास रत्न मित्र योजना, राहत कार्य, बाल एवं युवा संस्कार तथा प्रौढ़ साधना शिविर का आयोजन, दिव्यांग सहायता एवं पुनर्वास योजना, बनवासी सहायता योजना, ग्राम बस्ती विकास योजना, स्वास्थ्य एवं संस्कृति उपलब्धि को लेकर ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने की बात बतायी गयी। मौके पर उमेश कुमार सिंह, दीनानाथ सिंह, अशोक कुमार सिंह, राकेश ओझा, भवानी प्रताप सिंह, संतोष कुमार, श्रीकांत सिंह, जितेंद्र तिवारी, राजकिशोर प्रसाद, मनोज सिंह, संजीत कुमार, सत्येंद्र सिंह व प्रमोद सिंह आदि थे।

लाइन बाजार में एसपी ने किया टाउन आउट पोस्ट थाने का उद्घाटन

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के मीरगंज थाना क्षेत्र के लाइन बाजार में विधि व्यवस्था तथा अपराध नियंत्रण को लेकर टाउन आउट पोस्ट थाने का स्थापना किया गया है। जिसका विधिवत उद्घाटन रविवार के दिन एसपी स्वर्ण प्रभात, हथुआ एसडीपीओ अनुराग कुमार ने फीता काटकर किया। बताया जाता है कि मीरगंज थाना क्षेत्र के लाइन बाजार तथा आसपास के इलाके में काफी दिनों से विधि व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो रही थी इसके साथ ही सबेया अपराध नियंत्रण केंद्र के बाद मुख्य सड़क फुलवरिया थाने के बीच कोई पॉइंट नहीं था। जिसको ध्यान में रखते हुए एसपी के द्वारा लाइन बाजार में आउटपोस्ट थाने का स्थापना किया गया है। आउट पोस्ट थाने पर पुलिस कर्मियों के साथ-साथ एक पदाधिकारी की भी तैनाती की जाएगी। एसपी ने बताया कि काउंट आउटपोस्ट पर लाइन बाजार और आसपास के इलाके के लोगों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर थाने में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। छोटी मोटी समस्याओं का निपटारा टाउन आउट पोस्ट थाने पर ही कर दिया जाएगा। उन्होंने मीरगंज थाना अध्यक्ष को टाउन आउटपोस्ट पर थाने पर पंजी के साथ-साथ अन्य जरूरी सामानों को भी रखने का दिशा निर्देश दिया। इधर ग्रामीण इलाके में एसपी के द्वारा टाउन आउट पोस्ट थाने का स्थापना लाइन बाजार में करने से लोगों में एक नई उम्मीद जगी है वही खुशी की लहर है। मौके पर मेजर दिनेश पासवान, मीरगंज इंस्पेक्टर ललन कुमार,थानाध्यक्ष विशाल आनंद, एसआई अनिल कुमार, एएसआई बाल्मिकी , समाजसेवी प्रेम पांडे,सहित काफी संख्या में गणमान्य व प्रबुद्ध लोग मौजूद थे।

जमीनी विवाद में पति-पत्नी को मारपीट कर किया जख्मी, एक गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के उचकागॉव थाना क्षेत्र के जलालदी टोला गांव में जमीनी विवाद को लेकर गांव के कुछ लोगों ने 47 वर्षीय देवानंद साह को तलवार व लाठी से हमला कर बुरी तरीके से जख्मी कर दिया। बीच बचाव में आए उनकी पत्नी मंजू देवी की भी जमकर पिटाई की गई। घटना 13 अगस्त के दिन की है। जब पीड़ित देवानंद साह अपने घर में भोजन कर रहे थे। इसी दौरान जमीनी विवाद को लेकर गांव के कुछ लोग उनके दरवाजे पर पहुंचे और उनका नाम लेकर घर के बाहर बुलाते हुए गाली गलौज करने लगे। जैसे ही वे बाहर निकले तभी आरोपितों ने तलवार और लाठी से हमला कर उन्हें बुरी तरीके से जख्मी कर दिया। बीच बचाव में आई उनकी पत्नी मंजू देवी की भी जमकर पिटाई की गई। दोनों घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उचकागांव में कराया गया। मामले में घायल देवानंद साह के आवेदन पर गांव के राजेंद्र साह उर्फ छोटू, उनके भाई रविंद्र साह उर्फ जोनी, पत्नी शांति देवी और बेटी सोनाली कुमारी के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई है।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में प्राथमिकी दर्ज, पांच गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के भोरे थाना क्षेत्र के कोरेया गांव में एक बच्ची के पेशाब करने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई थी। इस दौरान दोनों तरफ से कुल आठ लोग जख्मी हुए थे। एक युवक को चाकू भी मारा गया था। इस मामले में दोनों पक्षों के आवेदन के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के 14 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

वहीं इस मामले पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बताया जाता है कि कोरेया गांव निवासी राज कपूर गोंड के परिवार की रीमा देवी की 5 वर्षीय लड़की घर के पास ही नाले में पेशाब कर रही थी कि तभी इसी बात को लेकर इस गांव के फूल मोहम्मद अंसारी, जैनुद्दीन अंसारी, अजमुद्दीन अंसारी और समीना खातून सहित कुल आधा दर्जन लोग अपने हाथ में चाकू, लाठी, डंडा लेकर आए और मारपीट कर रीमा देवी, मिंटू देवी, शर्मावती देवी, छबु गोंड और राज कपूर को जख्मी कर दिया। इसमें से राज कपूर गोंड के पैर में चाकू से वार करने घायल किया गया। वहीं दूसरे पक्ष से रुबीना खातून के सिर में चोट आई है। इसके अलावा जैनुद्दीन और अजमुद्दीन अंसारी भी घायल है। इनका आरोप है कि यह लोग दरवाजे पर बैठे थे कि तभी राज कपूर गोंड, छबू गोंड, गरीब गोंड कल 7 लोग आए और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर मारपीट कर जख्मी कर दिया। शर्मावती देवी के बयान पर फूल मोहम्मद अंसारी, जैनुद्दीन अंसारी, अजमुद्दीन अंसारी सहित सात और दूसरे पक्ष के फूल मोहम्मद अंसारी के बयान छबु गांव, राजकपूर गोंड, गरीब गोंड सहित सात लोग शामिल हैं। मामले में पांच लोग गिरफ्तार किए गए है।

ग्रामीण ने डीएम से बिजली की कवर तार लगाने की मांग किया

करपी (अरवल)। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के बेलखारा गांव के ग्रामीण जनता ने बिजली की कवर तार लगाने की मांग अरवल डीएम से वार्ड संख्या 5 के ग्रामीण जनता ने आवेदन देकर मांग किया है कि इस वार्ड में अभी तक बिजली विभाग के द्वारा कवर तार नहीं लगाया गया है। जबकि अन्य वार्डों में कवर तार लगा दिया गया है। कवर तार नहीं रहने के कारण काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त बिजली का पोल भी गिरा हुआ है। इस संबंध में बिजली विभाग के पदाधिकारी से कई बार मुलाकात कर इसकी मांग की है गई है। लेकिन इस मामले पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से आग्रह किया है कि कवर तार एवं पोल लगाने के संबंध में बिजली विभाग को निर्देश दिया जाए। जिससे कि इस परेशानी से ग्रामीणों को निजात मिल सके।

एकीकृत बीमारियों को लेकर जिले में चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान

पूर्णिया । बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के परियोजना निदेशक के द्वारा राज्य के सभी जिलों के जिला संचारी रोग पदाधिकारी को एकीकृत बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने का दिशा - निर्देश जारी किया गया है। उन्होंने एकीकृत बीमारियों जैसे- एसटीआई, एचआईवी, टीबी और हेपेटाइटिस को लेकर जागरूकता अभियान चलाने को कहा है। इसके आलोक में पूर्णिया के केंद्रीय कारा, बाल सुधार गृह (रिमांड होम) सहित वृद्धाश्रम में वृहत पैमाने पर एकीकृत बीमारी की जांच को लेकर आवश्यक दिशा - निर्देश जारी किया गया है। इसको लेकर केंद्रीय कारागार, बच्चा जेल और वृद्धाश्रम में आवासित महिला और पुरुष के साथ नाबालिग बच्चों के बीच जिला आईसीटीसी पर्यवेक्षक बैजनाथ प्रसाद और जिला टीबीएचआईवी पर्यवेक्षक राजेश शर्मा के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर रीच इंडिया के चंदन कुमार, एसटीएलएस प्रिया कुमारी और परामर्शी राजीव कुमार, सतन कुमार, टीबी चैंपियन साक्षी गुप्ता और मनीष कुमार सहित कई अन्य अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे। सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत संचालित होता है। जो यह भारत में एचआईवी / एड्स की रोकथाम के लिए 35 नियंत्रण समुदायों के माध्यम से कार्यक्रम का नियंत्रण तथा नेतृत्व करता है। राज्य मुख्यालय और जिलाधिकारी कुंदन कुमार के दिशा निर्देश में जिला मुख्यालय स्थित केंद्रीय कारा, बाल सुधार गृह(रिमांड होम), पूर्णिया सिटी स्थित वृद्धाश्रम में रहने वाले सभी बच्चे, युवा और बुजुर्गों को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मियों द्वारा संक्रमित बीमारियों की रोकथाम और उपचार को लेकर विस्तारपूर्वक जानकारी दी जा रही है।

ब्रह्माकुमारी बहनों ने मीडिया के साथ किया स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के छपरा राजयोग केंद्र रतनपुरा में आज प्रेस प्रतिनिधियों का स्नेह मिलन सह मीडिया कार्यशाला आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्र की प्रधान संचालिका ब्रह्माकुमारी अनामिका ने कहा कि दुनिया में आज जिस तरह अशांति का वातावरण है मानव मात्र सत्य और शांति की खोज में बेचैन है वैसी परिस्थिति में ब्रह्माकुमारी का सहज राजयोग आज न सिर्फ भारत वर्ष बल्कि विश्व के 140 देशों में शांति और अमन का संदेश प्रसारित कर रहा है। आज दुनिया भर के लोग सुख चैन एवं शांति की खोज में ब्रह्माकुमारी के योग एवं प्राणायाम को अपना रहे है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया की वे ब्रह्माकुमारी आश्रम के शांति और योग को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लें। जिससे उनका जीवन प्रगति एवं विकास के मार्ग पर सफलता के साथ अग्रसर हो सकेगा। इस अवसर पर प्रेस एवं मीडिया के सभी सदस्यों को रक्षा सूत बांधकर तथा तुलसी का पौधा एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। आज के इस स्नेह मिलन कार्यक्रम को प्रो डॉ लालबाबू यादव, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ अंजली, दिल्ली विश्वविद्यालय के युवा प्राध्यापक डॉ अमरेंद्र कुमार आर्य, युवा प्राध्यापिका रंजीता प्रियदर्शनी, अधिवक्ता मुरारी प्रसाद, ललन भाई, प्रिंस भाई आदि ने संबोधित किया। समारोह को सफल बनाने में ब्रह्माकुमारी मोनी बहन, ज्योति बहन, अर्पणा बहन, प्रियांशु बहन, प्रिया बहन, पूनम बहन, धर्मेन्द्र रस्तोगी एवं रंजीत भोजपुरिया ने अहम भूमिका निभाई। वही कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र नन्ही बच्ची सोना का भावनृत्य बना रहा।

हरित भारत एक सार्थक पहल के तहत निरंकारी मिशन द्वारा किया गया वृक्षारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। हरित भारत एक सार्थक पहल के तहत मशरक मे संत निरंकारी मिशन द्वारा रविवार को वृक्षारोपण कर पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लिया गया। इस दौरान निरंकारी सेवादल के संचालक अजय कुमार के नेतृत्व मे दर्जनो सेवादल के सदस्यो द्वारा रैली निकालकर वृक्षारोपण के लिए लोगो को जागरूक किया गया। सेवा दल के सदस्यों ने मशरक रेलवे परिसर मे अलग अलग जगहो पर दर्जनो फलदार वृक्ष लगाया क संचालक अजय कुमार ने बताया कि आज पुरे भारत वर्ष में सतगुरु माता जी के आदेशनुसार हरित विश्व की ओर एक सार्थक कदम के तत्वाधान में वृक्षारोपण किया जा रहा है। पेड़ की कमी के कारण ही आज पुरे देश में पर्यावरण दूषित होते जा रहा है क अगर प्रत्येक व्यक्ति एक- एक पौधा लगा दे तो पर्यावरण को प्रदूषित होने से रोका जा सकता है क वृक्षारोपण कार्यक्रम मे स्थानीय वार्ड पार्षद प्रतिनिधि दीपक कुमार ओझा, मुखी शिवनारायण सिंह , डॉ सरोज कुमार सिंह, सेवादल शिक्षक बसंत जी, रामपूजन सिंह , संचालिका नयंत्री देवी, संत कुमार, चंद्रदीप राम, जगलाल साह, अमृता देवी, मीना देवी, मेनका कुमारी, टुनटुन जी ,टापू जी नरेंद्र जी, राजू जी, दास जी, शोभा देवी, सविता देवी, ग्यंती देवी, पुनम देवी, जंगिलाल महतो , पुलिस राय,मुकेश, हरेंद्र, काशी राम सहित अन्य थे।

शहीद भ्राता धर्मदेव राय की शहादत पर भाव विह्वल हुए रक्षा मंत्रालय के पूर्व निदेशक प्रो सत्यदेव

बोले- लूकिंग-थिंकिंग टूविंस थी हम दोनों भ्राताओं की

प्रात : किरण संवाददाता

प्रो सत्यदेव राय शहीद धर्मदेव राय

रसूलपुर। पिता या बड़े भाई को कंधा देना नहीं बुझाता पर छोटे भाई को कंधा देना कितना कष्टमय लगता है... यह कहते हुए गला रूंध गया प्रो सत्यदेव राय का ।पर अपने को संभालते हुए व भाव विह्वल होते रक्षा मंत्रालय के पूर्व संयुक्त निदेशक प्रो सत्यदेव राय ने कहा कि छोटे भाई की शहादत पर उनका कंधा देते आंख में आंसू थे पर सीना गौरवान्वित था ।हमें ही नहीं पुरे गांव जवार को साहसी व कर्त्तव्यनिष्ठ धर्मदेव पर गर्व है ।जब धर्मदेव 1977 में फरक्का बैरेज निर्माण के दौरान नाव दुर्घटना में शहीद हो गये ।भरी जवानी देश को कुर्बान करने वाले धर्मदेव राय को याद करते पूर्व निदेशक व विश्व हिन्दू शक्ति परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो सत्यदेव ने कहा कि उनका शहीद भ्राता उम्र में छोटे थे पर उन दोनों की लुकिंग - थिंकिंग ट्विन्स थी ।बहुत स्नेह था हम दोनों में। घर्मदेव में देश के लिए साहस व वीरता कूट कूट कर भरी थी ।शुरू से ही सैनिक सेवा के लिए स्वपनशील रहने वाले धर्मदेव सीआईएसएफ में सेवा करते हुए देश के लिए शहीद हो गया जिस पर गर्व है ।हिन्दी -अंग्रेजी- संस्कृत सहित वेद वेदांत के प्रखर विद्वान प्रो सत्यदेव ने कहा कि देश सेवा उनके परिवार को विरासत में मिली है ।उनके बड़े बाबूजी महेन्द्र राय ने 1942 के आंदोलन मे सक्रिय भाग लेते हुए खुशी खुशी जेल चले गये ।अपने गांव बनपुरा के ही एक अन्य बिहार रेल पुलिस के शहीद जीतेंद्र पांडेय की शहादत पर भी विस्तार से प्रकाश डालते प्रो पराशर ने कहा कि हर साल 11 अगस्त को गांव के स्वतंत्रता सेनानी व शहीदों के नाम पर कार्यक्रम होना चाहिए ।क्यों कि कहा गया है कि- शहीदों की मजारों पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत मलखाचक पहुंचे सम्राट चौधरी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। दिघवारा नगर के प्रखण्ड क्षेत्र के ऐतिहासिक गाँव मलखाचक में रविवार को मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी पहुंचे ।मलखाचक आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत पूर्व विधायक सह अनुशासन समिति के प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार ने अंगवस्त्र व बुके देकर किया। इस दौरान जिले के सभी विधायक,पूर्व विधायक व पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे ।मलखाचक पहुंचते ही प्रदेश अध्यक्ष सबसे पहले शहीद श्री नारायण सिंह के घर पहुंचे जहां उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा राष्ट्र ध्वज को फहराया ।वही उनके परिजन से उनके घर का मिट्टी लिया ।वही गाँव के कुछ और वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों के घर जाकर मिट्टी एकत्रित किया ।साथ ही गाँधी कुटीर स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित भी किया ।कार्यक्रम के आखिर में उपस्थित सभी लोगो को पंच प्रण की शपथ दिलाई गई।

मौके पर विधायक जनक सिंह,विधायक मिथिलेश तिवारी,विधायक सीएन गुप्ता,पूर्व विधायक ज्ञानचंद मांझी,जगन्नाथ ठाकुर,जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह, लोकसभा संयोजक धर्मेंद्र कुमार सिंह,पूर्व जिलाध्यक्ष रामदयाल शर्मा,मंडल अध्यक्ष विपिन सिंह,हेमनरायन सिंह के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सम्पादकीय

कांग्रेस और आप में सीट बंटवारे की चर्चा

दिल्ली के सेवा बिल पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में भाजपा की डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की नई बनी दोस्ती को लेकर कांग्रेस पर तंज करते हुए कहा, गुजरात में आपका वोट हाफ कर दिया, पंजाब में स्विच ऑफ कर दिया, दिल्ली में साफ कर दिया और आपने उनको माफ कर दिया। सवाल है कि क्या सचमुच कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी को माफ कर दिया है? जिस तरह से कांग्रेस नेताओं ने संसद के दोनों सदनों में दिल्ली के बिल पर आप का साथ दिया और उसके बाद केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और राहुल गांधी को चिट्ठी लिख कर आभार जताया उसके बाद कोई संदेह नहीं बचा है। तभी अब चर्चा है कि दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे की बात हो रही है, जिसका दिल्ली और पंजाब के कांग्रेस नेता कई तरह से विरोध कर रहे हैं। पंजाब में तो यहां तक कहा जा रहा है कि कांग्रेस सरकार में शामिल हो सकती है। हालांकि इन खबरों का खंडन करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजा अमरिंदर सिंह वडिंग ने कहा कि अगर ऐसा किसी हाल में नहीं होगा और अगर होगा तो वे इस्तीफा दे देंगे। ध्यान रहे पंजाब की 117 सदस्यों की विधानसभा में आप के 92 विधायक हैं। कांग्रेस मुख्य विपक्षी है, जिसके 18 विधायक हैं। अगर कांग्रेस सरकार में शामिल होती है तो उसके बाद अकाली दल, भाजपा, बसपा और एक निर्दलीय की कुल संख्या सात रह जाएगी। यानी कोई विपक्ष नहीं बचेगा।जानकार सूत्रों के मुताबिक पंजाब की 13 लोकसभा सीटों को लेकर कांग्रेस और आप के बीच बात हो रही है। इस समय आप का सिर्फ एक सांसद है, जबकि कांग्रेस का सात है। कांग्रेस ने पिछली बार आठ सीटें जीती थीं लेकिन जालंधर के सांसद संतोष चौधरी के निधन के बाद वहां हुए उपचुनाव में आप जीत गई। बाकी पांच में से एक संगरूर सीट सिमरनजीत सिंह मान ने जीती है और भाजपा व अकाली दल के पास दो-दो सीटें हैं। बताया जा रहा है कि आप ज्यादा सीटों की मांग कर रही है। कांग्रेस कम से कम सात सीट चाहती है। अगर कांग्रेस और आप का गठबंधन बनता है तो दूसरी ओर अकाली और भाजपा का भी गठबंधन बनेगा। यानी पिछले दो चुनावों से उलट इस बार आमने-सामने का चुनाव हो सकता है। दिल्ली के बारे में कहा जा रहा है कि आम आदमी पार्टी पांच सीटों पर लडा चाहती है और कांग्रेस को दो सीट दे सकती है। कांग्रेस के तमाम बड़े नेता इसका विरोध कर रहे हैं। अजय माकन और संदीप चौधरी ने मोर्चा खोला है। दूसरी ओर तालमेल का समर्थन करने वालों का कहना है कि इन दोनों को अपनी लोकसभा सीट की चिंता है। कांग्रेस के कई नेता पिछले 10 साल से सत्ता से बाहर होने की वजह से परेशान हैं और लगता है कि तालमेल हो गया तो उनको कोई न कोई पद मिल जाएगा। या विधानसभा चुनाव में जीतने की संभावना बनेगी। आप को भी लग रहा है कि मुस्लिम वोट का रूझान कांग्रेस की ओर हुआ है इसलिए तालमेल जरूरी है नहीं तो अगले चुनावों में दिक्कत होगी।

बिहार में भाजपा के लिए पूरा मैदान

अजीत द्विवेदी

बिहार में पिछले महीने भारतीय जनता पार्टी की एक रैली में उसके नेताओं, कार्यकताओं पर पुलिस ने जिस बर्बर अंदाज में लाठियां चलाईं और उसके सांसदों-विधायकों को पीटा वह बिहार की राजनीति में एक नए दौर की शुरूआत का प्रस्थान बिंदु हो सकता है। असल में बिहार एक ऐतिहासिक राजनीतिक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। भारतीय जनता पार्टी के सामने बिहार की राजनीति की केंद्रीय ताकत बनने का वास्तविक अवसर है। एक बार पहले भी 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद यह अवसर आया था लेकिन उस समय भाजपा इस अवसर का लाभ उठाने की स्थिति में नहीं थी। यह भी कह सकते हैं कि वह लोकसभा चुनाव में मिली भारी भरकम जीत के बाद अति आत्मविश्वास में थी इसलिए 2015 के विधानसभा चुनाव में लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की ओर से बनाए गए मंडल की राजनीति के नैरेटिव को बहुत हलके में लिया था। भाजपा नेता इस मुगालते में रहे कि नरेंद्र मोदी खुद पिछड़ी जाति के नेता हैं और उनका अखिल भारतीय करिश्मा ऐसा है कि उनके सामने लालू और नीतीश की पारंपरिक मंडल राजनीति नहीं टिकेगी। तभी चुनाव नतीजा भाजपा के लिए सदमे की तरह था और यही वजह रही कि पहला मौका मिलते ही वह फिर से नीतीश की शरण में पहुंच गई।लेकिन इस बार भाजपा सावधान है और अपने दांव-पेंच आजमाने को तैयार है। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद उसने बहुत बारीकी से नीतीश कुमार को कमजोर करने की राजनीति की। चिराग पासवान का एनडीए से अलग होना और 2020 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ जदयू के खिलाफ उम्मीदवार उतारना इसी राजनीति का हिस्सा था। इस राजनीति ने नीतीश कुमार की पार्टी को न सिर्फ तीसरे नंबर की पार्टी बनाया, बल्कि तीसरे दर्जे की पार्टी भी बना दिया। उनका अपना वोट आधार बहुत कम हो गया और राष्ट्रीय जनता दल लगातार दूसरी बार प्रदेश की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत के तौर पर उभरी। इसके बाद सब कुछ लिखित पटकथा की तरह हुआ। नीतीश कुमार मंडल की राजनीति को बचाने और अपनी पार्टी के अस्तित्व की रक्षा के लिए राजद के साथ चले गए। उन्होंने लालू प्रसाद के साथ मिल कर सात पार्टियों का एक गठबंधन बनाया। जदयू और राजद के नेता इसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धि मानते रहे लेकिन असलियत यह है कि उनकी इस राजनीति ने बिहार में विपक्ष का पूरा स्पेस भाजपा को सौंप दिया। अभी इकलौता विपक्ष भाजपा है और पूरा मैदान उसका है।इससे पहले नवंबर 2015 से जुलाई 2017 तक यानी डेढ़ साल तक भाजपा इकलौते विपक्ष के तौर पर थी लेकिन तब वह विपक्ष की राजनीति करने की बजाय इस इंतजार में थी कि नीतीश कुमार कब वापसी करेंगे और भाजपा कब सत्ता में लौटेगी। वह विपक्ष के तौर पर काम करने की बजाय सत्ता में लौटने का इंतजार कर रही थी। इस बार तस्वीर अलग है। इस बार भाजपा ने अपने को मजबूत विपक्ष के लिए तैयार किया है। कुछ भाजपा की तैयारियों और कुछ भाजपा विरोधी पार्टियों की राजनीति ने ऐसा अवसर बनाया है, जिसका इस्तेमाल करके वह प्रदेश की केंद्रीय राजनीतिक ताकत बन सकती है। इतिहास में भाजपा के सामने ऐसा अवसर पहले कभी नहीं आया। वह कभी भी बिहार की मजबूत पार्टी नहीं रही है। एकीकृत बिहार में उसकी ताकत दक्षिण बिहार में थी, जो क्षेत्र बाद में झारखंड बना और जहां आज भी भाजपा एक बड़ी ताकत है। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने भी जैसा आधार दक्षिण बिहार यानी आज के झारखंड में बनाया था वैसा बिहार में नहीं बन सका था।तभी बिहार में लालू प्रसाद की मंडल राजनीति को चुनौती देने के लिए भाजपा ने नीतीश कुमार को कंधे पर उठाया था। समता पार्टी के समय बना समीकरण दोनों के लिए फायदे वाला था इसलिए वह समीकरण चलता रहा। अब भाजपा खुद वह राजनीति करने की स्थिति में है। नीतीश कुमार के कमजोर होने और राजद की ताकत बढे से भाजपा के लिए मौका बना है। खुद भाजपा ने भी कई राजनीतिक प्रयोग किए। सवर्ण, वैश्य और यादव नेतृत्व को आजमाने के बाद अंत में भाजपा वहां पहुंची, जहां से नीतीश कुमार ने शुरूआत की थी। नीतीश ने शकुनी चौधरी के साथ मिल कर समता पार्टी का गठन किया था और लव-कुश का समीकरण बनाया था। लव यानी कुर्मी का प्रतिनिधि नीतीश कुमार करते थे और कुश यानी कोईरी का प्रतिनिधित्व शकुनी चौधरी करते थे। अब भाजपा ने शकुनी चौधरी के बेटे सम्राट चौधरी को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। यह समय का पहिया 360 डिग्री पर घूमने जैसा है। याद करें 2014 के लोकसभा चुनाव में जब नीतीश अकेले लड़े थे तब उनको 16 फीसदी वोट मिला था। उसमें बड़ा हिस्सा उनके लव-कुश समीकरण का था और बाकी अतिपिछड़ी जातियों का वोट था, जो उनको मिला। अब उनके लव-कुश के कोर वोट में भाजपा ने सेंध लगाई है। दूसरे, लालू प्रसाद की पार्टी के मजबूत होने से अति पिछड़ी और महादलित जातियां, नए आसरे की तलाश में हैं क्योंकि उनको दिख रहा है कि अब नीतीश महागठबंधन में रहते हुए उनके हितों की रक्षा करने में सक्षम नहीं हैं। वे उनको सत्ता में हिस्सेदारी भी नहीं दिला सकते हैं। सो, एक तरफ भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग की राजनीति है, जिसमें गैर-यादव और गैर-कुर्मी पिछड़ी जातियों के लिए जगह बनी है और दूसरे राजद, जदयू, कांग्रेस और सभी लेफ्ट पार्टियों के एक साथ हो जाने से विपक्ष का पूरा स्पेस भाजपा को मिल गया है। पहले किसी की सरकार होती थी तो कम्युनिस्ट पार्टियां प्रदर्शन करती थीं अब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाली एकमात्र पार्टी भाजपा है। जिसको भी सरकार से नाराजगी है उसके पास भाजपा के साथ जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। गैर यादव और गैर कुर्मी राजनीति करने वाली पार्टियों में मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी है और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक जनता दल है। ये दोनों पार्टियां भी भाजपा के साथ हैं या आ जाएंगी। महादलित राजनीति करने वाले जीतन राम मांझी भी भाजपा के साथ जुड़ गए हैं। और तमाम छिटपुट संकेतों के बावजूद सवर्ण बुनियादी रूप से भाजपा के साथ हैं हीं।

जश्न-ए-आजादी : अमृतकाल में शान से फहराएं तिरंगा

बचपन में जब हम स्कूली शिक्षा ग्रहण कर रहे थे उस दौरान स्वाधीनता और गणतंत्र दिवस पर प्रभातफेरी निकाली जाती थी। उस दौरान स्कूली बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर यह गीत गाया करते थे विजयी विश्व तिरंगा, प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा। राष्ट्रीय ध्वज की परिकल्पना सबसे पहले पिंगली वेंकैया ने की थी। यह आजादी का अमृतकाल है। देश के हर व्यक्ति को गौरव के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराना चाहिए। ऐसा करने अपने भीतर अपना देश, अपनी माटी की अकल्पनीय अनुभूति होती है और राष्ट्रीय भावना और मजबूत होती है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज तीन रंगों से बना है। सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी हमारी ताकत को दशार्ती है। सफेद रंग की पट्टी शांति और सत्य का प्रतीक है। सबसे नीचे हरे रंग की पट्टी विकास, उर्वरता और समृद्धि का द्योतक है। सफेद रंग की पट्टी के मध्य स्थापित चक्र अशोक स्तंभ से लिया गया है। चक्र के भीतर कुल 24 से तीलियां है। यह भारत के निरंतर प्रगति का संकेत देती हैं। संविधान सभा की बैठक में 22 जुलाई 1947 को इसे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में मान्यता मिली।

प्रभुनाथ शुक्ल
वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समीक्षक

राष्ट्रीय ध्वज हमारे गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है। दुनिया का कोई भी देश अपने राष्ट्रीय ध्वज को जान से भी अधिक सम्मान देता है। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए लाखों लोग बलिदान हो चुके हैं। भारत में राष्ट्रीय ध्वज विशेष अवसरों पर फहराया जाता है। बचपन में जब हम स्कूली शिक्षा ग्रहण कर रहे थे उस दौरान स्वाधीनता और गणतंत्र दिवस पर प्रभातफेरी निकाली जाती थी। उस दौरान स्कूली बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर यह गीत गाया करते थे विजयी विश्व तिरंगा, प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा। राष्ट्रीय ध्वज की परिकल्पना सबसे पहले पिंगली वेंकैया ने की थी। यह आजादी का अमृतकाल है। देश के हर व्यक्ति को गौरव के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराना चाहिए। ऐसा करने अपने भीतर अपना देश, अपनी माटी की अकल्पनीय अनुभूति होती है और राष्ट्रीय भावना और मजबूत होती है।

हमारा राष्ट्रीय ध्वज तीन रंगों से बना है। सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी हमारी ताकत को दशार्ती है। सफेद रंग की पट्टी शांति और सत्य का प्रतीक है। सबसे नीचे हरे रंग की पट्टी विकास, उर्वरता और समृद्धि का द्योतक है। सफेद रंग की पट्टी के मध्य स्थापित चक्र अशोक स्तंभ से लिया गया है। चक्र के भीतर कुल 24 से तीलियां है। यह भारत के निरंतर प्रगति का संकेत देती हैं। संविधान सभा की बैठक में 22 जुलाई 1947 को इसे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में मान्यता मिली। हालांकि इसके पूर्व भी कई तरह के झंडे देश और विदेश में फहराए गए, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकार नहीं किया गया था।

राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में कोई गुस्ताखी नहीं होनी चाहिए। क्योंकि यह हमारे गौरव, स्वाभिमान और सम्मान का प्रतीक है। इसके सम्मान की हर हालत में रक्षा की जानी चाहिए। तिरंगे का अपमान राष्ट्र का अपमान समझा जाता है। फटे-पुराने एवं कटे हुए तिरंगे को नहीं फहराया जाना चाहिए। संविधान सभा की ओर से राष्ट्रीय ध्वज के रूप में इसे अंगीकार किए जाने के बाद अभी सिर्फ एक बदलाव किया गया जिसमें चरखे की जगह अशोक स्तंभ के चक्र का उपयोग किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज में कोई भी बदलाव नहीं हुआ।

राष्ट्रीयध्वज के रोहण के लिए भी नियम बनाए गए हैं। भारतीय ध्वज संहिता यानी फ्लैग कोड ऑफ इंडिया में सब वर्णित है। भारतीय ध्वज संहिता 26 जनवरी 2002 को प्रभावी हुई है। भारतीय ध्वज संहिता 2002 को पुनः30 दिसंबर 2021 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया है। जिसमें राष्ट्रीय ध्वज हाथ से कते और बुने हुए या मशीन से कते कॉटन, पॉलिएस्टर, ऊन, रेशम या फिर खादी की पट्टी से बनाया जा सकता है।

भारत का कोई भी नागरिक अपने निजी या सार्वजनिक स्थान, कार्यालय या घर पर तिरंगा फहरा सकता है। हालांकि इसके पूर्व यह अनुमति नहीं थी, लेकिन दिसंबर 2002 में संविधान संशोधन के जरिए अनुमति दी गयी। साल 2009 में रात्रि में भी तिरंगे को फहराने की अनुमति दी गई। पूरे भारत में 21 फीट लंबा और 14 फीट चौड़ा तिरंगा सिर्फ तीन स्थानों पर फहराया जाता है इसमें कर्नाटक का नारगुंड किला, महाराष्ट्र में पनहाला किला और मध्य प्रदेश का ग्वालियर किला शामिल है।

जब हम ध्वजारोहण करते हैं तो हमें हमेशा ख्याल रखना चाहिए कि हमारे दाहिने तरफ ध्वज होना चाहिए। हमारी ध्वज संहिता में प्लास्टिक का झंडा फहराने पर रोक है। लेकिन बदली परिस्थितियों और व्यापारिक स्थितियों में खूब प्लास्टिक के झंडे का उपयोग किया जाता है। राष्ट्रीय ध्वज की लंबाई और चौड़ाई 3:2 के अनुपात में होनी चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज पर कोई भी चित्र या लेखन नहीं होना चाहिए। तिरंगे का उपयोग व्यवहारिक कार्यों में किसी भी तरीके से नहीं होना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज कभी भी जमीन से नहीं छूना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज के पास किसी भी धार्मिक या अन्य संस्था के झंडे को नहीं लगाया जा सकता है।

राष्ट्रीय ध्वज पर किसी भी प्रकार कि कशीदाकारी, कुशन, रूमाल, नैपकिन नहीं बनायीं जा सकती है। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग सजावट के लिए नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग किसी वस्तु को लपेटने, कोई वस्तु प्राप्त करने या वितरित करने के लिए नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग किसी भी वाहन की साइड्स, पृष्ठ भाग और ऊपर का भाग ढंकने के लिए नहीं किया जाएगा । इसे सूर्योदय से सूर्यास्त तक हर मौसम में सभी दिनों में फहराया जा सकता है। झंडे को तेज गति से फहराया जाना चाहिए और धीरे-धीरे नीचे उतारा जाना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज पानी, जमीन, फर्श या पगडंडी को नहीं छूना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज को किसी भी ऐसे तरीके से प्रदर्शित या बांधा नहीं जाएगा, जिससे उसे कोई क्षति होने की संभावना।

राष्ट्रीय ध्वज उल्टा करके कभी भी प्रदर्शित नहीं किया जाएगा अर्थात केसरिया पट्टी को नीचे की पट्टी के रूप में नहीं रखना चाहिए। क्षतिग्रस्त या अस्त-व्यस्त राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज किसी भी समय नीचे नहीं झुकना चाहिए। किसी भी अन्य झंडे को राष्ट्रीय ध्वज से ऊपर या उसके अगल-बगल में नहीं रखा जाएगा। किसी तरह की फूल माला या प्रतीक के साथ कोई वस्तु नहीं रखी जाएगी। राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम 1971 के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग निजी स्तर पर की जाने वाली अंत्येष्टि अथवा अंत्येष्टि के दौरान आवरण के रूप में नहीं किया जा सकता।

देश में राष्ट्रीय शोक की स्थिति में तिरंगा झुकाया जाता है। देश में जीतने दिन का राष्ट्रीय शोक रहता है तिरंगा तब तक झुका रहता है। राष्ट्रीय शोक खत्म होते ही तिरंगा को अपनी ऊंचाई पर सम्मानित कर दिया जाता है। देश के राष्ट्रॉध्यक्षों और सैनिकों के पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर अंतिम विदाई दी जाती है। बाद में ध्वज को सम्मान किसी नदी या गुप्ता स्थान पर नष्ट कर दिया जाता है। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर हम सभी भारतीयों को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में कोई गुस्ताखी नहीं करेंगे और जीवन पर्यन्त उसका सम्मान करेंगे। तिरंगा समूचे भारतीयों के लिए गौरव का विषय है। पूरी निष्ठा, ईमानदारी के साथ राष्ट्र के सम्मान में हमें ध्वजारोहण करना चाहिए। अंतिम सांस तक उसके सम्मान की रक्षा का हमें संकल्प भी लेना चाहिए।

वर्तमान छोड़ भूत व भविष्य के कथानक का केंद्र बनती भारतीय संसद?

चर्चा हुई भी,गृह मंत्री अमित शाह भी मणिपुर के हालात पर बोले परन्तु चूंकि विपक्ष प्रधानमंत्री का मणिपुर पर मौन तुड़वाना चाहती थी इसलिये वह अपने मकसद में कामयाब तो जरूर रही परन्तु साथ ही प्रधानमंत्री के भाषण से उसे घोर निराशा भी हाथ लगी। अविश्वास प्रस्ताव पर बोलते हुये पहले विपक्ष की ओर से राहुल गांधी ने 37 मिनट लंबा भाषण दिया। जिसमें उन्होंने लगभग आधा समय मणिपुर दौरे के अपने अनुभव का जिक्र किया। जबकि भाषण की शुरूआत में उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा और उसमें हुये अनुभवों का ज़िक्र किया। परन्तु प्रधानमंत्री जब सदन में अपनी पार्टी के मंत्रियों व सांसदों द्वारा अप्रत्याशित रूप से लगाये जाने वाले मोदी–मोदी के नारों के बीच पधारे तो ऐसा प्रतीत हुआ कि आज प्रधानमंत्री मणिपुर पर विस्तार से अपनी सरकार का पक्ष तथा वहां किये जाने वाले शांति बहाली के उपायों का विस्तृत रोड मैप पेश करेंगे।

तनवीर जाफरी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

इंडिया गठबंधन के अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के जवाब में आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गत 10 अगस्त को लोकसभा में करीब सवा दो घंटे लंबा भाषण देना ही पड़ा। परन्तु चूँकि मोदी सरकार के विरुद्ध विपक्ष यानी इंडिया गठबंधन यह अविश्वास प्रस्ताव इसलिए लाया था ताकि मणिपुर पर संसद में चर्चा हो सके। चर्चा हुई भी,गृह मंत्री अमित शाह भी मणिपुर के हालात पर बोले परन्तु चूंकि विपक्ष प्रधानमंत्री का मणिपुर पर मौन तुड़वाना चाहती थी इसलिये वह अपने मकसद में कामयाब तो जरूर रही परन्तु साथ ही प्रधानमंत्री के भाषण से उसे घोर निराशा भी हाथ लगी। अविश्वास प्रस्ताव पर बोलते हुये पहले विपक्ष की ओर से राहुल गांधी ने 37 मिनट लंबा भाषण दिया। जिसमें उन्होंने लगभग आधा समय मणिपुर दौरे के अपने अनुभव का जिक्र किया। जबकि भाषण की शुरूआत में उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा और उसमें हुये अनुभवों का ज़िक्र किया। परन्तु प्रधानमंत्री जब सदन में अपनी पार्टी के मंत्रियों व सांसदों द्वारा अप्रत्याशित रूप से लगाये जाने वाले मोदी-मोदी के नारों के बीच पधारे तो ऐसा प्रतीत हुआ कि आज प्रधानमंत्री मणिपुर पर विस्तार से अपनी सरकार का पक्ष तथा वहां किये जाने वाले शांति बहाली के उपायों का विस्तृत रोड मैप पेश करेंगे।

परन्तु प्रधानमंत्री ने जब शाम 5 बजकर 8 मिनट पर बोलना शुरू किया तो लगभग एक घंटे तक उनका पूरा भाषण विपक्ष का मजाक उड़ाने,कांग्रेस पार्टी व नेहरू गाँधी परिवार का अपमान करने, अविश्वास प्रस्ताव का अट्हास करने,अपनी पीठ थपथपाने, गड़े मुर्दे उखाड़ने तथा राहुल गाँधी की खिल्ली उड़ाने आदि में बीता। स्वभाविक रूप से जो विपक्ष प्रधानमंत्री से मणिपुर के बारे में उनकी सरकार के पक्ष को उनके मुंह से सुनना चाह रहा था,एक घंटे उनका प्रवचन सुनने के बाद मणिपुर-मणिपुर के नारे लगाने लगा। यह नारेबाजी काफी देर तक चलती रही फिर भी प्रधानमंत्री ने मणिपुर का कोई जिक्र नहीं किया। प्रधानमंत्री के 1 घंटा 31 मिनट के भाषण के बाद आखिरकार इंडिया गठबंधन का धैर्य जवाब दे गया और वे वॉक आउट कर गये।

इंडिया गठबंधन ने शाम 6.40 के करीब वॉकआउट किया। प्रधानमंत्री ने उनके वाकआउट का भी मजाक उड़ाया। परन्तु उनके सदन से बाहर जाने के कुछ ही समय बाद प्रधानमंत्री केवल एक मिनट ही मणिपुर पर बोले तो जरूर परन्तु वह अपर्याप्त था। उन्होंने दो दिन पहले गृह मंत्री द्वारा सदन में मणिपुर पर दिए गए बयान को ही बार बार अनुमोदित किया। प्रधानमंत्री के भाषण को जहाँ सत्ता पोषित मीडिया इसे विपक्ष की गेंद पर मोदी का छक्का, और विपक्ष क्लीन बोल्ड, और मोदी के भाषण ने लाल बहादुर शास्त्री का रिकार्ड तोड़ा जैसे शीर्षकों से परिभाषित कर रहा है वहीँ तमाम राजनैतिक विश्लेषकों का यह भी कहना है कि उन्होंने भारतीय इतिहास में इतना गैर जिम्मेदाराना, अगंभीर, मुद्दों से भटका हुआ तथा पूर्णतः राजनैतिक भाषण संसद में पहले कभी नहीं सुना। चर्चा उस मणिपुर पर केंद्रित होनी चाहिए थी जहां डबल इंजन वाली सरकार के रहते राज्य की पुलिस और असम राइफल्स आमने सामने आ चुकी है। जहां हथियार लूटे जा रहे हैं और सुरक्षा बालों द्वारा समुदाय देखकर बांटे जा रहे हैं। जहां सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी में व उनकी मिलीभगत से उपद्रवियों द्वारा लड़कियों की नग्न परेड कराई जा रही है। जहां बस्तियों की बस्तियां जलाई जा रही हैं। जहां राज्य के निवासी ही शरणर्थी बने हुए हैं। सैकड़ों चर्च व मंदिर फूंके जा चुके हैं। परन्तु इस वातावरण में मोदी मोदी कर सदन में प्रधानमंत्री का स्वागत किया गया फिर प्रधानमंत्री द्वारा अपने भाषण में ऐसी बातें की गयीं जो किसी भी सूरत में देश के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति के मुंह से शोभा नहीं देतीं?

जैसे प्रधानमंत्री ने कहा कि-मैं विपक्ष के रवैये पर कहूंगा, जिनके बही-खाते बिगड़े हुए हैं, वे भी हमसे हमारा हिसाब लिए फिरते हैं। पीएम मोदी ने राहुल गांधी के खेतों में जाने पर तंज कसते हुए कहा, आजकल जैसे खेतों में जाकर वीडियो शूट होता है, वैसा ही उस समय एचएएल फैक्ट्रियों के दरवाजे पर मजदूरों की सभा करके वीडियो शूट किया गया था। कहा गया था कि एचएएल डूब रहा है. देश के संस्थान को इतना बुरा कहा। लेकिन आज एचएएल सफलता की नई बुलंदियों को छू रहा है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा- जिन लोगों ने कभी गमले में मूली नहीं उगाई वो खेतों को देखकर आश्चर्य तो होंगे। जिन्होंने गाड़ी का शीशा उतार कर केवल लोगों की गरीबी देखी है उन्हें सब कुछ हैरान कर देता है। कल यहां दिल से बात करने की बात कही गई थी, उनके दिमाग का हाल देश लंबे समय से जानता है। अब उनके दिमाग का हाल भी देश जान गया। इनको 24 घंटे मोदी सपनों में आता है। अगर भाषण देते समय मैं पानी पीता हूं तो ये सीना तानकर कहते हैं कि मोदी को पानी पिला दिया. पीएम मोदी ने कहा कि विपक्ष का पसंदीदा नारा है कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी। ये मुझे कोसते हैं। ऐसा क्यों होता है. सदन में कुछ आज सीक्रेट बताता हूं. विपक्ष को वरदान मिला हुआ है कि जिसका बुरा चाहेंगे, उसका भला होगा। मोदी ने कहा, भारत की उपलब्धियों से विपक्षी दलों को अविश्वास है, जो दुनिया दूर से देख रही है वो ये यहां रहकर नहीं देख पा रहे हैं। अविश्वास और घमंड इनकी रगों में बस गया है. ये जनता के विश्वास को कभी देख नहीं पाते हैं। ये शुतुरमुर्ग रवैया जो है, इस पर देश क्या कर सकता है। पुरानी सोच के लोग कहते हैं कि जब कुछ मंगल होता है तो काला टीका लगाते हैं. आज देश का जो मंगल हो रहा है, मैं विपक्ष का धन्यवाद करता हूं कि काला कपड़ा पहनकर आए और देश का मंगल किया। मैं इसलिए विपक्ष का धन्यवाद कहता हूं. उन्होंने यह सपना भी दिखाया कि इस समय जो होगा, उसका असर अगले 1000 साल दिखाई देगा.

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि 140 करोड़ देशवासियों का पुरुषार्थ इस कालखंड में अपने पराक्रम और पुरुषार्थ से जो करेगा, वो आने वाले 1000 वर्षों की मजबूत नींव रखने वाला है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि मेरा विश्वास है कि जब 2028 में विपक्ष हमारे खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आएगा, तब हम दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। प्रधानमंत्री से पूर्व केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने भी सरकार की ओर भाषण दिया था। उन्होंने राहुल गांधी द्वारा संसद से जाते समय कथित रूप से फलाइंग किस का इशारा करने पर घोर आपत्ति दर्ज कराई और इसे मुद्दा बनाने की कोशिश की। परन्तु न तो उन्हें मणिपुर में महिलाओं की नग्न परेड पर अफसोस जताते सुना गया न ही बकौल दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल- हवा में फेंकी हुई एक फ्लाइंग किस से इतनी आग लग गई। दो पंक्ति पीछे एक आदमी बृजभूषण बैठा हुआ था, जिसने ओलम्पियन पहलवानों को कमरे में बुलाकर छाती पे हाथ रखा और यौन शोषण किया। तब आपको उसके किए हुए पर गुस्सा क्यों नहीं आया? बहरहाल मणिपुर जैसे सुलगते राज्य के हालात को लेकर विपक्ष द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव में सत्ता की ओर से माकूल जवाब देने के बजाय गड़े मुर्दे उखाड़ना,2028 में विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था की बात करना तथा अगले एक हजार वर्षों की बातें करने से तो यही प्रतीत होता है गोया वर्तमान छोड़ भूत व भविष्य के कथानक का केंद्र बनती जा रही है भारतीय संसद? पड़ सकता है लेकिन लोकसभा चुनाव में भाजपा बहुत मजबूती से लड़ेगी।

मणिपुर के राहत शिविरों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव

डॉ .आनंद जकरिया

यह लेख मणिपुर में 100 से अधिक दिनों से जारी मानवीय संकट के समय चिकित्सा सुविधाओं की कमी की ओर पर आम जनता और चिकित्सा समुदाय का ध्यान तत्काल आकर्षित करने के लिए लिखा जा रहा है जो मणिपुर में काम कर रहे स्वास्थ्य पेशेवरों और स्वास्थ्य स्वयंसेवकों से प्राप्त आरंभिक सूचनाओं और गैर-सरकारी संगठनों की रिपोर्टों के आधार पर लिखा गया है। वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, स्वास्थ्य निहितार्थ और इसे सुधारने के लिए क्या किया जाना चाहिए- इस पर संक्षेप में प्रकाश डालना इसका उद्देश्य है।

मणिपुर में हिंसा, आगजनी तथा हत्याओं के परिणामस्वरूप घाटी और पहाड़ी दोनों में अस्थायी आश्रयों में बड़ी संख्या में विस्थापित लोग हैं। स्कूल, छात्रावास, गोदाम, पूजा स्थल या सामुदायिक हॉल जैसी जगहें इन लोगों का आश्रय स्थल बने हुए हैं। स्थानीय लोग और नागरिक समाज संगठन अपनी क्षमता के अनुसार विस्थापितों को राहत प्रदान कर रहे हैं लेकिन यह प्रभावितों की जरूरतों को पूरा करने में अपर्याप्त है। प्रभावित कई लोगों ने राज्य छोड़ दिया है और पड़ोसी राज्यों (नगालैंड, असम, मिजोरम आदि) या उनके परिवार या रिश्तेदार अगर हैं तो नई दिल्ली और बेंगलुरु जैसे दूर-दराज के शहरों में चले गए हैं

मणिपुर में चल रहे संघर्ष के कारण अब घाटी और पहाड़ियों के बीच एक अनौपचारिक क्षेत्रीय विभाजन है जिसमें दोनों क्षेत्रों के बीच लोगों, सामानों और वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित है। ये बातें सभी को मालूम है लेकिन डर है कि संकट की सीमा और पैमाने का पूरा अंदाज किसी को नहीं है। अस्थिर और अंशात मणिपुर में इस समय 70 हजार से अधिक लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं, 142 व्यक्तियों के मारे जाने की सूचना है जबकि 6,000 से अधिक घायल हुए हैं। भारत में मानवीय एजेंसियों के राष्ट्रीय गठबंधन स्फीयर इंडिया के अनुसार, इन विस्थापितों ने मणिपुर के 10 जिलों में स्थित 253 राहत शिविरों में शरण ले रखी है। यह रिपोर्ट अंतर-एजेंसी समन्वय समिति (राहत में शामिल एजेंसियां) की बैठकों और यूनाइटेड रिस्पांस स्ट्रैटेजी (यूआरएस) मैट्रिक्स का उपयोग कर 100 से अधिक स्थानीय संगठनों की प्रतिक्रिया के आधार पर बनाई गई है। मणिपुर में कार्यरत या वहां का दौरा कर चुके डॉक्टरों के अनुसार, शिविरों में साफ-सफाई की स्थिति गंभीर है खासकर बुजुर्ग और कमजोर लोगों के लिए। वहां भीड़-भाड़ है और स्वच्छता नहीं है। प्लास्टिक के बड़े टैंकों में पानी संग्रहित किया जाता है जो बाहर एक नल या बोरवेल से भरा जाता है। पानी कीटाणुरहित नहीं किया जाता है। अपशिष्ट जल की निकासी की व्यवस्था भी अपर्याप्त है। मानसून की शुरूआत होने के साथ ही स्वच्छता और जल निकासी बदतर हो गयी है।

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर निकल जाएगी तिरंगा यात्रा

अमरोहा। आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर नगर के मिनी स्टेडियम से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ होकर कोतवाली, बड़ा बाजार, टी०पी० नगर चौराहा होते हुए मिली स्टेडियम पर समापन होगा। जिसके मुख्य अतिथि ग्राण्ड मास्टर शिफूजी शौर्य भारद्वाज व विशिष्ट अतिथि वसीम अमरोही व जनपद के गणमान्य व समस्त युवा प्रतिभाग करेगें । यह तिरंगा यात्रा जनपद में आपसी सौहार्द व भाईचारे की मिशाल पेश करते एतिहासिक होने वाली है। इसमें 10 हजार संख्या से अधिक राष्ट्रप्रेमियों के प्रतिभाग करने की संभावना है। इस रैली के विशेष आर्कषण का विषय दुनिया की जानी-मानी हस्ती ग्राण्ड मास्टर शिफूजी शौर्य भारद्वाज रहेंगे। यात्रा के आयोजक राहुल चौहान जिला महामंत्री भाजपा युवा मोर्चा अमरोहा व फरहान अख्तर समाजसेवी है।

स्वतंत्रदेव सिंह ने किया जर्दी डोमरा तटबंध का निरीक्षण

उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने मानसूनी मौसम में नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण तटबंधों को पैदा हुए खतरे के मद्देनजर महराजगंज में रविवार को जर्दी डोमरा तटबंध का निरीक्षण कर अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिये। जलशक्ति मंत्री ने निरीक्षण के दौरान तटबंध में आयी दरार पर हुए मरम्मत कार्यों को देखा। स्थानीय लोगों द्वारा तटबंध की मरम्मत में लापरवाही की शिकायत पर मंत्री ने कुशीनगर व महराजगंज के जिलाधिकारी से रिपोर्ट मंगाकर समुचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि तटबंधों में जहाँ भी मरम्मत की आवश्यकता है, यद्धस्तर पर कार्य कर मरम्मत कार्यों को पूरा करें। उन्होंने सभी संवेदनशील तटबंधों के लगातार निगरानी के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ से बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने बाकी माई के स्थान पर पहुंचे पूजा अर्चना और दर्शन किये।

सुलतानपुर में पति ने की पत्नी की गला घोंटकर हत्या

लखनऊ-पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर जिले के कूरेभार थाना क्षेत्र के सेउर गांव के निकट रविवार सुबह एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की कथित तौर पर गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। कूरेभार थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) प्रवीण यादव ने बताया कि महिला मोनिका गुप्ता (32) के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपी पति राहुल मिश्रा को हिरासत में ले लिया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी राहुल मिश्रा उन्नाव जिले के थाना सफीपुर के गांव परियर मरोदा का रहने वाला है और उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर शंका थी, इसीलिए उसने इस घटना को अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

राजभवन के पास सड़क किनारे जन्मे शिशु का निधन

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राजभवन के पास सड़क किनारे जन्में एक नवजात की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, ह्यमैंने घटना का संज्ञान लिया है और मैं घटनास्थल पर जा रहा हूं। प्रमुख सचिव ने मुझे बताया है कि यह परिवार रिक्शे से जा रहा था और यह घटना राजभवन के गेट नंबर 13 के पास हुई। खबरों के मुताबिक, नवजात को अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हुआ है।

आदित्यनाथ ने की हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत,लोगों से भागीदार बनने की अपील

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को यहां गोरखनाथ मंदिर परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर ह्यहर घर तिरंगाह्न अभियान की शुरूआत की और प्रदेशवासियों से आजादी के अमृत महोत्सव का भागीदार बनने की अपील की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस दौरान योगी आदित्य नाथ ने तिरंगे के साथ सेल्फी भी ली। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस से पहले प्रदेश की जनता से इस अभियान से जुड़ने की अपील की। बयान के अनुसार योगी तीन दिवसीय दौरे पर गोरखपुर में हैं। मुख्यमंत्री ने अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट की प्रोफाइल तस्वीर बदलकर तिरंगे की तस्वीर लगाई है।

प्रियंका गांधी विवादास्पद पोस्ट मामले में एक्स से मांगेंगे जानकारी : इंदौर के पुलिस आयुक्त

इंदौर, एजेंसी

मध्यप्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप वाले विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर इंदौर में प्रियंका गांधी वाद्रा, कमलनाथ और अरुण यादव सरीखे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के एक्स (पूर्व में ट्विटर) खातों के हैंडलर (खाता चलाने वाला व्यक्ति) के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की दिशा तय करने के लिए एक्स से विवादास्पद पोस्ट को लेकर जानकारी मांगी जाएगी। इंदौर के पुलिस आयुक्त मकरंद देउस्कर ने बताया कि भाजपा के विधि प्रकोष्ठ की स्थानीय इकाई के संयोजक नीमेष पाठक ने शिकायत की है कि ज्ञानेंद्र अवस्थी नाम के व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर कथित रूप से फर्जी पत्र सार्वजनिक किया जिसमें ठेकेदारों से 50 प्रतिशत कमीशन मांगे जाने की बात लिखी गई है। उन्होंने बताया कि शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस फर्जी पत्र के आधार पर प्रियंका गांधी वाद्रा, कमलनाथ और अरुण यादव सरीखे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के एक्स खातों से भ्रामक पोस्ट किए गए। देउस्कर ने बताया कि इस शिकायत पर शहर के संयोगितागंज पुलिस थाने में अवस्थी के साथ ही प्रियंका गांधी वाद्रा, कमलनाथ और अरुण यादव के एक्स खातों के हैंडलर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि यह प्राथमिकी भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और धारा 469 (ख्याति को नुकसान पहुंचाने के इरादे से जालसाजी) के तहत दर्ज की गई है। पुलिस आयुक्त ने बताया,इस मामले की जांच की जा रही है। मामले से जुड़े विवादास्पद पोस्ट को लेकर एक्स से जानकारी मांगी जाएगी और इस ब्योरे के आधार पर अगला कदम उठाया जाएगा। शिकायतकर्ता पाठक का आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार में शामिल होने के झूठे आरोप वाले भ्रामक सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर प्रदेश सरकार और उनकी पार्टी की छवि साजिशन खराब की है। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के प्रवक्ता संतोष सिंह गौतम ने इस पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा ने अपनी सरकार द्वारा ठेकेदारों से 50 प्रतिशत कमीशन लेने के भ्रष्टाचार के खुलासे से बौखला कर कांग्रेस के तीन बड़े नेताओं के एक्स खातों को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने दावा किया कि अब भाजपा को लगने लगा है कि इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। गौतम ने कहा, भाजपा के मन में डर है कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने पर भाजपा की मौजूदा सरकार के राज में हुए अलग-अलग घोटालों का हिसाब जरूर लिया जाएगा।

वाराणसी में सर्व सेवा संघ भवन पर बुलडोजर चलवाना भाजपा सरकार की हार : अखिलेश यादव

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ, 13 अगस्त (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि वाराणसी के ह्यह्लसर्व सेवा संघ भवन पर बुलडोजर चलवाना भाजपा की हारह्लह्ल है। सपा प्रमुख ने ट्वीट किया, ह्यह्लमहात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे और जयप्रकाश जी की वैचारिक विरासत के प्रतीक वाराणसी के ह्यसर्व सेवा संघह्ल भवन पर भाजपा सरकार बुलडोजर चलवाकर जिसे अपनी जीत समझ रही है, दरअसल वह उसकी हार है क्योंकि जिनके विचार देश की हवा में बुनियादी रूप से घुले-मिले हैं, उनकी नींव कोई क्या हिलाएगा। यादव ने इस ट्वीट के साथ एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें बुलडोजर चलते दिख रहा है। गौरतलब है कि महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे और लोकनायक जयप्रकाश नारायण की विरासत कहे जाने वाले राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ भवन पर शनिवार को बुलडोजर चलाया गया था।

एएमयू के शिक्षकों ने नियमित कुलपति की नियुक्ति में देरी पर चिंता व्यक्त की

अलीगढ़, एजेंसी

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के शिक्षकों ने नियमित कुलपति की नियुक्ति में देरी पर चिंता व्यक्त की है। एएमयू शिक्षक संघ के सचिव डॉक्टर ओबैद अहमद सिद्दीकी ने रविवार को बताया कि नियमित कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया को शुरू करने में किसी भी तरह की देरी से संस्थान गहरे संकट में पड़ सकता है क्योंकि इससे प्रमुख पदों पर नियुक्तियों सहित विश्वविद्यालय का नियमित कामकाज प्रभावित हुआ है। सिद्दीकी ने कहा कि पिछले सप्ताहांत आयोजित एएमयू शिक्षकों की एक प्रमुख बैठक में इस मुद्दे पर पूरे शिक्षण समुदाय की चिंताओं को उजागर करते हुए एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया गया था और एएमयू अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए सभी लोकतांत्रिक तरीकों का उपयोग करने का निर्णय लिया गया था। एएमयू शिक्षक संघ ने भी एक अलग प्रस्ताव पारित कर देश में मणिपुर, नूंह (हरियाणा) और उत्तराखंड में सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं में वृद्धि पर भी चिंता व्यक्त की है। एएमयू के पूर्व कुलपति तारिक मंसूर ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य के रूप में नामित होने के एक दिन बाद चार अप्रैल को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और बाद में मंसूर को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

श्री वैक्टेश्वरा विवि ने किया एक कावंड राष्ट्र के नाम का जोरदार स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

गजरौला। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में भारतीय जनता पार्टी इकाई की ओर से एक कावड़ राष्ट्र के नाम जिसमें प्रदेशभर से आए 600 से अधिक शिवभक्तों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए बृजघाट गंगा तट से जल लेकर प्रस्थान किया भारत को विश्व गुरु बनाने के संकल्प के साथ एवं भगवान आशुतोष से सभी की सुख शांति मंगल कामना के साथ वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर पुष्प वर्षा कर इन शिवभक्तों एवं राष्ट्रभक्तों कावड़ियों का शानदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वेंकटेश्वर समूह के अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने कहा कि देवों के देव महादेव भगवान आशुतोष की कृपा का कोई अंत नहीं है आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभावी लीडरशिप में देश एक वैश्विक गुरु के रूप में बनकर उभरा है। एक कावड़ राष्ट्र के नाम सभी राष्ट्रभक्तों की एक बहुत ही शानदार पहल है, एवं मैं इसका दिल की गहराइयों से स्वागत करता हूं वह अभिनंदन करता हूं। इसके पश्चात सभी शिव भक्ति राष्ट्रभक्तों ने भोजन एवं प्रसाद ग्रहण कर भारत मां की जय जयकार करते हुए अपने गंतव्य की ओर बढ़े। इस अवसर पर प्रतिकूलाधिपति डॉ राजीव त्यागी ने कहा कि शिवभक्तों के साथ-साथ राष्ट्र भक्तों का इतना विशाल और शानदार समागम पहले नहीं देखा। हम समस्त वेंकटेश्वरा परिवार की ओर से आप सभी का यहां पधारने पर दिल की गहराइयों से आभार व्यक्त करते हैं। इस पावन अवसर पर सीईओ अजय श्रीवास्तव, प्रधान सलाहकार प्रोफेसर वी पीएस अरोड़ा कुलपति राकेश यादव कुलसचिव पीयूष पांडे, एसएस बघेल, नीतूश्री पाल, मुख्य पुरोहित रामनिवास शास्त्री, सहायक कुलसचिव शीलभद्र, डॉ. बीएस त्यागी आदि मौजूद रहे।

रामजन्मभूमि के पुजारियों को मिलेगी सरकारी स्तर की सुविधा, सैलरी बढ़ेगी, आवास और अवकाश भी दिया जाएगा

अयोध्या, एजेंसी

रामजन्मभूमि के पुजारियों के अच्छे दिन आने वाले हैं। अब पुजारियों व कर्मचारियों को सरकारी स्तर की सुविधा मुहैया कराने की तैयारी है। श्रीरामजन्मभूमि के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि रामलला की सेवा में नियुक्त पुजारियों और कर्मचारियों को अब सरकारी स्तर की सुविधा श्रीराममंदिर ट्रस्ट देगा। बताया कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने आश्वस्त किया है कि जल्द ही पुजारियों व कर्मचारियों को विशेष सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, इस पर मंथन चल रहा है। सत्येंद्र दास का दावा है कि अब पुजारी के रहने-खाने और चिकित्सीय सुविधाओं के साथ-साथ आवासीय भत्ता भी दिया जाएगा। यही नहीं सरकारी अवकाश होने पर पर पुजारियों को भी अवकाश दिया जाएगा। रामलला की सेवा में अभी चार पुजारी सहित कुल आठ कर्मचारी तैनात हैं। बताया कि पुजारियों के वेतन भी बढ़ाए जाने की तैयारी है।

चोटीपुर महाविद्यालय में दिलाई मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में पंच प्रण की शपथ

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। रविवार को डीएम राजेश कुमार त्यागी द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के दृष्टिगत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीमद् कन्या गुरुकुल चोटीपुरा महाविद्यालय में अमृत भारत के पंचप्रण की शपथ दिलाई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित कन्या गुरुकुल चोटीपुरा की बालिकाओं व उपस्थित अधिकारियों स्टाफ द्वारा शपथ ली गई। कन्या गुरुकुल चोटीपुरा विद्यालय की छात्राओं द्वारा राष्ट्रभक्ति परक सास्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति दी गई जिस पर डीएम व शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लों मंत्र मुग्ध होकर भूरि भूरि प्रशंसा की। डीएम ने कहा कि भारत की संस्कृति में विद्यान सभी गुण कन्या गुरुकुल चोटीपुरा विद्यालय की छात्राओं में कूट-कूट कर भरे हुए हैं। कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव अपने समापन की ओर जा रहा है 9 अगस्त से शुरू होकर 30 अगस्त तक यह कार्यक्रम चलेगा। आजादी के लिए अपने प्राणों को न्योक्षावर करने देने वाले वीर सपूतों के लिए याद करने का समय है उनको नमन करने उनका वंदन करने का समय है अपनी मिट्टी पर गर्व करें। आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों को आहुति देने वाले वीर सपूतों को नमन करें उनके देश के प्रति किये गए संघर्षों को देश के लोग जान सके इसी उद्देश्य से यह कार्यक्रम सरकार द्वारा चलाया जा रहा है। हमें नहीं पता है कि कितने ही कठोर संघर्ष और संकल्प के द्वारा यह देश की आजादी हमें मिली है। मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, समाज कल्याण अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी कन्या गुरुकुल चोटीपुरा विद्यालय की संरक्षिका सुमेधा जी, चेयरमैन प्रदीप जी व अन्य अधिकारी व बड़ी संख्या में कन्या गुरुकुल चोटीपुरा महाविद्यालय की छात्राएं मौजूद रही।

मेरठ में कक्षा नौ की छात्रा से 12वीं के दो छात्रों ने किया सामूहिक दुष्कर्म

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में मेरठ जिले के थाना रोहटा क्षेत्र के एक गांव की छात्रा के साथ दो छात्रों ने कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। रोहटा थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) रविन्द्र सिंह ने रविवार को ह्यपीटीआई-भाषाह्न को बताया कि घटना शनिवार दोपहर की है और पीड़ित छात्रा के पिता की शिकायत पर पुलिस ने दो छात्रों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि पीड़िता और आरोपी दोनों छात्र नाबालिग हैं। उन्होंने बताया कि छात्रा की चिकित्सकीय जांच कराई गई है। छात्रा फिलहाल घर पर ही उपचार करा रही है। पुलिस ने छात्रा के पिता की शिकायत के हवाले से बताया कि उनकी 14 वर्षीय बेटी गांव के ही एक स्कूल में कक्षा नौ की छात्रा है और कई दिनों से आरोपी उनकी बेटी का पीछा कर रहे थे, इसलिए छात्रा को रोजाना उसका भाई स्कूल छोड़ने और लेने जाता था। उन्होंने पीड़िता के पिता की शिकायत के हवाले से बताया कि शनिवार को छात्रा के भाई को किसी कारण से बाहर जाना पड़ा और इस लिए वह अपनी बहन को स्कूल लेने नहीं गया, जिसका फायदा उठा कर आरोपियों-12वीं कक्षा के दो छात्रों ने, रास्ते में उनकी बेटी को रोक लिया और खेत में उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि छात्रा के रोने-चिल्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तभी आरोपी वहां से फरार हो गये।

कौशांबी में टैंकर से टकराकर बाइक सवार दो किशोरों की मौत

कौशांबी, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के सैनी थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो किशोर रविवार की सुबह पानी के खड़े टैंकर से टकरा गए. जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। सिराथू के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अवधेश विश्वकर्मा ने बताया थाना क्षेत्र के निंदूरा गांव निवासी सूरज (15) और शिवचरण (16) आज पूर्वान्ह अपने गांव से बाइक द्वारा सिराथू जा रहे थे। उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र के गरई गांव के पास सड़क किनारे खड़े एक पानी के टैंकर से उनकी बाइक टकरा गई जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गयी। सीओ ने बताया कि सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

विदेशों में संकटग्रस्त यूपीवासियों को लाएंगे वापस : योगी

गोरखपुर, एजेंसी

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में देवरिया व कुशीनगर से कुछ महिलाओं ने अपने परिजनों के थाइलैंड, ओमान आदि देशों में फंसे होने की जानकारी देकर उनकी वतन वापसी की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि चिंता मत करिए, सबकी मदद की जाएगी। विदेशों में फंसे लोगों की वापसी कराई जाएगी। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दूतावास से संपर्क कर जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि सबकी समस्या का निस्तारण कराना उनकी प्रतिबद्धता है। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत भी दी कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग, माफिया, अपराधी किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए। आपराधिक मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ उनके बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें दुलारकर आशीर्वाद दिया। उनका नाम और स्कूल जाने के बारे में पूछा। उन्हें अपने हाथों से चॉकलेट गिफ्ट करते हुए खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

जन स्वास्थ्य की रक्षा सरकार की उच्च प्राथमिकता का विषय है : योगी

गोरखपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि जन स्वास्थ्य की रक्षा सरकार की उच्च प्राथमिकता का विषय है और इसमें किसी भी तरह की कोताही अक्षम्य होगी। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर के सर्किट हाउस में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए गोरखपुर.बस्ती मंडल में जेई.एईएस समेत सभी संचारी रोगों के रोकथाम व स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित लोगों को निर्देशित किया है कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, सीएचसी व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, पीएचसी पर तैनात चिकित्सक अपनी तैनाती स्थल पर ही रात्रि प्रवास ,नाइट स्टे करें तथा रात में सीएचसी, पीएचसी आने वाले मरीजों के इलाज में कोई असुविधा नहीं आनी चाहिए। प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी चिकित्सकों की तैनाती स्थल पर नाइट स्टे की मॉनिटरिंग कर शासन को रिपोर्ट प्रेषित करें क्योंकि जन स्वास्थ्य की रक्षा सरकार की उच्च प्राथमिकता का विषय है इसमें किसी भी तरह की कोताही अक्षम्य होगी। वीडियो कांफ्रेंसिंग में गोरखपुर के जनप्रतिनिधि, प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व्यक्तिगत उपस्थित थे जबकि शेष अन्य छह जिलों के वर्चुअल मोड में थे। वहीं योगी ने कहा कि विदेश में फंसे उत्तर प्रदेश के लोगों को वापस लाया जाएगा। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को दूतावासों से संपर्क करने के निर्देश दिए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

घोसी उपचुनाव के लिए सपा ने घोषित किया प्रत्याशी, सुधाकर सिंह पर अखिलेश ने खेला दांव

लखनऊ, एजेंसी

समाजवादी पार्टी ने सुधाकर सिंह को मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट पर होने वाले उप चुनाव के लिए अपना प्रत्याशी घोषित किया है। रविवार को पार्टी ने इसकी जानकारी दी। 2012 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने घोसी सीट पर जीत हासिल की थी लेकिन 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार फागू चौहान से हार गए थे। समाजवादी पार्टी ने सुधाकर सिंह को मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट पर होने वाले उप चुनाव के लिए अपना प्रत्याशी घोषित किया है। रविवार को पार्टी ने इसकी जानकारी दी। 2012 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने घोसी सीट पर जीत हासिल की थी, लेकिन 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार फागू चौहान से हार गए थे। फागू चौहान के राज्यपाल बनने के बाद 2019 में हुए उप चुनाव में सुधाकर सिहं को सपा ने फिर अपना उम्मीदवार बनाया था, लेकिन भाजपा के विजय राजभर से वह चुनाव हार गए थे। दारा सिंह चौहान के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी सीट 2022 में सपा ने भाजपा छोड़ कर पार्टी में शामिल हुए दारा सिंह चौहान को घोसी सीट से मैदान में उतारा था और वह चुनाव जीत गए थे। दारा सिंह हाल ही में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे और उन्होंने विधान सभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे से रिक्त घोसी सीट पर पांच सितंबर को उप चुनाव होगा। घोसी सीट पर होगी सपा के ढऊअ दांव की परीक्षा चूंकि घोसी विधानसभा क्षेत्र में अनुसूचित जाति के साथ ही यादव, राजभर, चौहान व मुस्लिम मतदाताओं की संख्या काफी अधिक हैं और यह चुनाव परिणाम में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। ऐसे में सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की पहली परीक्षा घोसी उपचुनाव होगी।

संक्षिप्त खबरें

विषहरी पूजा आयोजन को ले सुरक्षा व्यवस्था मद्देनजर मजिस्ट्रेट की हुई नियुक्ति : एसपी

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला परिक्षेत्र इलाके में आगामी विषहरी पूजा आयोजन को शांति सौहार्द के साथ शांति संपन्न माहौल में कराने हेतू एसपी नवगछिया सुशांत कुमार सरोज के निर्देश पूरे क्षेत्र इलाके में कुल 36 जगहों पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी की तैनाती की गई हैं। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी उत्तम कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि नवगछिया थाना परिक्षेत्र में पूर्वनियोजित कुल सात, तो परबत्ता थाना क्षेत्र में तीन, कदवा ओपी में दो, रंगरा ओपी में चार, बिहपुर थाना क्षेत्र इलाके में चार जगहों पर, गोपालपुर थाना इलाके में 12, खरीक थाना में दो, भवानीपुर ओपी में चार जगहों पर दंडाधिकारी मौजूद रहने के आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

पांच आरोपी अभियुक्त को दी आजीवन कारावास व आर्थिक दण्ड की सजा

भागलपुर। नाथनगर थाना क्षेत्र इलाके में 2002 में हुई राजकिशोर यादव हत्याकांड मामले में एडीजे टू कोर्ट के न्यायाधीश मनोज कुमार द्विवेदी के द्वारा हत्याकांड में शामिल पांच अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, साथ ही न्यायाधीश ने पांचो अभियुक्तों को अर्थिक दंड भी दिया गया है। दरअसल घटना को लेकर बताया जा रहा है कि विगत वर्ष 2002 में जब मृतक राजकिशोर यादव घोड़ा पर चढ़कर अपने खेत से जब घर वापस लौटकर आ रहे थे, इसी क्रम में हथियार से लैस हो पांचों आरोपियों के द्वारा राज किशोर यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद मृतक के पिता मनरूप यादव के द्वारा थाना पुलिस के समक्ष आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया था। वही कोर्ट में सुनवाई के क्रम में न्यायालय के द्वारा पांचो आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई, साथ ही पांचों दोषी अभियुक्तों को आर्थिक दंड का भी फरमान जारी कर दिया है।

जनता दरबार में एक मामला हुआ निष्पादित

मुंगेर। बरियारपुर थाना परिसर में आवेदकों की आपसी सहमति से जमीनी विवाद को सुलझाने के लिए जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से थाना अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार एवं अंचल अधिकारी रवीना गुप्ता उपस्थित थी जनता दरबार में एक मामले को निष्पादित किया गया 2 नए मामले आए एवं दो पेंडिंग मामले के निष्पादित मामला में खड़िया निवासी मंजू देवी बनाम पावरी देवी के गोतिया द्वारा मकान जबरदस्ती हड़प लेने के प्रयास के संबंध में था। जिसमें मकान हड़पने वालों के विरुद्ध 107 की कार्रवाई करते हुए मामले का निष्पादन किया गया। 02 नए मामलों में बहादुरपुर निवासी रामप्रवेश यादव बनाम कपिल देव यादव के बीच हिस्से की जमीन जबरजस्ती जोत लेने के संबंध में था एवं दूसरा नया मामला घोरघट निवासी प्रकाश पंडित बनाम विलास ठाकुर के बीच खरीद की जमीन पर मकान नहीं बनाने देने का मामला था इन दोनों मामलों में दूसरे पक्ष की उपस्थिति नहीं होने के कारण अगली तिथि निर्धारित कर दी गई लंबित मामलों में खड़िया निवासी भादो यादव बनाम उधो यादव के बीच जोत जमीन का मामला था एवं दूसरा मामला कल्याणपुर निवासी सदानंद दास बनाम अशोक चौधरी के बीच सरकारी जमीन को अतिक्रमण करने का मामला था जिसकी सुनवाई पूरी नहीं हो सकी मौके पर अंचल कर्मचारी अमित कुमार उपस्थित थे।

भूना गांव में महिला की पीट पीट कर हत्या, गोतनी और सास से पुलिस कर रही है पूछताछ

टेटिया बंबर। थाना क्षेत्र के भूना निवासी गोपाल सिंह की पत्नी निक्की देवी की शुक्रवार की रात ससुराल वालो ने पीट-पीटकर हत्या कर दिए जाने का समाचार प्रकाश में आया है। मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है हत्या की घटना पर टेटिया बंबर थाना पुलिस गुना गांव पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पति और जेठ घर से फरार हो गया। दोनों के फरार हो जाने के कारण पुलिस ने मृतक के सास और गोतनी को हिरासत में लेकर थाना लाकर पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शुक्रवार की रात पति गोपाल सिंह और पत्नी निक्की देवी के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ बात इतनी बढ़ गई कि पति ने निक्की की जमकर पिटाई कर दी। इस पिटाई से उसकी मौत हो गई पड़ोसियों ने निकी के मौत की सूचना उनके मायके वालों को दे दी मिर्ची का के पिता भावेश सिंह हिमाचल प्रदेश में काम करते हैं इस कारण वह नहीं आए लेकिन मित्रता के चाचा अमित कुमार सहित अन्य परिजन कृपया मुंबई के भून गांव पहुंचे और पुलिस को इसकी सूचना दी। मिर्ची का के चाचा ने बताया कि वर्ष 2017 में दोनों की शादी हुई शादी के 1 साल के बाद दहेज की मांग को लेकर हमेशा पति पत्नी के बीच विवाद होता रहता था साथ ही ससुराल वाले उनके साथ मारपीट करते थे कई बार ग्रामीणों के साथ मिल बैठकर समझाया बुझाया गया था।

खेल के दौरान हुई गोलीबारी में घायल छात्र की इलाज के दौरान हुई मौत

छात्र आकाश की मौत की सूचना मोबाइल फोन के माध्यम से पुलिस को मिली

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला परिक्षेत्र इलाके में गेम खेलने के दौरान उसके साथी ने गोली मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद स्थानीय चिकित्सक द्वारा बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया था। जहां किशोर की इलाज के दौरान चिकित्सक द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया है। मृतक किशोर सिघिंया मकंदपुर के ही होमगार्ड जवान संतोष कुमार के पुत्र आकाश कुमार है। ज्ञातव्य हो कि गोपालपुर थाना के सिघिंया मकंदपुर चौक एनएच 31 स्थित एक मिठाई की दुकान में गेम खेलने के दौरान उसके साथियों के द्वारा गोली मार दिये जाने से आकाश कुमार गम्भीर रूप से घायल हो गया था। आकाश कुमार नवमी का छात्र था, उसके पिता होमगार्ड जवान एसटी एससी थाना में प्रतिनियुक्त है। घटना को लेकर बताया गया है कि आकाश कुमार सिघिंया मकंदपुर चौक पर आनलाइन गेम खेल रहा था, वही उसके साथ ही राजा कुमार नामक युवक भी गेम खेल रहा था। इसी दौरान गेम खेल में छात्र आकाश कुमार ने साथी राजा कुमार के एक आदमी को गोली मार दिया। इसी गुस्से में राजा ने कहा कि तुमने मेरा आदमी मार दिया है, मैं तुमको मार देता हूं। राजा कुमार ने गुस्से से पास रखे देशी कट्टा निकाल आकाश को गोली मार दी थी, गोली आकाश के पेट में लगी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। वही स्थानीय लोगों के द्वारा घायल छात्र आकाश को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल नवगछिया में भर्ती करया गया था, जहां से चिकित्सक द्वारा उसे बेहतर इलाज के लिए भागलपुर मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया था, लेकिन परिजनों द्वारा वहां से मुंगेर के एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया जहां उसका अपरेशन किया गया था। ओपरेशन के बाद पिछले चार दिनों से आकाश की स्थिति काफी खराब चल रही थी। वही चिकित्सक द्वारा आकाश की हालत की गम्भीरता को देखते हुए त्वरित वहां से उसे बेहतर इलाज पटना पीएमसीएच अस्पताल रेफर कर दिया गया था। वही छात्र आकाश की पटना पीएमसीएच अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। वही मामले को लेकर गोपालपुर थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि आकाश की मौत होने के जानकारी मोबाइल फोन के माध्यम से मिली हैं, पुलिस इस मामले में अब तक चार आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

फंदे से लटकता मिला महिला का शव

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला परिक्षेत्र के गोपालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ी मकनपुर गांव में 24 वर्षीय महिला का शव उसके अपने ही घर में फंदे से लटकता हुआ मिला है। वही घटना की सूचना मिलते ही मौके पर गोपालपुर थाना पुलिस सदलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मृत महिला के शव को फंदे से नीचे उतारा। वही पुलिस ने मृत महिला की पहचान रूणा देवी के रूप में की है। वही पुलिस ने प्रारंभिक जांच प्रक्रिया कर दी है। पुलिस ने मृतिका के शव को कब्जे में लेकर अनुमंडल अस्पताल नवगछिया पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जहां पुलिस ने मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव के अंतिम संस्कार के लिए परिजन को सौंप दिया है। घटना को लेकर मृतका के भाई ऋषि कुमार के लिखित आवेदन पर सुराल पक्ष के लोगों पर हत्या कर शव को खुदकुशी के रूप को देने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। लिखित आवेदन पत्र के मुताबिक मृतिका के पति विजय शर्मा सहित अन्य लोगों पर दहेज मांग को लेकर हत्या करने का आरोप मे प्राथमिक की दर्ज की गई है। आवेदन में लिखा है कि दहेज को लेकर मेरी बहन को लगभग 6 वर्षो से पति विजय शर्मा घर के अन्य सदस्य मारपीट करते थे, जबकी मामले को लेकर रात में ही मेरी बहन ने फोन कर जानकारी दिये जाने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा था कि पति विजय शर्मा और घर के अन्य सदस्य हमारे साथ मारपीट की है। लगता है यह लोग मुझे जान से मार देंगे, उक्त घटना की जानकारी देर शाम को मिली थी। सुबह बड़ी मकनपुर पहुंचे तो बहन की मृत्यु हो चुकी थी। वही उन्होंने बताया है कि

घरेलू विवाद में भी मारपीट की घटना कई बार घटित हो चुकी है साथ ही उक्त मामले को लेकर गांव में पंचायत बुलाकर मसले पर समझौता करने की कोशिश भी की जा चुकी है, वही मायके पक्ष के परिजनों ने बताया कि बताया कि वर्ष 2016 में बड़े धूमधाम से शादी किए थे, और शादी के बाद से घरेलू कलह सुलह करने पंचायती भी की गई। घटना के बाद ग्रामीणों में घटना की चर्चा जोरों से चल रही थी कि मृतिका के किसी महिला के साथ पति के अवैध संबंध थे, जिस कारण हत्या हुई है। वही उसके भाई ने भी बयान में अवैध संबंध की बात कही है। वही हत्या मामले को लेकर गोपालपुर थाना अध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि मृतिका के भाई के आवेदन के आलोक में दहेज को लेकर हत्या करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी पति विजय शर्मा की गिरफ्तारी भी की गई है। वही पुलिस हर एक बिंदु पर गहराई से जांच कर रही है। अब मृतिका के पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारण का पता चल पायेगा हत्या है या खुदकुशी के मामला है। तत्काल मामले को लेकर पीड़ित परिवार के आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारी में जिला प्रशासन जुटी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिला परिक्षेत्र अवस्थित स्थानीय सैंडिस कंपाउंड के मैदान परिसर में स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर पैरेड पूर्वाभ्यास किया गया। इस दौरान जिला पुलिस बल के द्वारा आयोजित कार्यक्रम को लेकर जोर-शोर से तैयारी में जुटे हुए हैं। भागलपुर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन संयुक्त रूप से स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी में लगातार कार्यक्रम स्थल पर पैरेड पूर्वाभ्यास करने में डटे हुए है। शहर के सैंडिस कंपाउंड मैदान में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सलामी सह पैरेड की तैयारी की जा रही है। जिसमें बिहार पुलिस के महिला और पुरुष बटालियन के साथ साथ दंगा नियंत्रण, रैपिड एक्शन, होमगार्ड और एनसीसी की टीम पूर्वाभ्यास में भाग लिया है। आपको बता दें कि हर साल 15 अगस्त के दिन शहर के सैंडिस कंपाउंड मैदान परिसर में जिला प्रशासन की ओर से आकर्षक झांकी का आयोजन किया जाता रहा है, उक्त झांकी आयोजन की बेहतर प्रदर्शन के साथ इस बार भी आकर्षक झांकी निकाली जाएगी। जिसे देखने के लिए दूरदराज से काफी संख्या में लोग अपने परिवार के साथ सैंडिस कंपाउंड पहुंचते हैं। वही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी जगह जगह यातायात व्यवस्था को बनाये रखने के लिए वाहन रूट मैप तैयार की जा रही है।

बिषहरी पूजा आयोजन को लेकर शांति समिति की हुई बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र परिसर आगामी विषहरी पूजा के आयोजन को लेकर जिला क्षेत्र इलाके में अवस्थित पूजा मंदिर प्रांगण में माँ बिषहरी की प्रतिमा का स्थापना पूजा के दौरान किसी तरह की अप्रिय घटना घटित न हो उसके लिए शांति शमिति सह पूजा समिति के सदस्यों के साथ एक बैठक स्थानीय थाना के थानाध्यक्ष मो. दिलशाद ने की। इस दौरान समिति के सदस्यों द्वारा प्रशासन के गतिविधियों को लेकर कई सुझाव दिए गए।

वही क्षेत्र के सम्बंधित पूजा स्थलों पर उपद्रवियों की गतिविधियों के मद्देनजर किसी तरह की जानकारी त्वरित थाना के संबंधित पदाधिकारी व पुलिस कर्मियों को दे। जिससे उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा सकें वही प्रतिमा स्थापना को लेकर संबंधित मंदिर के मेढ़ पति व पूजा के आयोजन समिति को प्रशासन के द्वारा जारी आदेश के आलोक में संबंधित पूजा समिति को लाइसेंस के लिए आवेदन थाना को संग्लन कराया जाय। जिससे पूजा आयोजन को लेकर किसी तरह रुकावट पैदा न हो सकें। वही थानाध्याक्ष मो. दिलशाद ने विगत दिनों हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि मां बिषहरी की पूजा जिला क्षेत्र का सबसे चर्चित पूजा है इस पूजा को शांति सौहाद्र के बीच में सम्पन्न हो इसके लिए आम लोगों से सहयोग की अपील की है।

जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक उदासीनता से तंग आकर निजी फंड से कराया सड़क का जीर्णोद्धार

पूर्णिया/ केनगर। केनगर प्रखंड के झुन्नी इस्तम्बरार पंचायत अंतर्गत मदरसा चौक से लकी चौक तक जाने वाली सड़क काफी समय से जर्जर अवस्था में थी। इस सडक के जीर्णोद्धार को लेकर झुन्नी इस्तम्बरार पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सह आम आदमी पार्टी के युवा जिला अध्यक्ष इरशाद पूर्णवी ने कई बार प्रशासनिक अधिकारी से लेकर विधायक व मंत्री तक फरियाद की, लेकिन इस दिशा में किसी भी स्तर पर प्रयास सिफर ही रहा। उन्होंने कई बार आंदोलन भी किया लेकिन किसी भी स्तर पर इस दिशा में कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया गया। आवाजाही में लोगों की मशक्कत व परेशानी को देखते हुए अंततः मुखिया प्रतिनिधि इरशाद पूर्णवी ने खुद के निजी फंड से मदरसा चौक से लकी चौक को जाने वाली सडक के जीर्णोद्धार का कार्य कराया है।

अनाप-शनाप बयान बाजी करना बंद करें सम्राट चौधरी : जदयू जिला प्रवक्ता

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

मुंगेर। जिला जनता दल यूनाइटेड के मुख्य जिला प्रवक्ता मनोरंजन मजूमदार ने बयान जारी कर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने ने कहा है कि बिहार में दो राजनेता एक स्वर्गीय रामविलास पासवान का पुत्र चिराग पासवान और दूसरा शकुनी चौधरी का पुत्र सम्राट चौधरी है, जो बिना हाथ पैर का कुछ से कुछ अनाप-शनाप बयान बाजी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू के खिलाफ कहते रहते है। ऐसे लोगों को जदयू नेता ने चेतावनी देते हुए कहा है कि ज्यादा उछल फांद और व्याकुल भारत बनकर अमर्यादित बयान देना बंद करें। उन्होंने सम्राट चौधरी को सबसे डरपोक और कायर भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बताया। उन्होंने कहा की बात तो लंबा लंबा करेगा लेकिन वास्तविकता यह है कि अपने पंचायत में मुखिया के चुनाव लड़ने की क्षमता भी इनके पास पूरा समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी पर कभी फर्जी डिग्री कभी फर्जी उम्र की बात होती है उस पर अपना स्पष्टीकरण देने के बजाय लंबा-लंबा डींग हांकने में लगे रहते हैं ऐसे लोगों का निम्न स्तर का बयान देना ही राजनीति में आदत बना हुआ है जदयू नेता मनोरंजन मजूमदार ने कहा है कि दूसरे को परिवारवाद कह कर पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से राहुल गांधी तक बोलकर वंशवाद का विरोध करने वाले सम्राट चौधरी को बताना चाहिए कि आप शकुनि चौधरी और पार्वती के पुत्र हैं या नहीं अगर हैं तो विरासत में आपको राजनीति मिली है आपने आज तक कोई संघर्ष नहीं किया और झूठ मुठ हमेशा संघर्ष की बात आपके मुंह से शोभा नहीं देता आप जैसे लोगों को जनता पूरी तरह समझती है जानती है आप आधारहीन स्वयं हो चुके हैं और आप के बयान से ऐसा लगता है कि पागलपन का लक्षण भी आप में आ चुका है आपके बड़बोलेपन के कारण बिहार में भाजपा का जो थोड़ा बहुत वजूद बचा हुआ है वह समाप्ति की ओर जा रहा है आप जैसे लोग अपने घटिया बयानों के सहारे अपने पार्टी को ही नुकसान पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

नेहरु युवा केंद्र के द्वारा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत किया गया पौधरोपण

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया। नेहरू युवा केन्द्र पूर्णिया एवं भोला पासवान शास्त्री कृषि कालेज पूर्णिया के संयुक्त तत्वावधान में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत पूर्णिया पूर्व प्रखंड के महाराजपुर में उत्क्रमित उच्च विद्यालय के परिसर में नेहरू युवा केन्द्र पूर्णिया के जिला युवा अधिकारी सत्य प्रकाश यादव, लेखा एवं कार्यक्रम सहायक एवं भोला पासवान शास्त्री कृषि कालेज पूर्णिया के डा पंकज कुमार यादव तथा दर्जनों युवाओं के द्वारा पौधा रोपण किया गया।

नेहरू युवा केन्द्र पूर्णिया के जिला युवा अधिकारी सत्य प्रकाश यादव के द्वारा पौधारोपण पंच प्रण सपथ दिलाया गया। तत्पश्चात श्री यादव ने कार्यक्रम के महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मेरी माटी मेरा देश माटी का नमन वीरों का वंदन करते हुए वृहद पैमाने पर जिले के सभी पंचायतों में नेहरू युवा केन्द्र पूर्णिया के स्वयंसेवकों द्वारा 09-15 अगस्त 2023 तक पौधा रोपण कार्यक्रम किया जा रहा है और कहा कि जो वीर सैनिक हमारे देश की सीमा पर देश की सुरक्षा में लगे हैं या शहीद हो गए हैं उनको या उसके परिवारों का ख्याल रखने के लिए युवाओं का आह्वान किया और कहा समाज को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए तभी हम लोगों का वीरों एवं शहीदों के प्रति सच्ची देशभक्ति पैदा होगी। भोला पासवान शास्त्री कृषि कालेज के डा पंकज कुमार यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण हमलोग कई तरह के परेशानियों से जूझ रहे हैं इसके निवारण के लिए नेहरू युवा केन्द्र एवं भोला पासवान शास्त्री कृषि कालेज पूर्णिया द्वारा वृहद पैमाने पर पौधा रोपण कार्य किया जा रहा है जो 15 अगस्त 2023 तक लगातार अभियान के रूप में चलेगा। युवाओं से आह्वान किया कि पौधा रोपण कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु एक अभियान के रूप में लें। कार्यक्रम को सफल बनाने में डा पंकज कुमार, भोला पासवान शास्त्री कृषि कालेज, मुरली मनोहर भारती नेहरू युवा केन्द्र पूर्णिया, के पी यादव, संजय कुमार आदि की अहम भूमिका रही। पौधा रोपण कार्यक्रम में नेहरू युवा केन्द्र के स्वयं सेवकों एवं भोला पासवान शास्त्री कृषि कालेज पूर्णिया के एनएसएस इकाई के दर्जनों सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

विपक्षी गठबंधन बिना दूल्हे की बराती, 2024 में फिर खिलेगा कमल : खेमका

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सदर विधायक विजय खेमका ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में विकास का अमृत काल चल रहा है। देश में विकास की ऐसी बयार कभी नहीं बही। शहर से लेकर सुदूर गांवों तक विकास की रौशनी पहुंच रही है। विधायक ने कहा खेल के मैदान से लेकर आंतरिक्ष तक भारत अपनी कामयाबी का शंखनाद कर रहा है। मोदी के नेतृत्व में सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास से देश लगातार आगे बढ़ रहा है। यही नहीं कामगार से लेकर किसान और खिलाड़ी से लेकर वैज्ञानिक तक सभी इस अमृत काल में अपने बेहतर प्रदर्शन से सफलता नयी की कहानी लिख रहे है। विधायक ने कहा कि केंद्र में विपक्ष अपनी सकारात्मक राजनीति से पूरी तरह भटका चुका। विधायक ने कहा विपक्षी दलों का एक ही मकसद है, मोदी सरकार का विरोध करना। विरोध की इस राजनीती से देश का विकास बाधित है। विपक्षी दलों की करतूतों को पूरा देश देख रहा है। इनकी करतूतों के लिए जनता 2024 में सबक सिखाएगी। विपक्षी गठबंधन बगैर दुल्हे की बाराती है। विपक्षी एकता दिखावा से ज्यादा अपने काले कारनामों को बचाने का प्रयास है। विधायक ने कहा कि विपक्ष दलों के नेता मणिपुर की घटना पर राजनितिक रोटियां सेंक रहे है। विपक्ष को मणिपुर की घटना पर कोई चिंता नहीं, अपितु उस लोमहर्षक घटना को अपनी राजनीती चमकाने का एक मौका के रूप में देख रहे है। श्री खेमका ने कहा कि मणिपुर की घटना से पूरा देश दुखी है लेकिन सरकार के प्रयास से मणिपुर में जन जीवन पटरी पर लौट रहा है। विधायक ने कहा कि पूर्वोत्तर का विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता में है। मोदी सरकार के नौ वर्षो के शासन काल में पूर्वोत्तर राज्यों का सर्वांगीण विकास हुआ। मोदी जी के आगुवाई में आज विश्व में भारत का मान सम्मान बढ़ा है। देश विकसीत राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है। विधायक ने कहा देश की जनता का मोदी पर अटुट विश्वास है।

हॉकी एशियन चैंपियनशिप जीतने पर भारतीय टीम को खेल संघ ने दिया बधाई

पूर्णिया। पूर्णिया जिला खेल संघ ने एशियन चैंपियनशिप ट्रॉफी हॉकी 2023 के फाइनल मैच में भारतीय टीम द्वारा मलेशिया को हराकर टूनामेंट का कप जीतने पर टीम को बधाई दी है और कहा कि जिस जोश जुनून और जज्बे के साथ भारतीय हॉकी टीम ने मैदान में अपना जौहर दिखाया और अपनी तकनीकों को अपनाया वह देखने लायक था और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत था जिससे नए उभरते खिलाड़ियों में एक ऊर्जा का संचार उत्पन्न हुआ। भारतीय हॉकी टीम ने टूनामेंट का कप जीतकर भारत के मान सम्मान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल जगत में ऊंचा उठाने का काम किया है। आज देश अपने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। वह भी उस महीने में जब हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद का जन्म दिवस है तो निश्चित तौर पर यह श्रद्धांजलि भी उनको समर्पित होगा।

लालू और नीतीश के 35 साल के शासनकाल ने सच्चिदानंदन और जेपी के बिहार का कर दिया बंटाधार : रुढी

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूढ़ी रविवार को पूर्णिया पहुंचे। इस दौरान मोदी सरकार की खूबियां गिनाते हुए उन्होंने सीएम नीतीश कुमार और राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के सोशल इंजीनियरिंग पर सवाल उठाया तो दूसरी ओर राहुल गांधी पर हमला करते हुए सदन में उनकी हरकतों को हास्यास्पद बताया। उन्होंने कहा कि पेशे से मैं खुद एक पायलट हूं। पूर्णिया एयरपोर्ट निर्माण को लेकर राज्य सरकार जानबूझकर देरी कर रही है, ताकि एयरपोर्ट को लेकर जनता का सहानुभूति बटोर सके। सीमांचल और कोसी के राजनीतिक यात्रा पर निकले राजीव प्रताप रूढ़ी ने कहा कि बिहार सरकार पिछले एक वर्षो में हर मोर्चे पर फैल रही है। बिहार की सरकार कम्युनल होकर राज्य में दंगा करा रही है। बिहार में बेरोजगारी चरम पर है और पेपर लीक सरेआम हो रहा है। उन्होंने नीतीश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि नीतीश कुमार की स्मरण शक्ति कमजोर होती जा रही है। जो बिहार की जनता के लिए चिंता की बात है। वहीं पूर्णिया एयरपोर्ट को लेकर राज्य सरकार को घेरते हुए कहा कि एयरपोर्ट निर्माण के लिए राज्य सरकार खुद दोषी है। मैं एक पायलट हूं। इसलिए मुझे पता है कि आखिर राज्य सरकार आखिर क्यों जानबूझकर ऐसी गलती कर रही है। एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण कराने का काम तक राज्य सरकार ठीक से नहीं कर पाई। बिहार को पीछे धकेलने की जैसे साजिश चल रही है। लालू और नीतीश पर तंज करते हुए कहा कि ये वे लोग हैं जो बिहार में 35 वर्षो तक राज राज किए हैं लेकिन बिहार के हालात सबसे खराब है बिहार देश के सबसे गरीब राज्यों में शुमार है। दोनों ने सच्चिदानंदन सिन्हा और जेपी के बिहार का बंटाधार करके रख दिया। सूबे में बढ़ते अपराध को लेकर भी सीएम कुमार को जमकर घेरा। इस मौके पर पूर्णिया जिला अध्यक्ष राकेश कुमार भी मौजूद थे।

बीए पार्ट टू परीक्षा फॉर्म भरने को लेकर छात्राओं ने किया हल्ला बोल प्रदर्शन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नबगछिया परिक्षेत्र स्थित महिला महाविद्यालय परिसर में अखिल भारतीय विधार्थी परिषद महिला कॉलेज इकाई के द्वारा बीए पार्ट टू के परीक्षा फॉर्म भर रहे छात्राओं ने महाविद्यालय प्रबंधन के द्वारा जमकर हंगामा किया है। इस दौरान कॉलेज अभाविप के अध्यक्ष साक्षी भरद्वाज ने बताया बीए पार्ट टू परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि महाविद्यालय में विश्वविद्यालय के माध्यम से 12 अगस्त तक समय सीमा निर्धारित थी, लेकिन कॉलेज प्रशासन के आदेश पर सुबह 12:00 बजे से ही परीक्षा फॉर्म लेना बंद कर दिया गया है, वही मामले की जानकारी अभाविप के कार्यकर्ता को पता चला तो उक्त मामले को लेकर कॉलेज प्रशासन सहित कॉलेज प्राचार्य के पास मिलने पहुंची तो उक्त मामले को लेकर कॉलेज प्रशासन द्वारा बात करने से शख्स माना कर दिया, वही छात्र हित के मद्देनजर मजबूरन छात्राओं के भविष्य के समर्थन में कॉलेज प्रशासन के विरुद्ध आंदोलन शुरू करना पड़ा है। वही मामले को लेकर कॉलेज प्रशासन के द्वारा आश्वासन दिया गया है कि रविवार की दोपहर के बाद से छात्राओं का परीक्षा फॉर्म जमा लिया जायेगा।

महाविद्यालय के पास निर्गत परीक्षा फार्म खत्म हो गए थे, जिस कारण फॉर्म भरने के लिए बाधित करने के आदेश जारी करने पड़े थे। इस दौरान कॉलेज अभाविप अध्यक्ष साक्षी भारद्वाज उपाध्यक्ष आकांक्षा कुमारी, साक्षी मिश्रा, नेहा कुसुम, कोमल, सोनी ब्यूटी, खुशी, मोनिका, लक्ष्मी, काजल, श्वेता, शबनम, दीपा, पुष्पा, सोनाली आदि प्रदर्शन सह आंदोलन स्थल पर मौजूद थी।

प्लास्टिक प्रतिबंध को लेकर दुकानदा के विरुद्ध सीओ ने चलाया सघन छापेमारी अभीयान

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज नगर परिषद परिक्षेत्र में जिला पदाधिकारी के निर्देश पर सीओ अमित राज के नेतृत्व में नगर परिषद कर्मचारियों के द्वारा प्लास्टिक बैंड के तहत सघन छापेमारी अभीयान चलाया है। इस दौरान सीओ अमित राज ने प्लास्टिक उपयोग कर रहे कई दुकानदारों को पकड़ कर फाईन वसुली करते हुए छोड दिया गया, साथ ही इलाके के सभी दुकानदारों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि अगली बार प्लास्टिक उपयोग करने पर प्राथमिक दर्ज कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए दुकान को सील कर दिया जाएगा। इस दौरान सीओ अमित राज ने मिडिया प्रतिनिधि से बातचीत क्रम में बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर प्लास्टिक उपयोग करने वालों के विरुद्ध सघन छापेमारी अभियान चलाया गया है, इस दौरान क्षेत्र इलाके के कई दुकानदारों को प्लास्टिक उपयोग करने के मामले में फाईन वसुली करते हुए शक्त हिदायत दी गई है। इस दौरान नगर परिषद के कर्मचारी सहित स्थानीय थाना के पुलिस बल मौजूद थे।

72 वर्ष के बुजुर्ग का दिखा देश भक्ति जज्बा

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिला परिक्षेत्र अंतर्गत जगदीशपुर प्रखंड के सरदारपुर गांव के 72 बर्षीय बुजुर्ग प्रसादी गोप ने अपने गांव पहुंच मार्ग को सुदृढ़ बनाने की पहल की हैं। लेकिन 72 बर्षीय बुजुर्ग राष्ट्र हित की भावना से ओत प्रोत चल रहे हैं, अपने घर परिवार की चिंता तो है, लेकिन उन्हौनें करोड़ो रुपये की योजना का कार्य ग्रामीण विकास के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की मदद से किया है। वे राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के बिहार झारखंड के कम्पलेन रिगार्डिंग कमाण्डर पड़ से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उन्होंने बिहार तथा झारखंड में नली गली, सड़क, जल जीवन हरियाली योजना, नहर आदि अनेकों कार्य करवाया है लेकिन वर्तमान में अभी भी कच्ची मकान में रहकर अपना गुजारा कर रहते चले आ रहे हैं। उनका मानना है कि देश के लिए कुछ कर गुजरने और लोगों के लिए कुछ कर अपनी निशानी के तौर पर लोगों के दिलो में अपनी पहचान बनी रहे ये सबसे बड़ी सौगात है।

स्कूली छात्र छात्राओं के द्वारा हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम आयोजित

पूर्णिया/ केनगर। प्रखंड के परोरा पंचायत भवन परिसर में जिला इकाई के करीब दो दर्जन रंग मंच के कलाकारों ने कन्या मध्य विद्यालय परोरा एवं उच्च विद्यालय परोरा के स्कूली छात्र छात्राओं के साथ पूर्वी क्षेत्र भारत सरकार सांस्कृतिक मंत्रालय कोलकाता के तत्वावधान में आगामी 77 वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमृत महोत्सव के तहत मेरी माटी, मेरा देश (मिट्टी को नमन, वीरों का वंदन) आयोजित कार्यक्रम के साथ 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्

बिना लॉजिक वाली फिल्म देखकर थक चुका हूं

विवेक अग्निहोत्री के निर्देशन में बनी द कश्मीर फाइल्स ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया था। 11 मार्च, 2022 को रिलीज हुई। यह फिल्म 1990 में कश्मीर विद्रोह के दौरान कश्मीरी हिंदुओं के पलायन पर आधारित है। विवेक और निर्माता पल्लवी जोशी ने अब अपनी आगामी सीरीज द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड लेकर आए हैं। खास बातचीत के दौरान, दोनों फिल्म मेकर्स ने इस सीरीज और अपने प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें शेयर की।

कश्मीर फाइल्स पर किताब लिख लूंगा

कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड का आइडिया धीरे-धीरे इवॉल्व हुआ। हमने जब इस कॉन्सेप्ट के बारे में रिसर्च करना शुरू किया था, तब हमें ये भी नहीं पता था की इसकी हम फिल्म बनाएंगे या वेब सीरीज या डाक्यूमेंट्री। मुझे याद है, मैं पल्लवी से मजाक-मजाक में कहता था की अगर कुछ नहीं हुआ तो मैं इस पर किताब लिख लूंगा। मुझे यकीन था की पब्लिशर्स तो मिल ही जाएंगे। लेकिन फिर ये एक फीचर फिल्म में कन्वर्ट हो गई। हमारे पास तमाम रिसर्च पड़ा हुआ था, किसी के पास इतना रिसर्च नहीं होगा। फिर जब फिल्म आई तब कई लोगों ने इसका रिसर्च पब्लिश करने को कहा और यही से हमारे पास इसकी सीरीज बनाने का आइडिया शुरू हुआ। कई लोगों ने कहा की आपने जो दिखाया है, वो सच नहीं है, ये तो एक प्रोपेगैंडा है। तो इसे गलत साबित करने के लिए मैंने इसे ऑडियंस तक पहुंचाने का फैसला लिया।

विक्टिम्स की जुबानी उन्हीं की बात रखी है

विवेक- अब मैं इस बारे में नहीं सोचता हूं की लोग क्या कहेंगे। मेरी दिन की शुरुआत एक धार्मिक तरीके से होती हैं जहां अपने ओरिजिनल सोच को लिखता हूं। अब उसमे अच्छी बातें लिखता हूं, तब भी लोग कुछ-न-कुछ तो कहेंगे ही। लेकिन कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड देखने के बाद, वो कैसे कहेंगे की एक प्रोपेगैंडा आधारित फिल्म हैं? अब तो हम विक्टिम्स (आर्मी अफसर, एक्सपर्ट्स, इतिहास कार, एक्स-पुलिस अफसर) की जुबानी उनकी कहानी सामने ला रहे हैं। अब लोग क्या कहेंगे? मैं तैयार हूं, जिसे जो कहना है कहे।

बहती गंगा में हाथ धुले, ये सोचकर फिल्म बनाना गलत हैं

हां, ये तो चल ही रहा है। कोई एक कॉमेडी बनाकर हिट हो जाए, तो उसके बाद कई ऊटपटांग कॉमेडी बनाना शुरू कर देते हैं। लेकिन हम एक सोशल-पॉलिटिकल सब्जेक्ट से डील करते हैं जोकि बहुत ही क्रिटिकल है। इसमें भेड़-चाल नहीं होनी चाहिए। बॉलीवुड इससे दूर रहे तो ही अच्छा है क्योंकि ये उनकी ऐक्सपर्टाइज नहीं हैं। दूसरा, वे लोग सिर्फ इसीलिए आएंगे ताकि उन्हें अच्छा बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड मिले। जैसे आदिपुरुष को लेकर मुझे कोई दिक्कत नहीं लेकिन सिर्फ इसीलिए फिल्म बनाना क्योंकि अभी श्री राम का नाम चल रहा है, हम भी बहती गंगा में हाथ धोले ये, ये सोचकर फिल्म बनाना गलत है।

ये ब्लॉकबस्टर ऐसा शब्द है जो कसी को भी अंधा कर सकता हैं

द वैक्सीन वॉर हमने बहुत कम बजट और कम वक्त में बनाया हैं। आम तौर मैं ब्रांड के बजाय नए लोगों के साथ काम करना पसंद करता हूं क्योंकि उनमें भूख होती हैं हमेशा नया सीखने की। साथ ही सभी कहते हैं की अरे, आपने सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर दी लेकिन मेरा मानना हैं की ये ब्लॉकबस्टर ऐसा शब्द हैं जो किसी को भी अंधा कर सकता है, आपको विनाश कर सकता हैं। मुझे अभी भी ऐसा लगता हैं की मैं फिल्म बनाने में स्ट्रगल करू क्योंकि उसी में आपकी चेतना जगती हैं, उसी में आपकी सबसे अच्छी क्रिएटिविटी निकलती हैं। हमारे पास स्टूडियोज तो कई आए जो हमें पैसे भी खूब सारे दे रहे हैं और बड़े नाम भी लेकिन हमने मना कर दिया।

मैं श्याम बेनेगल से बहुत प्रेरित हूं

मैं श्याम बेनेगल से बहुत प्रेरित हूं। उनकी फिल्में बहुत चर्चित रही, काफी हिट रही, अपने लेवल पर पैसे भी कमाए लेकिन उन्होंने कभी अपनी जड़ को नहीं छोड़ा। वो हमेशा अपने कंट्रोल बजट में, छोटे बजट में हमारे देश की सोशल-पॉलिटिकल प्रॉब्लम्स भी फिल्म बनाते गए। मैं श्याम बंगाल और सत्यजित रे को अपना आइडल मानता हूं।

इल्लॉजिकल (तर्कहीन) फिल्म देख-देखकर थक चूका हूं

मैं अब ज्यादा बॉलीवुड या हॉलीवुड की फिल्में नहीं देखता हूं। मैं अब इल्लॉजिकल (तर्कहीन) फिल्म देख-देखकर थक चूका हूं। इल्लॉजिकल फिल्म में मैंने रोहित शेट्टी की सूर्यवंशी देखी थी क्योंकि वो कोविड के बाद, काफी समय बाद थिएटर में लगी थी। उसके बाद, मैंने कांतारा देखी जोकि अच्छी लगी।

कंगना ने की गदर-2 की तारीफ में बोलीं- सोलो रिलीज होती तो 70 करोड़ कमाती

कंगना रनोट ने सनी देओल स्टारर फिल्म 'गदर 2' की तारीफ की है। एक्ट्रेस ने शनिवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में 'गदर 2' की स्क्रीनिंग के बाहर खड़ी भारी भीड़ के वीडियोज शेयर किए। इसके साथ ही कंगना ने कहा कि अगर यह फिल्म सोलो रिलीज होती तो ओपनिंग डे पर 65 से 70 करोड़ रुपए तक कमा सकती थी।

बिना रिव्यूज खरीदे अच्छा परफॉर्म किया

कंगना ने फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा, 'फिल्म ने बिना माफिया पॉलिटिक्स, बिना खरीदे हुए रिव्यूज, बिना फेक प्रोपेगेंडा, बिना कॉर्पोरेट बुकिंग के बल्क टिकट खरीदे और बिना कार्टून लुकिंग एक्टर्स के अच्छा प्रदर्शन किया है। प्रॉपर मैनली हीरो और प्रॉपर मास कंटेंट।'

लाइफ में नेशनलिज्म वापस लेकर आई फिल्म

इसके साथ कंगना ने कहा, 'फिल्म ने फाइडे को रिलीज होने के बावजूद बढ़िया परफॉर्म किया है। यह लोगों की लाइफ में एक्साइटमेंट और नेशनलिज्म वापस लेकर आई है। अगर यह 'हस्न्न 2' के साथ क्लैश ना होती तो यह आसानी से 65 से 70 करोड़ रुपए की ओपनिंग कर सकती थी।

कुछ दिन पहले ही किया था दावा

कंगना ने कुछ ही दिन पहले एक स्टोरी शेयर करते हुए कहा था कि गदर 2 इस साल की सबसे बड़ी ओपनर बनेगी। हालांकि, ऐसा हो नहीं पाया पर 40 करोड़ रुपए के ओपनिंग डे कलेक्शन के साथ फिल्म को इस साल की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग मिली।

सलमान भी कर चुके हैं तारीफ

कंगना से पहले सलमान खान भी इस फिल्म की तारीफ कर चुके हैं। सलमान ने फिल्म की रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग पर सनी देओल को बधाई देते हुए एक पोस्ट शेयर की थी। उन्होंने लिखा था, 'ढ़ाई किलो का हाथ चालीस करोड़ की ओपनिंग के बराबर है। सनी पाजी ने गदर मचा दी। 'गदर 2' की पूरी टीम को बधाई।' सनी देओल स्टारर और अनिल शर्मा निर्देशित इस फिल्म ने अमीषा पटेल, मनीष वाधवा और उत्कर्ष शर्मा भी अहम किरदारों में नजर आए।

एटली की फिल्म वीडी 18 के सेट पर चोटिल हुए वरुण धवन

बवाल में धमाल करने के बाद वरुण धवन अब अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट वीडी 18 में जी-जान लगा रहे हैं। बीते दिन उन्हें एटली के साथ मुंबई में देखा गया। यह पहली बार है जब एटली और वरुण किसी प्रोजेक्ट के लिए सहयोग कर रहे हैं। वीडी 18 को एटली कुमार के प्रोडक्शन बैनर तले बनाया जा रहा है। वहीं, इसका डायरेक्शन कलीस कर रहे हैं। बीते दिन वीडी 18 की शूटिंग शुरू होने की जानकारी सामने आई। हालांकि, अब एक दिन के भीतर ही वरुण धवन के चोटिल होने की खबर ने फैंस की चिंता बढ़ा दी है। वरुण धवन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा कर खुद के चोटिल होने की जानकारी दी है। तमिल फिल्म निर्माता कलीस एक्शन से भरपूर मनोरंजक फिल्म वीडी18 का डायरेक्शन कर रहे हैं, जो डायरेक्टर एटली और निर्माता मुराद खेतानी का संयुक्त प्रयास है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वरुण धवन के साथ, बवाल के लीड एक्टर, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी भी इस परियोजना का हिस्सा हैं। इस फिल्म से कीर्ति सुरेश की बॉलीवुड में एंट्री होगी। कथित तौर पर वीडी 18 की रिलीज डेट 31 मई, 2024 है। वरुण धवन ने हाल ही में वीडी18 प्रोजेक्ट पर एटली के साथ सहयोग करने के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया था। हालांकि उन्होंने ज्यादा खुलासा न करते हुए संकेत दिया, मैं केवल यह बता सकता हूं कि यह एक शानदार एक्शन से भरपूर मनोरंजक फिल्म है। यह फिल्म बहुत सारे आनंददायक क्षण पेश करती है, जो मेरी पसंद से मेल खाते हैं। मैं अपना बेस्ट देने के लिए पूरी तरह समर्पित हूं।

घर पर किसी को परवाह नहीं कि मैं कौन हूं

भारतीय हिप-हॉप आइकन और रैपर बादशाह का कहना है कि वह वास्तविक जीवन में काफी साधारण व्यक्ति हैं और घर पर लोग वास्तविकता की जांच करते रहते हैं क्योंकि किसी को इसकी परवाह नहीं है कि वह कौन हैं। बादशाह ने बताया, वास्तव में मैं बिल्कुल विपरीत हूं और काफी सरल व्यक्ति हूं। मैं भौतिकवाद या संपत्ति के बारे में चिंतित नहीं हूं। वास्तव में घर पर हर कोई वास्तविकता की जांच करता रहता है। किसी को इसकी परवाह नहीं है कि मैं कौन हूं। यह मुझे जमीन से जोड़े रखता है! हिप-हॉप के विकास में एक मल्टीहाइफ़नेट के रूप में उन्होंने जो भूमिका निभाई है, उसे वह कैसे समझते हैं, इस पर बादशाह ने कहा, हिप हॉप एक संस्कृति है जो आर्ट फॉर्म से काफी आगे तक फैली हुई है। आपको एक ऐसी नींव बनाने की ज़रूरत है जो समुदाय को बढ़ने दे। उन्होंने कहा, जब आप जे-जेड, डिडी, बेयॉन्से, रिहाना और 50 सेंट जैसे आइकन को देखते हैं, तो वे लोग प्रतिभाशाली हैं। उन्होंने कुछ नहीं से कुछ बनाया। जब मैं बच्चा था तब से ही व्यवसाय का चलन मुझमें है। स्कूल में मैं कॉमिक किताबें बेचता था और कॉलेज के दिनों में मैं जमीन बेच रहा था। हिप-हॉप शैली में भी बादशाह के अपने आदर्श हैं। उन्होंने कहा, जे जेड, एमिनेम, ड्रेक, कायने वेस्ट। बादशाह, जो जुगनू, अभी तो पार्टी शुरू हुई है, डीजे वाले बाबू और कई अन्य गानों के लिए जाने जाते हैं, ने अपना नया सिंगल गॉन गर्ल रिलीज कर दिया है। गाने के साथ, रैपर अपने सर्वोत्कृष्ट पुराने स्कूल के व्यावसायिक साउंडस्केप के सार को फिर से प्रदर्शित करते हैं।

इंडस्ट्री के इतने बड़े निर्देशकों के साथ काम करना हमेशा से मेरी इच्छा थी

अभिनेत्री मोना सिंह अपनी हालिया रिलीज मेड इन हेवन सीजन टू की सफलता से उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि रीमा कागती, जोया अख्तर और अलंकृता श्रीवास्तव के साथ काम करना हमेशा से उनकी इच्छा रही है।

मोना ने कहा, मेड इन हेवन सीजन 2 में मेरे प्रदर्शन के लिए मुझे जो प्रशंसा मिल रही है, वह अभिभूत करने वाली है। मैं इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने के लिए बहुत आभारी हूं और इतनी जबरदस्त प्रतिक्रिया पाकर मैं खुश हूं। इतने शानदार कलाकारों और उद्योग के सबसे बड़े निर्देशकों के साथ काम करना हमेशा से मेरी इच्छा रही है, और न केवल निर्देशकों से बल्कि सोशल मीडिया पर भी मेरे किरदार बुलबुल के प्रति इतना स्नेह देखना अविश्वसनीय है। जब मैंने किरदार के लिए शूटिंग शुरू की, तो मुझे यकीन था कि एक बार जब लोग शो देखना शुरू कर देंगे, तो यह उनके साथ जुड़ जाएगा। बहुप्रतीक्षित शो को इतना प्यार देने और मेरे किरदार बुलबुल को पसंदीदा बनाने के लिए मैं सभी की आभारी हूं। मेड इन हेवन एक रोमांटिक ड्रामा वेब सीरीज है। यह सीरीज दिल्ली में मेड इन हेवन नामक एजेंसी चलाने वाले दो वेडिंग प्लानर तारा और करण के जीवन कस बारे में बताती है। यह प्राइम वीडियो पर है।

टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होगा भूमि पेडनेकर की थैंक यू फॉर कमिंग का प्रीमियर

भूमि पेडनेकर स्टारर अपकमिंग फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग को जल्द ही होने वाले टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) के वर्ल्ड प्रीमियर के लिए चुना गया है। यह फिल्म एक उभरती हुई कॉमेडी है, जिसका निर्देशन करण बुलानी ने किया है और इसे राधिका आनंद और प्रशस्ति सिंह ने लिखा है। थैंक यू फॉर कमिंग 15 सितंबर, 2023 को रॉय थॉमसन हॉल में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म में शहनाज गिल, डॉली सिंह, कुशा कपिला, शिबानी बेदी, प्रधुम्न सिंह मॉल, नताशा रस्तोगी, गौतमिक, सुशांत दिवगिकर, सलोनी दैनी, डॉली अहलूवालिया, करण कुंद्रा और अनिल कपूर हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भूमि पेडनेकर ने कहा, टीआईएफएफ में यह मेरा पहला मौका है। मुझे खुशी है कि मैं एक ऐसी फिल्म के साथ वहां जा रही हूं जो मेरे दिल के बहुत करीब है। इसे और भी स्पेशल बनाने वाली बात यह है कि हमें रॉय थॉम्पसन हॉल में गाला प्रीमियर के लिए चुना गया है। एक आधिकारिक चयन के रूप में और हमारे द्वारा देखे जाने के बाद, मैं आने वाले अनुभव के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैंने कभी भी इतने बड़े और विविध दर्शकों के साथ अपनी फिल्म देखने का अनुभव नहीं किया। मेरे को-एक्टर्स, डायरेक्टर करण बुलानी और हमारे प्रोड्यूर्स अनिल कपूर और रिया कपूर के साथ रेड कार्पेट पर चलना यादगार होने वाला है। उन्होंने आगे कहा, एक भारतीय एक्टर के रूप में, मुझे गर्व है कि मैं इस इवेंट में अपने देश का प्रतिनिधित्व करूंगी।

सारा अली खान ने रीमेक से किया तौबा

सारा अली खान ने अब कोई भी रीमेक साइन नहीं करने का फैसला किया है। उन्होंने इसकी वजह भी बताई है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सारा से पूछा गया कि क्या वह अपनी मां अमृता सिंह की किसी फिल्म के रीमेक में काम करना पसंद करेंगी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने अब तक दो रीमेक किए हैं और उन्होंने यही सबक लिया है कि कुछ फिल्में छूनी भी नहीं चाहिए। सारा ने आगे कहा कि वह भले ही अपनी मां की तरह दिखती हैं, लेकिन वह उनकी जैसा अभिनय नहीं कर सकती हैं। वहीं, मीडिया उन्हें इस चीज से दूर नहीं होने देगा और वह ऐसा चाहती नहीं हैं। आखिरी बार सारा अली खान फिल्म जरा हटके जरा बचके में नजर आई थीं। इसमें वह विक्की कौशल के अपोजिट नजर आईं और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया। एक्ट्रेस हाल ही में रिलीज हुई करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में स्पेशल अपीयरेंस में नजर आईं।

चैटजीपीटी की डेवलपर कंपनी 2024 में दिवालिया हो सकती है

नई दिल्ली। चैटजीपीटीको डेवलप करने वाली कंपनी ओपनएआइ अगले साल दिवालिया हो सकती है। एनालिटिक्स इंडिया मैगजीन ने एक रिपोर्ट में दावा किया कि चैटजीपीटी को चलाने के लिए कंपनी हर दिन 7 लाख डॉलर यानी करीब ?5.80 करोड़ खर्च कर रही है।रिपोर्ट में कहा गया है कि ओपनएआइ तेजी से अपने फाइनेंशियल रिसोर्सेज कम कर रही है।

ट्विटर की रीब्रांडिंग के बाद अब डोमेन भी बदलेंगे मस्क

नई दिल्ली। ट्विटर को एक्स के रूप में रीब्रांड करने के बाद अब कंपनी ने डोमेन बदलने की प्रोसेस भी शुरू कर दी है। इसकी शुरुआत यूआरएल में बदलाव से की गई है। हालांकि, ये बदलाव अभी केवल ऐपल यूजर्स के लिए हैं। आइओएस यूजर्स के लिए अब यूआरएल &.com से जनरेट हो रहे हैं।

अंग्रेजों ने सोने की चिड़िया भारत को गरीब बनाया! आंकड़ों के जरिए समझिए हकीकत

अंग्रेजों के दौर में भारत की जीडीपी में तीन गुना इजाफा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले हफ्ते इतिहासकार अंगुस मेडीसन के काम से मैंने साबित किया कि हिंदू शासनकाल (साल 1-1000) भारत का स्वर्णकाल नहीं था जैसा कि अक्सर दावा किया जाता है। एक हजार साल तक देश की जीडीपी 33.7 अरब डॉलर पर ठहरी रही। मुस्लिम शासनकाल (1000 से 1700) में देश की जीडीपी करीब तिगुनी होकर 90 अरब डॉलर पहुंची लेकिन बढ़ती आबादी के कारण इसका फायदा नहीं मिला। अब अंग्रेजों के जमाने की बात करते हैं। अपनी बेस्टसेलर किताब An Era of Darkness: The British Empire in India में शशि थरूर ने मेडीसन के काम का व्यापक हवाला दिया है।

एक शॉर्ट कॉलम में उन्हें लंबी थीसिस पर पूरी तरह से चर्चा नहीं की जा सकती है लेकिन हम इसमें मेडीसन के काम के उल्लेख पर तो बात कर ही सकते हैं। मेडीसन के मुताबिक अंग्रेजों की हुकूमत से पहले साल 1700 में दुनिया की जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी 24.4 फीसदी थी जो 1950 में गिरकर 4.2 परसेंट रह गई। थरूर कहते हैं, इसका कारण सीधा सा है। ब्रिटेन के फायदे के लिए भारत पर राज हो रहा था। 200 साल तक ब्रिटेन के उभार की कीमत भारत से वसूल की गई।

मेडीसन के आंकड़े

क्या मेडीसन के असली आंकड़े भारत को सपोर्ट करते हैं? साल 1700 से 1950 तक भारत की जीडीपी 90 अरब डॉलर से 222 अरब डॉलर पहुंची जो अब तक की सबसे तेज रफ्तार थी। दुनिया की जीडीपी में भारत का हिस्सा इसलिए नहीं गिरा क्योंकि वह गरीब हो गया। बल्कि इसकी वजह औद्योगिक क्रांति थी जिसके कारण दूसरे देश तेजी से आगे बढ़े। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार और अंग्रेजों की पहल पर विभिन्न रियासतों के बीच शांति से देश की आबादी 16.5 करोड़ से 35.9 करोड़ पहुंच गई। इसके उलट हिंदू शासनकाल में देश की आबादी नहीं बढ़ी। यह इस बात का प्रमाण है कि अंग्रेजी हुकूमत से पहले चीजें कितनी मुश्किल थी। क्या भारत की लो इनकम और ब्रिटेन की हाई इनकम के लिए अंग्रेजों की हुकूमत जिम्मेदार थी? मेडीसन के आंकड़े इस दावे का समर्थन नहीं करते हैं। अंग्रेजों के आने से पहले साल 1000 से 1500 तक ब्रिटेन की सालाना प्रति व्यक्ति इनकम ग्रोथ भारत की 0.04 परसेंट की तुलना में तीन गुना थी। 1500 से 1820 तक भारत की पर कैपिटा ग्रोथ निगेटिव में 0.01 परसेंट थी जबकि ब्रिटेन की 0.27 परसेंट थी। 1820 से 1870 तक ईस्ट इंडिया कंपनी की लूट चरम पर थी। इस दौरान भारत का ग्रोथ जीरो था जबकि ब्रिटेन की ग्रोथ 1.26 परसेंट थी। 1870 से 1913 तक अंग्रेजों के दौर में भारत का सालाना ग्रोथ रेट 0.54 परसेंट था जो सबसे अधिक था। लेकिन जब अंग्रेजी हुकूमत देश में अपनी आखिरी सांसें गिन रही थी तो 1913 से 1950 तक यह माइनस 0.24 परसेंट में रही। इस दौरान महामंदी ने भारत को भी प्रभावित किया और खाने-पीने की चीजों की उपलब्धता में भारी गिरावट आई।

ब्रिटेन का हाल

ब्रिटेन की अपनी सालाना पर कैपिटा इनकम ग्रोथ 1870 से 1950 के दौर में एक परसेंट से भी नीचे चली गई। यह इस बात का संकेत है कि उसे उपनिवेश से कोई बहुत ज्यादा फायदा नहीं हुआ। 1950 से 1973 के बीच जब एक-एक करके उसने अपने उपनिवेश गंवाए तो ब्रिटेन की पर कैपिटा इनकम ग्रोथ 2.4 परसेंट के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। यह उस थीसिस के उल्टा है कि गुलाम देशों की लूट से ब्रिटेन की समृद्धि बढ़ी। इसकी ग्रोथ का कारण प्रॉडक्टिविटी में बढ़ोतरी था। उपनिवेश से उसे फायदा हुआ लेकिन ज्यादा नहीं। जहां तक भारत से ब्रिटेन तक धन के प्रवाह की बात है तो थरूर ने इसमें मेडीसन के काम का हवाला देते हैं, इसमें कोई शक नहीं है कि 190 साल तक भारत से भारी मात्रा में ब्रिटेन के लिए फाइनेंशियल फ्लो हुआ। अगर इन पैसों को भारत में ही निवेश किया जाता तो इससे बहुत बड़ा फर्क पैदा हो सकता था। यह बिल्कुल सही है। लेकिन भारत का इतिहास दिखाता है कि टैक्स रेवेन्यू को भारत में निवेश नहीं किया गया बल्कि अधिकारियों की विलासिता और लगातार हो रही लड़ाइयों पर बर्बाद किया गया। इससे कई शासक अपने सैनिकों को समय पर तनख्वाह नहीं दे पाए और लूट को प्रोत्साहन मिला। इस कारण देश की जीडीपी सुस्त चाल से बढ़ी।

कंपनी की लूट

ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत के अमीरों को लूटा। लेकिन इससे भारत के जनमानस पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ा क्योंकि उनके लिए टैक्स में कोई बदलाव नहीं आया। अंग्रेजी हुकूमत में 40 परसेंट भारत पर रजवाड़ों का शासन था। उन्होंने अपना रेवेन्यू अंग्रेजों के हवाले नहीं किया लेकिन उनकी इकनॉमिक ग्रोथ कमजोर रही। इसमें त्रावणकोर जैसी रियासतें अपवाद रहीं। इससे साबित होता है कि टैक्स रेवेन्यू को भारत में ही रखने से आम लोगों या इकनॉमिक ग्रोथ को कोई फायदा नहीं हुआ। हैदराबाद के निजाम को दुनिया का सबसे अमीर शख्स माना जाता था लेकिन उसके शासन वाले इलाकों देश के गरीब इलाकों में थे। राष्ट्रवादी इतिहासकार मानते हैं कि अंग्रेजी हुकूमत नहीं होती तो भारत की औद्योगिक क्रांति तेजी से होती। लेकिन देश की रियासतों खासकर सबसे बड़ी रियासत हैदराबाद कुछ और ही कहानी बयां करती है।

थरूर कहते हैं कि अंग्रेजों का टैक्स बहुत ज्यादा था लेकिन मेडीसन के मुताबिक मुगलकाल में जीडीपी में किसानों के टैक्स की हिस्सेदारी 15 परसेंट थी जो अंग्रेजी हुकूमत के अंत में गिरकर तीन परसेंट रह गई। ईस्ट इंडिया कंपनी ने मुगलों की ही तरह टैक्स रखा लेकिन जब देश की कमान सीधे अंग्रेजी हुकूमत के हाथों में आई तो टैक्स को नॉमिनल टर्म्स में फिक्स किया गया। इससे किसानों पर टैक्स का बोझ कम हुआ। इससे अंग्रेजों के लिए मुनाफा खत्म हो गया। अंग्रेजों के भारत छोड़ने का यह भी एक कारण था। इस कॉलम में भारत में अंग्रेजों के शासन या थरूर की किताब का पूरा आकलन नहीं है। लेकिन इससे साबित होता है कि थरूर ने मेडीसन की किताब से केवल अपने मतलब की चीजें उठाई हैं ताकि अपनी थीसिस को मजबूत किया जा सके। मेडीसन ने भारत में ब्रितानी हुकूमत की ज्यादा आलोचना नहीं की है। उनका कहना है कि अंग्रेजी राज में भारत में सिंचाई में आठ गुना तेजी आई। इस पर बहस जारी है।

सरकारी बैंक ने ग्राहकों को दिया तोहफा! घटाई होम और कार लोन की दरें

नई दिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक ने इसी हफ्ते अपनी मौद्रिक नीति की समीक्षा बैठक के बाद ब्याज दरें स्थिर रखने का फैसला किया है। यह लगातार तीसरी बैठक थी, जिसमें ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि कुछ बैंकों ने इस फैसले के बाद ब्याज दरें बढ़ाई हैं लेकिन सरकारी क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने ब्याज दरों में कटौती कर ग्राहकों को बड़ा तोहफा दिया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने होम, कार लोन में 0.20 प्रतिशत तक कटौती की घोषणा की है। बैंक ने कहा कि कम ब्याज दरों और प्रसंस्करण शुल्क में छूट के दोहरे लाभ से ग्राहकों को वित्तीय बोझ कम करने में मदद मिलेगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकारी स्वामित्व वाले बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने शनिवार को होम और कार लोन पर ब्याज दर में 0.20 प्रतिशत तक की कटौती की। इसके अलावा बैंक ने प्रसंस्करण शुल्क को भी शून्य करने की घोषणा भी की। इस कटौती के साथ होम लोन अब मौजूदा 8.60 प्रतिशत की जगह 8.50 प्रतिशत पर उपलब्ध होगा। दूसरी ओर कार ऋण को 0.20 प्रतिशत सस्ता कर 8.70 प्रतिशत कर दिया गया है। बीओएम ने एक बयान में कहा कि नयी दरें 14 अगस्त से प्रभावी हैं।

बता दें कि भारतीय रिजर्व बैंक ने 10 अगस्त को पेश अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 6.50 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसके बावजूद बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने शुक्रवार को एमसीएलआर में 0.10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। इसके साथ ही एक साल की एमसीएलआर 8.50 प्रतिशत से बढ़कर 8.60 प्रतिशत हो गई है। संशोधित दरें 10 अगस्त से प्रभावी हैं।

एप्पल की आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन ने तेलंगाना में अपना निवेश प्रस्ताव बढ़ाया

हैदराबाद एजेंसी। फिट होंग टेंग लिमिटेड (फॉक्सकॉन) के निदेशक मंडल ने तेलंगाना में 40 करोड़ डॉलर के निवेश को मंजूरी दे दी है। फॉक्सकॉन इंडिया के प्रतिनिधि वी ली ने सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी। कंपनी पहले ही भारत में 15 करोड़ डॉलर के निवेश को मंजूरी दे चुकी है। इस तरह उसका कुल प्रस्तावित निवेश बढ़कर 55 करोड़ डॉलर हो गया है। ताईवान की फॉक्सकॉन एप्पल की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता है।

फॉक्सकॉन ने हांगकांग शेयर बाजार को बताया, फिट सिंगापुर ने चांग यी इंटरकनेक्ट टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को 40 करोड़ डॉलर का पूंजी निवेश करने का प्रस्ताव दिया है। इस कंपनी की 99.99 प्रतिशत पूंजी हिस्सेदारी फिट सिंगापुर के पास है। वी ली ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा, हम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं, तेलंगाना! 40 करोड़ डॉलर की एक और खेप आ रही है। वी ली की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामा राव ने शनिवार को ट्वीट किया कि नया निवेश प्रस्ताव पहले से ही प्रतिबद्ध 15 करोड़ डॉलर के अतिरिक्त है। रामाराव ने एक्स पर ट्वीट किया, फॉक्सकॉन ग्रुप के साथ हमारी दोस्ती दृढ़ बनी हुई है। हम सभी आपसी प्रतिबद्धताओं को पूरा कर रहे हैं। कुल 55 करोड़ डॉलर (पिछले 15 करोड़ डॉलर को जोड़कर) के निवेश के साथ, फिट तेलंगाना में अपने वादों को पूरा करने के लिए तैयार है। यह एक बार फिर तेलंगाना की गति को साबित करता है।

छुट्टियों वाले छोटे सप्ताह में मुद्रास्फीति के आंकड़ों, वैश्विक रुझानों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली एजेंसी। छुट्टियों वाले छोटे सप्ताह में शेयर बाजार की चाल मुद्रास्फीति के आंकड़े, वैश्विक रुझानों और विदेशी कोषों के रुख से प्रभावित होगी। मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। स्वास्तिका इंवेस्टमार्ट लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख संतोष मीना ने कहा, आने वाले दिनों में बाजार के रुझान को तय करने में व्यापक आर्थिक संकेत, रुपए की चाल और एफआईआई की गतिविधियां महत्वपूर्ण होंगी। घरेलू स्तर पर मुद्रास्फीति के आंकड़े महत्वपूर्ण हैं। वैश्विक स्तर पर जापान के मुद्रास्फीति के आंकड़े, चीन के आईआईपी के आंकड़े और अमेरिकी खुदरा बिक्री पर ध्यान दिया जाएगा। जुलाई के लिए थोक और खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को जारी किए जाएंगे।

मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा, आने वाले दिनों में भारत के डब्ल्यूपीआई और सीपीआई मुद्रास्फीति के आंकड़ों, निर्यात और आयात के आंकड़ों पर नजर रहेगी। हमें उम्मीद है कि भारतीय बाजार सीमित दायरे में रहेगा। इस सप्ताह हिंदुस्तान कॉपर और आईटीसी अपने तिमाही नतीजे घोषित करेंगे। डॉलर के मुकाबले रुपए का रुख और वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की चाल भी शेयर बाजारों में कारोबार को प्रभावित करेगी।

न्यूयॉर्क सबसे महंगा और ढाका सबसे सस्ता शहर

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप जानते हैं कि दुनिया में मकान का सबसे ज्यादा किराया कहां हैं? इसका जवाब है न्यूयॉर्क। अमेरिका के इस शहर में वन बेडरूम अपार्टमेंट का मंथली रेट 3,789 डॉलर है। इंडियन करेंसी में देखें तो न्यूयॉर्क का यह किराया 3,14,322 रुपये बैठता है। इस लिस्ट में सिंगापुर दूसरे नंबर पर है। इस एशियाई देश में आपको सिटी सेंटर में एक बेडरूम 3,454 डॉलर के मंथली रेंट पर मिल जाएगा। रेंट के हिसाब से दुनिया के टॉप 10 मंहगे शहरों की बात करें तो इनमें सात अमेरिका के हैं। इनमें न्यूयॉर्क के अलावा सैन फ्रांसिस्को, ब्रुकलिन, बोस्टन, सैन डिएगो, मियामी और सैन होजे शामिल हैं। टॉप 10 में इसके अलावा बरमूडा के हैमिल्टन और जर्मनी के ज्यूरिख को जगह मिली है।

दुनिया के 13 शहरों में वन बेडरूम अपार्टमेंट का मंथली रेंट 2,500 डॉलर से ज्यादा है। इनमें जॉर्ज टाउन, लॉस एंजिलिस और लंदन शामिल हैं। लंदन के सिटी सेंटर में एक बेडरूम वाले अपार्टमेंट का मंथली रेंट 2,614 डॉलर है। भारतीय मुद्रा में यह राशि करीब 2,16,848 रुपये बैठती है। हॉन्ग कॉन्ग में यह 2,274 डॉलर, डबलिन में 2,121 डॉलर, सिडनी में 2,114 डॉलर, दुबई में 1,976 डॉलर, पेरिस में 1,411 डॉलर, टोक्यो में 974 डॉलर और शंघाई में 930 डॉलर है। जहां तक भारत का सवाल है तो देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक बेडरूम वाले अपार्टमेंट का एक महीने का किराया 570 डॉलर यानी 47,285 रुपये है। मुंबई रेंट के हिसाब से देश का सबसे महंगा शहर है लेकिन दुनिया में इसकी रैंकिंग 351वीं है। दिल्ली में वन बेडरूम अपार्टमेंट का रेंट मुंबई की तुलना में आधे से भी कम है। दिल्ली में आपको 245 डॉलर यानी 20,324 रुपये के मंथली रेंट पर एक बेडरूम का अपार्टमेंट मिल जाएगा। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और बांग्लादेश की ढाका में मंथली रेंट सबसे कम है। इस्लामाबाद में यह 152 डॉलर और ढाका में 135 डॉलर है।

सरसों दादरी तेल का भाव 620 रुपये टूटा, दाने के भी गिरे रेट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में सस्ते आयातित तेलों की भरमार के बीच बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार में अधिकांश खाद्यतेल तिलहनों के थोक भाव में गिरावट आई। पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 200 रुपये टूटकर 5,600-5,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 620 रुपये टूटकर 10,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 75 रुपये और 95 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 1,745-1,840 रुपये और 1,745-1,855 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव 40-40 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,050-5,145 रुपये प्रति क्विंटल और 4,815-4,910 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल के भाव भी क्रमशः 330 रुपये, 230 रुपये और 350 रुपये टूटकर क्रमशः 10,220 रुपये, 10,020 रुपये और 8,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर, माल की कमी होने से समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन, मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड के भाव क्रमशः 90 रुपये, 100 रुपये और 10 रुपये मजबूत होकर क्रमशः 7,865-7,915 रुपये, 18,850 रुपये और 2,735-3,020 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

क्रोमा का स्वतंत्रता दिवस सेलः होम अप्लायंसेस, स्मार्टफोन्स, ऑडियो और बहुत सारे उत्पादों पर पाइए बहुत बड़े डिस्काउंट्स!

एलईडी टीवी, वाशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, माइक्रोवेव पर विशेष ऑफर्स

मुंबई, एजेंसी। भारत की स्वतंत्रता के 76 वें वर्ष के उपलक्ष्य में क्रोमा चला रहा है लेट फ्रीडम फाइंड यु कैम्पेन। 16 अगस्त 2023 तक चलने वाले इस कैम्पेन में क्रोमा आपके लिए प्रस्तुत कर रहा है कई आकर्षक डील्स और ऑफर्स, जिनका लाभ उठाकर आप खरीद सकते हैं मनचाहे स्मार्टफोन्स, टीवी, होम अप्लायंसेस और अन्य कई उत्पाद। देश भर में फैले हुए 385 से ज़्यादा क्रोमा स्टोर्स और ष वेबसाइट पर भी इन डील्स और ऑफर्स का लाभ उठाया जा सकता है।

अब लॉन्ड्री का टेन्शन होगा ख़त्म, क्योंकि क्रोमा में मिल रही है खास तौर पर चुनकर लायी गयी हाई-क्वालिटी वाशिंग मशीनों की रेन्ज। क्रोमा वॉशर ड्रायर की सुविधा और दक्षता का अनुभव आप कर सकेंगे, सिर्फ 1,997 रुपयों के मासिक ईएमआई की सुविधा के साथ। आकर्षक कैशबैक ऑफर्स के साथ फ्रंट लोड वाशिंग मशीनों की कीमतें क्रोमा में 19,990 रुपयों से आगे हैं।

अपने घर पर ही आराम से बैठकर लीजिए बिग स्क्रीन का मज़ा, 55 ओएलईडी टीवी के साथ अपने एंटरटेनमेंट सेटअप को पूरा नया करने का यही है सही मौका क्योंकि क्रोमा में इसके साथ आपको मिल रहे हैं सुविधानजक ईएमआई विकल्प हर महीने सिर्फ 2,999 रुपयों से आगे। और भी ज़्यादा इमर्सिव व्यूइंग अनुभव के लिए घर ले आइए क्रोमा क्यूएलईडी गूगल टीवी, कीमत 50,999 रुपयों से आगे।

कुकिंग का पैशन रखनेवालों को क्रोमा दे रहा है बढ़ावा, चारकोल टेक्नोलॉजी वाला 28 लीटर का कन्वेक्शन माइक्रोवेव मिल रहा है हर महीने सिर्फ 1,499 रुपयों के ईएमआई में। अब बहुत ही आसानी से बनाइए अपनी सभी मनचाही डिशेस।

क्रोमा के फ्रॉस्ट-फ्री रेफ्रिजरेटर में अपने खाने की ताज़गी को बरक़रार रखना अब होगा और भी आसान क्योंकि इसके साथ मिल रही है मासिक सिर्फ 1,999 रुपयों के आकर्षक ईएमआई की सुविधा। क्रोमा के फ्रॉस्ट-फ्री इन्वर्टर-कन्वर्टिबल रेफ्रिजरेटर्स के साथ अपने बिजली के बिल में कीजिए भारी बचत, कीमतें 26,990 रुपयों से आगे।

होम अप्लायंसेस के साथ-साथ क्रोमा ने अपने आकर्षक ऑफर्स 5जी मोबाईल फोन्स पर भी लागू कर दिए हैं, कीमतें सिर्फ 12,499 रुपयों से आगे। इतनाही नहीं, कुछ चुनिंदा मोबाईल फोन्स की खरीदारी पर आप खरीद सकेंगे एक स्मार्टवॉच या दूसरी एक्सेसरीज़ सिर्फ 49 रुपयों में। क्रोमा में एपल, सैमसंग, वनप्लस और कई मशहूर ब्रांड्स के स्मार्टफोन्स मिलते हैं।

क्रोमा की ऑडियो कैटेगरी की आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठाकर अपनी पार्टियों का मज़ा दुगुना कीजिए। क्रोमा के स्वतंत्रता दिवस सेल में डायनामिक पार्टी स्पीकर्स खरीदिए सिर्फ 4,199 रुपयों से आगे की कीमतों में। किसी दोस्त का गेट-टुगेदर हो या आपका पर्सनल डान्स फ्लोर, क्रोमा के स्पीकर्स के साथ आप पाएंगे बेहतरीन से यादगार अनुभव।

क्रोमा में खरीदिए बढ़िया मेटालिक वेयरेबल स्मार्टवॉचेस सिर्फ 2,999 रुपयों से आगे की कीमतों में। प्रीमियम स्मार्टवॉचेस के लिए सबसे नए एपल स्मार्टवॉचेस से बढ़िया कुछ भी नहीं हो सकता, क्रोमा स्टोर्स और वेबसाइट पर इन्हें खरीदिए सिर्फ 25,400 रुपयों से आगे की कीमतों में।

अपने गैजेट्स को अपग्रेड करना अब होगा बहुत ही आसान क्योंकि क्रोमा में मिल रहे हैं 20,000 रुपयों तक के एक्सचेंज लाभ और 15 प्रतिशत तक के कैशबैक ऑफर्स। अपने पुराने डिवाइसेस को अपग्रेड करके नयी टेक्नोलॉजी के लाभ पाइए।

सरसों में गिरावट, सूरजमुखी तेल का थोक भाव 83 लीटर, फुटकर में 145 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को जहां सरसों तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट देखी गई, वहीं मूंगफली और सोयाबीन तेल-तिलहन, पामोलीन और बिनौला तेल कीमतें पूर्वस्तर पर बनी रहीं। बेकरी वालों की मांग के कारण कच्चा पामतेल (सीपीओ) कीमत में सुधार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि आने वाले त्योहारों के मौसम में नरम तेलों की मांग बढ़ने की स्थिति को देखते हुए सरकार को यह ध्यान में रखना होगा कि कितनी मात्रा में अर्जेन्टीना और अन्य देशों में जुलाई महीने में नरम तेल की जहाजों पर लदान हुई है।

135-145 रुपये लीटर के भाव बेच रहीं कंपनियां: बजार सूत्रों के मुताबिक बड़ी कंपनियों और पैकरों के अधिक एमआरपी होने के कारण उपभोक्ताओं को तेल ऊंचे दाम में खरीदना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सूरजमुखी तेल का आयात करने में दाम 89 रुपये लीटर पड़ता है, लेकिन मांग नहीं होने के कारण रिफाइंड करने वाली कंपनियां इसे 83 रुपये लीटर के थोकभाव से बेच रही हैं। इसका अधिकतम खुदरा मूल्य 105-108 रुपये होना चाहिए, लेकिन उपभोक्ताओं को यह तेल 135-145 रुपये लीटर के दाम पर मिल रहा है। देश की एक बड़ी खाद्यतेल कंपनी ने 500 टन सीपीओ की खरीद की है, जिससे सीपीओ के भाव में सुधार आया। इसकी बेकरी बनाने वाली कंपनियों में मांग है।

टाटा टी प्रीमियम स्वतंत्रता दिवस पर अपने देश के धागे कैम्पेन में भारत की समृद्ध और जीवंत हैंडलूम विरासत को सम्मानित कर रहा है

भोपाल। टाटा टी के विविधतापूर्ण पोर्टफोलियो का प्रमुख ब्रांड टाटा टी प्रीमियम स्वतंत्रता दिवस के लिए अपनी देश का गर्व पहल के ज़रिए भारत और यहां की कला, संस्कृति और विरासत का जश्न मना रहा है। पिछले साल टाटा टी प्रीमियम ने भारत के स्वतंत्रता के बाद के 75 वर्षों की यात्रा के महत्वपूर्ण क्षणों का जश्न मनाया था। इस साल टाटा टी प्रीमियम ने अपने देश के धागे अभियान के ज़रिए देशवासियों को देश के गौरव के रंगीन और खूबसूरत सफर पर ले जाने की योजना बनाई है। देश के धागे अभियान में टाटा टी प्रीमियम भारत की समृद्ध हैंडलूम्स विरासत को सम्मानित कर रहा है। क्षेत्रीय अभिमान के सार को दर्शाते हुए, मध्य प्रदेश के लिए बनाया गया टाटा टी प्रीमियम के पैक सजा है चंदेरी सिल्क के डिज़ाइन से, जो बहुत ही नाज़ुक नक्काशी के लिए मशहूर हैं। हर मौके पर आसानी से पहनने जैसी और बेहद खूबसूरत दिखने वाली चंदेरी साड़ियां खूब पसंद की जाती हैं। क्षेत्रीय अभिमान के सार को दर्शाते हुए, मध्य प्रदेश के लिए बनाया गया टाटा टी प्रीमियम के पैक सजा है चंदेरी सिल्क के डिज़ाइन से, जो बहुत ही नाजुक नक्काशी के लिए मशहूर हैं। हर मौके पर आसानी से पहनने जैसी और बेहद खूबसूरत दिखने वाली चंदेरी साड़ियां खूब पसंद की जाती हैं। भारत की समृद्ध और सांस्कृतिक कलात्मक विरासत में कई विविध कलाएं और संगीत परंपराएं शामिल हैं। भारतीय हैंडलूम्स इस विरासत को सबसे अधिक स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।

एशियाई चैंपियंस खिताब जीतने पर भारतीय टीम के लिए 1.1 करोड़ के नकद पुरस्कार की घोषणा

भारत ने तोड़ा पाकिस्तान का रिकॉर्ड, मलेशिया को हराकर चौथी बार जीती एशियन चैंपियंस ट्रॉफी

ऐसा रहा टीम इंडिया का सफर

पहला मुकाबला – बनाम चीन 7–2 (जीत)
दूसरा मुकाबला – बनाम जपान 1–1 (ड्रा)
तीसरा मुकाबला – बनाम मलेशिया 5–0 (जीत)
चौथा मुकाबला – बनाम साऊथ कोरिया 2–3 (जीत)
5वां मुकाबला – बनाम पाकिस्तान 4–0 (जीत)
सेमीफाइनल – बनाम जपान 5–0 (जीत)
फाइनल – बनाम मलेशिया 4–3 (जीत)

टूर्नामेंट में भारत ने किए सबसे ज्यादा गोल

टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने 7 मुकाबले खेले जिसमें सबसे ज्यादा 29 गोल किए। टीम ने इस दौरान 8 गोल भी खाए। 6 में से एकमात्र मुकाबला 4 अगस्त को जापान के खिलाफ खेला गया बराबर छूटा था।

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में शानदार प्रदर्शन करते हुए अविश्वसनीय वापसी करते हुए मलेशिया को 4-3 से हराकर अपना चौथा एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता। फाइनल मुकाबले में मलेशिया (4-3) को हराकर बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। भारत ने इस ट्रॉफी को चौथी बार जीता है ऐसा कर उन्होंने पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 3 बार यह ट्रॉफी जीती थी। टीम इंडिया को जीत दिलाने में जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह, गुरजंट सिंह, आकाशदीप सिंह का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।

स्टालिन ने ट्विटर पर इनामी राशि की घोषणा की और टीम को बधाई दी। उन्होंने लिखा, टीम इंडिया को संघर्षपूर्ण वापसी के साथ अपना चौथा एशियन चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीतने पर बधाई! एक उल्लेखनीय उपलब्धि जो उनके समर्पण और कौशल को प्रदर्शित करती है। चेन्नई अपने खेल-प्रेम के लिए जाना जाता है। स्पिरिट, एक शानदार मेजबान रही है। ट्रॉफी वितरण समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए माननीय अनुराग ठाकुर का आभारी हूं। माननीय उदय स्टालिन, खेल तमिलनाडु, अतुल्य मिश्रा, मेघनाथ, हॉकी इंडिया का सराहनीय प्रयास, जिन्होंने इस भव्य अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। मुझे भारतीय टीम को उनकी शानदार जीत पर 1.10 करोड़ रुपए के इनाम की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

हॉकी इंडिया की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, हॉकी इंडिया ने भी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के प्रत्येक सदस्य को 3.00 लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई। सपोर्ट स्टाफ को 1.50 लाख रुपए इनाम की घोषणा की गई है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, एक पूर्व हॉकी खिलाड़ी के रूप में, मैं सचमुच मानता हूं कि हॉकी में जीत मैदान पर जीत से कहीं अधिक है। यह समर्पण और टीम वर्क का प्रमाण है जो हमारे जुनून को बढ़ावा देता है। जैसा कि हम एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की शानदार जीत का जश्न मनाते हुए हॉकी इंडिया खिलाड़ियों के लिए 3.00 लाख रुपए और सहयोगी स्टाफ को 1.50 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देकर उनके कौशल का सम्मान करने में बहुत गर्व महसूस करते हैं, जिनके अथक प्रयासों का योगदान है। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में भारत संयुक्त तौर पर पाकिस्तान के साथ 3 खिताब जीत चुका था। लेकिन अब मौजूदा सीजन जीतकर वह आगे हो गया है। भारत ने 2011, 2016 और 2018 में भी खिताब जीता था। पाकिस्तान ने चैंपियंस ट्रॉफी 3 बार जीती है। साऊथ कोरिया 2021 में बांग्लदेश में हुए संस्करण का विजयी रहा था। मलेशिया एकमात्र ऐसी टीम है जोकि चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में 5 बार तीसरे नंबर पर आई। वह बांग्लादेश, चीन, जापान, ओमान के साथ एक बार भी ट्रॉफी को जीत नहीं पाया है।

तमिलनाडु के सीएम का ऐलान

समस्या तब शुरू होती है..., आईसीसी टूर्नामेंट्स में भारत की समस्याओं पर बोले राशिद लतीफ

करांची (एजेंसी)। 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद से टीम इंडिया को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्रतियोगिताओं में संघर्ष करना पड़ा है। भारत 2015 और 2019 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में, 2014 टी20 विश्व कप और 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में हार गया था। भारत को 2022 में टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा और जून 2023 में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से करारी हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज राशिद लतीफ ने आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत की समस्याओं पर अपने विचार रखे हैं। लतीफ ने कहा, विराट कोहली के पास एक दिशा थी और वह जीतना चाहते थे, लेकिन उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। आंतरिक समस्याओं के कारण टीम प्रदर्शन नहीं कर सकी। वे आईसीसी टूर्नामेंटों में प्रदर्शन नहीं कर सके क्योंकि शायद कप्तान को वांछित खिलाड़ी नहीं मिले या शायद किलाड़ी का उपयोग नहीं किया गया। वनडे वर्ल्ड कप से पहले एशिया कप 2023 श्रीलंका और पाकिस्तान में खेला जाएगा। लतीफ ने आगे कहा कि टीम इंडिया के पास एक अच्छी टीम है और बताया कि उनका शीर्ष क्रम उनकी प्रमुख चिंता होगी। उन्होंने कहा, च्अब दो बड़े आयोजन हैं - श्रीलंका में एशिया कप और घरेलू मैदान पर विश्व कप। उनकी टीम अभी भी काफी अच्छी है, उन्हें नंबर 4 मिलेगा। समस्या तब शुरू होती है जब टॉप-3 जल्दी आउट हो जाते हैं। अगर टॉप-3 25-30 ओवर खेल लें तो वे आसानी से जीत जाएंगे। उनका मुद्दा यह है कि टॉप-3 पहले जैसा प्रदर्शन नहीं कर रहा है। वे शिखर धवन को वापस ला सकते थे, आपने उन्हें एक साल से भी कम समय पहले एक दौरे के दौरान कप्तान बनाया था।

अच्छी फॉर्म जारी रखकर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना चाहते हैं लक्ष्य सेन

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का लक्ष्य एशियाई खेलों में पहला पदक जीतना और विश्व रैंकिंग में चोटी के पांच खिलाड़ियों में जगह बनाना है लेकिन उनकी पहली प्राथमिकता अपनी हाल की शानदार फॉर्म जारी रखकर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना है।

सेन ने खराब दौर से गुजरने के बाद हाल में लय हासिल करके जुलाई में कनाडा ओपन में खिताब जीता और इसके बाद अमेरिकी ओपन और जापान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे। अल्मोड़ा के रहने वाले इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 2021 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था और उन्हें उम्मीद है कि वह 21 अगस्त से डेनमार्क के कोपेनहेगन में होने वाली प्रतियोगिता में फिर से पदक जीतने में सफल रहेंगे।

सेन ने यहां भारतीय बैडमिंटन संघ के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन के मौके पर कहा, 'विश्व चैंपियनशिप में केवल एक सप्ताह का समय बचा है और मुझे लगता है कि मैंने जो पिछले टूर्नामेंट खेले हैं उनसे वास्तव में मुझे मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, 'मेरी तैयारियां अच्छी चल रही हैं। पिछले कुछ टूर्नामेंट में मेरी फॉर्म अच्छी रही लेकिन अब भी कुछ नई चीजें सीखने और सुधार करने की गुंजाइश है। मैंने हाल में कुछ अच्छे मैच खेले हैं और इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिलेगा।

सेन ने कहा, 'अगले एक सप्ताह या 10 दिन में मैं वास्तव में अच्छा अभ्यास और उसके बाद विश्व चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। एशियाई खेल चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक खेले जाएंगे और सेन का लक्ष्य इन खेलों में पदक जीतना है। उन्होंने कहा, 'यह वास्तव में बड़ी प्रतियोगिता है जो चार साल में एक बार आयोजित की जाती है इसलिए यह विशेष है। मैं इस तरह की बड़ी प्रतियोगिताओं में दो बार खेला हूं। मैंने युवा ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया था इसलिए सभी खिलाड़ियों से मिलना और अलग खेलों को देखना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा।

सेन ने कहा, 'इसलिए मैं एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं लेकिन अभी मेरी पहली प्राथमिकता विश्व चैंपियनशिप है और उसके बाद हम एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। सेन विश्व रैंकिंग में अभी 11वें नंबर पर हैं और उनका लक्ष्य अगले साल तक चोटी के पांच खिलाड़ियों में शामिल होना है। उन्होंने कहा, 'मैं जल्द ही अपने को विश्व के चोटी के आठ खिलाड़ियों में देखना चाहता हूं और मेरा लक्ष्य ओलंपिक क्वालीफिकेशन समाप्त होने तक शीर्ष पांच खिलाड़ियों में जगह बनाना है। लेकिन मुझे कई टूर्नामेंट में खेलना है और मेरी प्राथमिकता बड़े टूर्नामेंट में जीत दर्ज करना है। इससे रैंकिंग में अपने आप ही सुधार होगा।

जीव मिल्खा सिंह लीजेंड्स टूर में संयुक्त छठे स्थान पर

लंदन (एजेंसी)। भारत के दिग्गज गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने लीजेंड्स टूर ट्रॉफी के पहले टूर्नामेंट के शुरुआती दिन चार अंडर 68 का स्कोर बनाया। जीव ने अंतिम नौ होल में लगातार पांच बर्डी बनाई। उन्होंने कुल छह बर्डी बनाई लेकिन इस बीच दो बोगी भी की। वह पहले दौर के बाद संयुक्त छठे स्थान पर हैं।

स्वीडन के जोकिम हेगमैन और वेल्शमैन स्टीफन डोड ने शुरुआती दिन के बाद संयुक्त बढ़त पर हैं। जीव ने अब तक विभिन्न प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह वेल्स में सीनियर ओपन में संयुक्त 14वें और फिर जेसीबी चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रहे थे।

रोहित-राहुल के रिकॉर्ड की बराबरी पर बोले जायसवाल,

'उन्होंने जो किया है वह अद्भुत है, वे खेल के दिग्गज हैं

लॉडरहिल (एजेंसी)। पहले टेस्ट क्रिकेट और फिर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ने वाले प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा के यह अभी शुरुआत है और उन्हें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि वह कल के लिए तैयार रहें। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन करने वाले 21 वर्षीय जायसवाल ने भारत की तरफ से अपने पदार्पण टेस्ट क्रिकेट मैच में शतक जड़ा और फिर अर्धशतक बनाया। जायसवाल को इसके बाद जब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका मिला तो उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 मैच में 51 गेंदों पर नाबाद 84 रन बनाए। यह उनका सबसे छोटे प्रारूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केवल दूसरा मैच था। जायसवाल ने भारत की नौ विकेट से जीत के बाद कहा, 'यह अभी केवल शुरुआत है। मैं अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहता हूं। मैं अपने आज के प्रदर्शन से खुश हूं लेकिन मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि मैं कल के लिए भी तैयार रहूं। उन्होंने कहा, 'यह अर्धशतक वास्तव में खास है। भारत का प्रतिनिधित्व करना गौरवशाली क्षण होता है। निश्चित तौर पर इसके पीछे कड़ी मेहनत छुपी होती है। मैं खुशनसीब हूं कि मैं आज अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहा।

भारत ने पांच मैच की श्रृंखला में लगातार दो मैच हारने के बाद ईशान किशन को शीर्ष क्रम से हटाकर जायसवाल को मौका दिया। उन्होंने शुभमन गिल के साथ मिलकर चौथे टी20 मैच में पहले विकेट के लिए 165 रन जोड़कर भारतीय रिकॉर्ड की बराबरी की। पिछला रिकॉर्ड रोहित शर्मा और केएल राहुल के नाम था। ऐसे में स्वाभाविक ही यह सवाल पैदा होता है कि क्या यह नए युग की शुरुआत है। जायसवाल ने इस पर विनम्रता से जवाब दिया, 'उन्होंने (रोहित और राहुल) ने जो किया है वह अद्भुत है। वे खेल के दिग्गज हैं। हमें बस वह करने की जरूरत है जो हम कर सकते हैं। हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है।

चौथा टी20 जीतकर बोले हार्दिक पंड्या

हम ऐसा ही खेलेंगे

लॉडरहिल (एजेंसी)। टीम इंडिया आखिरकार 5 टी20 मैचों की सीरीज में 2-2 की बराबरी पर आ गई है। लॉडरहिल में खेला गया चौथा टी20 भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के तेजतर्रार अर्धशतकों की बदौलत 9 विकेट से जीत लिया। सीरीज में बराबरी कर भारतीय कप्तान हार्दिक पांड्या भी खुश दिखे। उन्होंने सबसे पहले अमरीका में रहते भारतीयों का धन्यवाद किया। हार्दिक बोले- यहां भारतीय अधिक हैं। जिस तरह से वह हमारा समर्थन करने के लिए पहुंचे हैं और फर्ज बनता है कि उनका मनोरंजन करें।

हार्दिक ने शुभमन और यशस्वी के बीच हुई साझेदारी पर बात करते हुए कहा कि वह दोनों शानदार रहे। उनके कौशल पर किसी को संदेह नहीं है। जिस तरह वे गर्मी में भागे...और...उन्होंने काम पूरा किया। यह अच्छा था। मैं जिस तरह से खेल को देखता हूं उसी तरह से कप्तानी करना पसंद करता हूं। हमें अब आगामी मैच में बल्लेबाज के रूप में जिम्मेदारी लेनी होगी और अपने गेंदबाजों की मदद करनी होगी।

हार्दिक अपनी कप्तानी पर बोले कि मुझे अपनी प्रवृत्ति के साथ चलना पसंद है। पहले गेम में हमने गलती की थी। अगले दो मैचों में हमने कुछ खास नहीं किया। ये सभी खेल हमें बहुत आत्मविश्वास देते हैं। हमें कड़ी मेहनत करनी थी और अच्छी क्रिकेट खेलनी थी, लड़कों ने बिल्कुल वैसा ही किया। टी20 क्रिकेट में कोई किसी का पसंदीदा नहीं होता। आपको विपक्ष का सम्मान करना होता है। कल हम फिर आएंगे और वही करेंगे जो हमने आज किया।

मैच की बात करें तो भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और स्पिनर कुलदीप यादव ने शुरूआती ओवर में 2-2 विकेट लेकर विंडीज की लय बिगाड़ी थी लेकिन शाई होप ने 29 गेंदों में 45 तो शिमरोन हेटमायर ने 39 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 61 रन बनाकर स्कोर 178 तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलने उतरी टीम इंडिया ने 9 विकेट से जीत हासिल कर ली। जायसवाल ने 51 गेंदों में 84 तो शुभमन गिल ने 77 रन बनाए। तिलक 7 रन बनाकरनाबाद रहे।

रोनाल्डो ने खत्म किया ट्रॉफी का सूखा

अल नासर ने पहली बार जीता अरब क्लब चैंपियंस कप का खिताब

तैफ (सऊदी अरब)(एजेंसी)। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो फीफा वर्ल्ड कप के बाद सउदी अरब के क्लब अल नासर के साथ जुड़े थे। वर्ल्ड कप के दौरान ही मैनचेस्टर यूनाइटेड ने रोनाल्डो से अलग होने के फैसला किया था। सउदी अरब में रोनाल्डो की शुरुआत कुछ खास नहीं रही लेकिन धीरे-धीरे वह लय में लौटे। अब रोनाल्डो ने अपने दम पर 9 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए अल नासर को अरब क्लब चैंपियनशिप का खिताब दिला दिया है। रोनाल्डो ने दो साल बाद कोई ट्रॉफी जीती है। आखिरी बार 2021 में उन्होंने इटैलियन क्लब जुवेंटस के लिए कोपा इटालिया जीता था।

रोनाल्डो ने दागे दोनों गोल

अल नासर को इस मुकाबले में 2-1 से जीत मिली और दोनों गोल क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने ही दागे। खिताबी मुकाबले में टीम की भिड़ंत अल हिलाल से थी। 51वें मिनट में माइकल के गोल ने अल हिलाल को बढ़त दिला दी। 71वें मिनट में अल नासर की स्थिति तब बिगड़ गई जब अब्दुलेलाह एल अमरी को रेड कार्ड दिखाया गया। लेकिन इसके तीन मिनट बाद ही रोनाल्डो ने गोल कर दिया। 78वें मिनट में टीम के एक और खिलाड़ी नावाद बुशाल को भी रेड कार्ड मिला। अब मैदान पर अल नासर के सिर्फ 9 ही खिलाड़ी थे।

एक्स्ट्रा टाइम में गया मुकाबला

निर्धारित 90 मिनट के बाद दोनों टीमों के स्कोर 1-1 था। फिर खेल एस्ट्रा टाइम में गया। 98वें मिनट में रोनाल्डो का जादू एक बार फिर चला। उन्होंने 9 खिलाड़ियों से खेलते हुए गोल कर अपनी टीम को 2-1 से आगे कर दिया। 115वें मिनट में चोटिल होने की वजह से रोनाल्डो को मैदान छोड़ना पड़ा। अल हिलाल ने पूरी कोशिश की लेकिन गोल नहीं दाग पाई। इस तरह रोनाल्डो ने अल नासर के लिए अपनी पहली ट्रॉफी जीत ली।

रोनाल्डो का लगातार 5वें मैच में गोल

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अल नासर के लिए पिछले 5 मैचों में गोल किए हैं। सेमीफाइनल में टीम को 1-0 से जीत मिली थी और वह गोल रोनाल्डो ने ही किया था। उससे पहले क्वार्टर फाइनल में भी उनका गोल था। अरब क्लब चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा गोल करने के लिए उन्हें गोल्डन बूट का अवॉर्ड भी मिला। 38 साल के रोनाल्डो क्लब के लिए अभी तक 25 मैचों में 20 गोल कर चुके हैं।

फीडे विश्व कप शतरंज

प्रज्ञानन्दा नें किया बड़ा उलटफेर नाकामुरा को किया बाहर गुकेश और हरिका भी अगले दौर में

बाकू, अजरबैजान (एजेंसी)। फीडे विश्व कप शतरंज में चौंथे दौर के टाईब्रेक मुकाबलों के बाद भारत के चार और खिलाड़ी अंतिम दौर में प्रवेश कर गए है। सबसे बड़ा उलटफेर किया भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें, उन्होने विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी हिकारु नाकामुरा को लगातार दो रैपिड मुकाबलों में मात देते हुए अंतिम 16 में अपना स्थान बना लिया है और अब उनका मुक़ाबला हंगरी के फ्रेंक बेकेर्स से होगा। भारत के शीर्ष खिलाड़ी डी गुकेश नें रैपिड टाईब्रेक में 1.5-0.5 से मात देते हुए अगले दौर में जगह बनाई जहां उनका सामना चीन के हाउ वाङ से होने की संभावना है। वहीं विश्व नंबर 5 खिलाड़ी यान नेपोमनिशि से हारकर निहाल सरीन विश्व कप से बाहर हो गए है।

टेनिस स्टार अल्कराज के साथ घूमती दिखीं मारिया शारापोवा

बोलीं- मैं उसे देखकर उत्सुक हूं

टोरंटो (एजेंसी)। पूर्व विश्व नंबर 1 नोवाक जोकोविच को हराकर सुर्खियां बटोरने वाले कार्लोस अल्काराज अभी भी 7वें आसमान पर हैं। इसी बीच टोरंटो में विंबलडन विजेता मारिया शारापोवा से मिले और फोटो खिंचवाई। 20 वर्षीय अल्कराज वर्तमान में टोरंटो में कनाडाई ओपन में भाग ले रहे हैं और टूर्नामेंट जीतने के प्रबल दावेदारों में से एक हैं। उन्हें एकेडमी यूनाइटेड में अभ्यास सत्र के बाद 5 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता शारापोवा के साथ घूमते पाया गया। फोटो खिंचवाते समय दोनों मुस्कुरा रहे थे, जो तुरंत ही ट्विटर पर टेनिस प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बन गया। एक ने ट्वीट किया- यह बहुत प्यारा है। दूसरे ने कहा कि उन दोनों से प्यार करो। और दूसरे ने कहा- महापुरूष। एक ने टिप्पणी की- मेरे दो पसंदीदा खिलाड़ी। शारापोवा अल्काराज की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं, जिनकी उन्होंने विंबलडन जीत से एक महीने पहले सराहना की थी। 36 वर्षीय ने कहा कार्लोस (अलकराज) अविश्वसनीय है।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र के सरकारी अस्पतालों में होगा मुफ्त इलाज, शिंदे सरकार का ऐलान; कैंसर रोगियों को भी राहत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने एक आदेश जारी कर 15 अगस्त से राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने की बात कही है। अस्पताल मरीजों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेंगे। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत ने 3 अगस्त को इसकी घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि सभी सरकारी अस्पतालों में इलाज मुफ्त किया जाएगा और इसका खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। स्वास्थ्य के अधिकार (अनुच्छेद 21) के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, ग्रामीण अस्पतालों, महिला अस्पतालों, जिला सामान्य अस्पतालों, उपजिला अस्पताल, सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों और कैंसर अस्पतालों में इलाज मुफ्त होगा। सावंत ने कहा था कि मुफ्त इलाज का यह फैसला कैबिनेट बैठक के दौरान लिया गया। आदेश के मुताबिक, नासिक और अमरावती में कैंसर अस्पताल भी मुफ्त इलाज की सुविधा देंगे। ये मुफ्त सुविधाएं राज्य सरकार के अधीन संचालित कुल 2,418 अस्पतालों और चिकित्सा केंद्रों पर उपलब्ध कराई जाएंगी। यह योजना 2.5 करोड़ से अधिक लोगों को इन चिकित्सा सुविधाओं में मुफ्त उपचार का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगी। आपको यह भी बता दें कि यह योजना चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत किसी भी अस्पताल या मेडिकल कॉलेज पर लागू नहीं होती है। 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान महाराष्ट्र ने राज्य के लोगों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य बीमा योजना की घोषणा की थी। ऐसा करने पर महाराष्ट्र मुफ्त बीमा सुरक्षा प्रदान करने वाला पहला राज्य बन गया। सभी नागरिकों को राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजना महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना (एमजेपीजेएवाई) के तहत संरक्षित किया जाएगा। योजना के लिए आवेदन करने के लिए नागरिकों के पास अपना राशन कार्ड और निवास प्रमाण पत्र होना चाहिए।

पीएम मोदी जब भी बोलते हैं, वह झूठ की सुनामी होती है: जयराम रमेश

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज करते हुए कहा कि वह जब भी बोलते हैं, यह झूठ की सुनामी होती है। राज्यसभा सांसद ने संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री के हालिया संबोधन का जिक्र करते हुए यह बात कही। रमेश ने एक्स पर लिखा, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था हर बार जब प्रधानमंत्री बोलते हैं, तो यह दुर्व्यवहार की बाढ़ व झूठ की सुनामी होती है। संसद में उनके हालिया भाषण ने मुझे क्लिनिकल मनोवैज्ञानिक के रूप में प्रशिक्षित भारत के अग्रणी विद्वानों में से एक आशीष नंदी ने 2002 की शुरुआत में सेमिनार पत्रिका में लिखी बात याद दिला दी। सांसद ने एक लेख का अंश भी साझा किया, जिसके बारे में उनका दावा है कि यह नंदी द्वारा लिखा गया था, इसमें नंदी ने मोदी को फासीवादी का क्लासिक, नैदानिक मामला कहा था। यह उल्लेख किया जा सकता है कि प्रधान मंत्री ने अविश्वास प्रस्ताव का जवाब देते हुए विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की आलोचना करते हुए इसे घमंडिया गठबंधन करार दिया था।

राजस्थान में इस साल नहीं होंगे छात्र संघ चुनाव, गहलोत सरकार का बड़ा फैसला; आदेश जारी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में सत्र 2023-24 में कालेजों एवं विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव नहीं करवाए जाएंगे। शिक्षा विभाग ग्रुप 4 ने आदेश जारी कर दिए है। जारी आदेश के अनुसार शिक्षा की गुणवत्ता के दृष्टिगत कुलपतिगणों ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव नहीं करवाए जाने चाहिए। शनिवार को ससीएम अशोक गहलोत ने छात्र संघ चुनाव नहीं कराने के संकेत दिए थे। इसके बाद देर रात शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर उच्च शिक्षा मंत्री राजेंद्र यादव ही फैसला करेंगे, हालांकि उन्होंने ये जरूर कहा कि जब चुनाव बंद हो गए थे, तब उन्होंने ही चुनाव शुरू करवाए थे। उनसे बड़ा कमिटमेंट चुनाव को लेकर किसी और का नहीं हो सकता। आज जिस तरह से छात्र पैसे खर्च कर रहे हैं, जैसे एमएलए - एमपी के चुनाव लड़ रहे हों. उन्होंने पूछा कि आखिर कहां से पैसा आ रहा है, और इतने पैसे क्यों खर्च किए जा रहे हैं?। सीएम गहलोत ने कहा कि छात्र नेता जो लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, उसको पसंद नहीं करते हैं। विधानसभा के चुनाव भी नजदीक आ रहे है। इस दौरान उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि तीन लड़कों ने जोधपुर में रेप किया, वो भी छात्रसंघ चुनाव का कैंपेन करने के लिए जोधपुर आए हुए थे। जिनका ये कैरेक्टर हैं, वो शिक्षा दे रहे हैं. रेप की घटनाएं पूरे हिंदुस्तान में हो रही है, लेकिन राजस्थान पुलिस 2 घंटे, 4 घंटे में ही अपराधियों को पकड़ लेती है। बीते डेढ़ महीने से प्रदेश भर के राजकीय विश्वविद्यालय और सरकारी कॉलेजों विशेषकर राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव की सरगर्मियां देखने को मिल रही है। छात्र नेता शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों को एकत्रित करने में पैसा बहा रहे हैं. गाड़ियों का रेला चल रहा है, लेकिन इसका नकारात्मक संदेश सीएम तक पहुंचा है। यही वजह है कि उन्होंने चुनाव घोषित होने से पहले ही छात्र नेताओं की ओर से खर्च किए जा रहे पैसे और लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के उल्लंघन को लेकर चिंता जाहिर की है। हाल ही में राजधानी जयपुर में छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। जिस पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का खेल बिगाड़ेंगे अरविंद नेताम, पार्टी बनाने का ऐलान; लड़ेंगे 50 सीटों पर चुनाव

रायपुर, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले वरिष्ठ आदिवासी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम ने आदिवासी समाज के नेतृत्व में नई पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया है। पार्टी 50 सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी। पार्टी का नाम चुनाव आयोग को भेज दिया गया है। अब आयोग से सहमति का इंतजार है। उन्होंने सर्व आदिवासी समाज के बैनर तले नई राजनैतिक पार्टी का नाम हमर राज पार्टी बताया है। अरविंद नेताम यह भी कहा कि बसपा और सीपीआई से गठबंधन की बातचीत जारी है। चुनाव को लेकर नेताम के इस स्टंट से राजनीतिक गलियारों में हलचल है। कांकेर में मीडिया से चर्चा करते हुए अरविंद नेताम ने कहा कि आदिवासी वर्ग के लिए 29 सीटें आरक्षित हैं, जिसमें पार्टी अपना प्रत्याशी उतारेगी। प्रदेश की 20 सीटें ऐसी हैं, जहां आदिवासी वोटर 20 से 80 हजार तक हैं।

पीएम मोदी ने बदली सोशल मीडिया अकाउंट की डीपी, लोगों से भी की अपील

नईदिल्ली, एजेंसी। पूरे देश में 15 अगस्त की तैयारी धूमधाम से चल रही है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर तिरंगा की अपील देशवासियों से की है। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी प्रोफाइल फोटो बदलने की अपील की है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, हर घर तिरंगा आंदोलन की भावना में आइए हम अपने सोशल मीडिया अकाउंट की डीपी बदलें और इस अनूठे प्रयास को समर्थन दें जो हमारे प्यारे देश और हमारे बीच के बंधन को गहरा करेगा।

संस्कृति मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत डाकघरों में बिक्री के लिए लगभग 2.5 करोड़ राष्ट्रीय ध्वज भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी बढ़ने के साथ यह अभियान 'जन आंदोलन' बन गया है। केंद्रीय संस्कृति सचिव गोविंद मोहन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस अभियान को लेकर अभी देश में काफी उत्साह है, जिसे पिछले साल पहली बार शुरू होने पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य 2023 में हर घर तिरंगा अभियान को उसी बड़े पैमाने और प्रतिबद्धता के साथ मनाना है जैसा हमने पिछले साल किया था। पिछले साल की गई सभी तैयारियां इस साल भी कर ली गई हैं।' उन्होंने कहा, 'कपड़ा मंत्रालय के माध्यम से, हमने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को झंडों की आपूर्ति सुनिश्चित की है। इस साल डाकघरों को लगभग 2.5 करोड़ ध्वज की आपूर्ति की गई है, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा एक करोड़ था।' संस्कृति मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस पहल के तहत डाक विभाग जनता को उच्च गुणवत्ता वाले राष्ट्रीय ध्वज बेचने और वितरित करने के लिए जिम्मेदार नामित इकाई के रूप में कार्य कर रहा है। एक बयान में संस्कृति सचिव के हवाले से कहा गया, 'डाक विभाग ने इस वर्ष 2.5 करोड़ ध्वज के लिए मांग की है और 55 लाख ध्वज डाक घरों के माध्यम से पहले ही भेजे जा चुके हैं। वस्त्र मंत्रालय राज्यों को पहले ही 1.3 करोड़ ध्वज भेज चुका है।' उन्होंने यह भी कहा कि राज्यों में स्वयं सहायता समूहों द्वारा करोड़ ध्वजों का निर्माण किया जा रहा है जो ध्वज विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के रुझान का संकेत देता है। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में शनिवार को 'मेरी माटी, मेरा देश' तिरंगा रैली में हजारों लोगों ने भाग लिया। पुलवामा के राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में निकाली गई विशाल तिरंगा रैली के दौरान देशभक्ति और राष्ट्रवाद का जोश देखने को मिला। इससे पहले शुक्रवार को विभिन्न पुलिस प्रतिष्ठानों में एक राष्ट्रव्यापी अभियान 'मेरी माटी मेरा देश-मिट्टी को नमन वीरों का वंदन' का पालन करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान में कई प्रभावशाली गतिविधियां देखी गईं। वहीं, तीसरे दिन घाटी में कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ इसे गति मिली।

अवंतीपोरा में, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जिला प्रशासन के सहयोग से एक विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया, जो पुलिस लाइन्स अवंतीपोरा से शुरू हुई और आईयूएसटी अवंतीपोरा में समाप्त हुई।

यूपी के मेरठ में हर साल गुठलियों से महिलाएं-युवा बढ़ा रहे हरियाली

मेरठ, एजेंसी। बीते जमाने में लोग गुठलियों से पौधे उगाते थे और उन्हें घर-आंगन अथवा खेत की मेढ़ पर रोप देते थे। सड़क, गांवों के रास्तों पर भी गुठलियां ऐसे स्थानों पर फेंक देते थे, जो उग आते थे और पेड़ बन जाते थे। फल और छायादार पौधे गर्मी में लोगों को राहत पहुंचाते थे। तब लोग इसे आम के आम और गुठलियों के दाम कहावत कहते थे। धीरे-धीरे यह बात बीते जमाने की बात हो चली थी, लेकिन अब धीरे-धीरे वह दौर फिर से लौट रहा है। मेरठ के युवा और महिलाएं ऐसी ही अनूठी मुहिम चलाकर गुठलियों से पौधे उगा रहे हैं और इन पौधों के जरिए हरियाली भी बढ़ा रहे हैं। मेरठ में इस मुहिम के पिछले कई सालों में विभिन्न सामाजिक और स्वयंसेवी संगठनों से जुड़े युवा और महिलाएं चला रही हैं। प्रधानमंत्री बाल पुरस्कार से सम्मानित ईहा दीक्षित, लेडीज क्लब मेरठ की अध्यक्ष रितु मांगलिक, सेक्रेटरी अलका गुप्ता, मिशन ग्रीन अर्थ-ग्रीन केयर सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. विजय पंडित एवं पूनम पंडित , एनवायरमेंट क्लब के सावन कन्नौजिया, बूंद फाउंडेशन के अध्यक्ष रवि कुमार व उनकी बेटी रितिशा समेत कई एनजीओ के पदाधिकारी नीम, आम, जामुन गुठलियों से पौधे तैयार करने की मुहिम को अंजाम दे रहे हैं।

शिमला में पुजारी की बेरहमी से हत्या; बदमाशों ने डंडे से पीट-पीटकर मार डाला, मंदिर के पास झाड़ियों में मिला शव

शिमला , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में अपराधियों ने दुस्साहस दिखाते हुए मंदिर के पुजारी की बेरहमी से हत्या कर दी। मर्डर के बाद शव को मंदिर के पास झाड़ियों में फेंक दिया। पुजारी की उम्र 59 साल थी। वह बीते दो साल से अधिक समय से मंदिर में ही बने एक कमरे में रहते थे। मृतक की पहचान महाराष्ट्र निवासी सुनील दास के रूप में हुई है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। शिमला पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर अपराधियों की तलाश शुरू कर दी है। मामला ढली थाना अंतर्गत आने वाले कांती गांव के भूतेश्वर मंदिर का है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र निवासी सुनील दास मार्च 2021 से भूतेश्वर मंदिर में रह रहा था। बीते 8 अगस्त को वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। शनिवार को उसका शव मंदिर से 15 मीटर फासले पर झाड़ियों में पड़ा हुआ मिला। मृतक पुजारी के शरीर पर चोट के निशान थे। फोरेंसिक टीम ने भी मौके का मुआयना किया। अंदेशा जताया जा रहा है कि डंडों के वार से पुजारी को हत्या की गई है। ये मंदिर सुनसान जगह पर है और एक किलोमीटर तक कोई भी रिहायशी इलाका नहीं है, ना ही मंदिर परिसर में सीसीटीवी लगा है। शिमला के एसपी संजीव गांधी ने पुष्टि करते हुए रविवार को बताया कि अज्ञात अपराधियों ने पुजारी को मौत के घाट उतारा है। इस सिलसिले में ढली थाने में आईपीसी की धारा 302 के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के उपरांत मृतक के अनुयायियों के सुपुर्द कर दिया गया है। अनुयायियों ने शव का दाह संस्कार किया। घटनास्थल से फोरेंसिक की टीम ने सैम्पल एकत्रित किये हैं। मामले में जांच जारी है और हत्यारों को जल्द गिरफ्त में लिया जाएगा।

अब अपराधी की संपत्ति से पीड़ित को मिलेगा न्याय, नए कानूनों में नए प्रावधान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीसी और सीआरपीसी कानूनों में बदलाव के बाद पीड़ित को न्याय दिलाने के सिद्धांत पर ज्यादा ध्यान होगा। नए प्रस्तावित कानून के तहत कई धाराओं में बदलाव करके यह प्रावधान किया गया है, जिससे अपराधी की जब्त संपत्ति से पीड़ित को न्याय के रूप में मुआवजा मिल सके।

एक अधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित बदलावों में करीब 200 धाराओं में अलग-अलग तरीके से न्याय के बुनियादी सिद्धांत का ख्याल रखा गया कि दंड के बजाय न्याय पर फोकस हो। गृहमंत्री अमित शाह ने बदलाव को प्रस्तावित करते हुए कहा था कि न्याय की भारतीय अवधारणा पाश्चात्य दृष्टिकोण से पूरी तरह अलग है। भारतीय न्याय व्यवस्था में केंद्रबिंदु पीड़ित को न्याय दिलाना है। वहीं, दंड की व्यवस्था इसलिए है, जिससे इसे देखकर दूसरा कोई अपराध करने का दुस्साहस न करे।

अधिकारी ने बताया कि अपराध की आय से जुड़ी संपत्ति की कुर्की-जब्ती के संबंध में एक नई धारा जोड़ी गई है। जांच करने वाला पुलिस अधिकारी यह संज्ञान लेने के लिए अदालत में आवेदन कर सकता है कि संपत्ति आपराधिक गतिविधियों के जरिये हासिल की गई है। इस प्रकार की संपत्ति को अदालत द्वारा जब्त किया जा सकता है और पीड़ितों को इसके माध्यम से मुआवजा दिया जा सकता है। अधिकारी ने कहा, आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जटिल प्रक्रियाओं के कारण अदालतों में भारी संख्या में मामले लंबित हैं। इससे न्याय मिलने में अत्यधिक देरी, गरीबों और सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों का न्याय से वंचित होना, सजा की कम दर, जेलों में भीड़-भाड़ और बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी जैसी समस्या न्याय की राह में बाधा बनी हुई है। नए प्रस्तावित कानून में छोटे-मोटे केस मसलन 20 हजार तक संपत्ति अपराध से जुड़े मामले को संक्षिप्त ट्रायल से निपटा दिया जाएगा। इसे मजिस्ट्रेट के अलावा पुलिस अधिकारी भी कुछ मामलों में कर सकते हैं। ऐसे मामलों में अपराध स्वीकार किया जुर्माना दिया और मामला खत्म। अधिकारी ने कहा कम गंभीर मामले जैसे चोरी, चोरी की गई संपत्ति प्राप्त करना या रखना, घर में अनधिकृत प्रवेश, शांति भंग करने, आपराधिक धमकी जैसे मामलों में संक्षिप्त ट्रायल को अनिवार्य बनाया गया है। इसके अलावा, तीन वर्ष से कम की सजा के मामलों में मजिस्ट्रेट संक्षिप्त ट्रायल कर सकता है। इससे करीब 33 फीसदी मामले कोर्ट के बाहर निपट जाएंगे।

तूफान में भी सुरक्षित रखनी होगी किम जोंग की फोटो

प्योंगयांग , एजेंसी। तेज हवाओं और भारी बारिश साथ लेकर चल रहा खानून तूफान नॉर्थ कोरिया की ओर बढ़ रहा है। लेकिन इसी बीच नॉर्थ कोरिया के लोगों को फरमान जारी किया गया है कि उन्हें अपनी जान पर खेलकर भी तानाशाह किम जॉन उन और उनके पूरे वंश की तस्वीरों को सुरक्षित रखना है।

नॉर्थ कोरिया में खानून तूफान प्रवेश कर रहा है। इसके कारण देश में तेज हवाएं और भारी बारिश होगी। नॉर्थ कोरिया में इस तूफान के कारण भारी तबाही की आशंका जताई जा रही है।

नॉर्थ कोरिया में किम राजवंश की तस्वीरें अपने घर में लगाना जरूरी है। इन्हें अपने घर की सबसे स्पेशल दीवार पर लगाया जाता है। इस दीवार पर किम जोंग उन, उसके पिता किम जोंग इल और दादा किम इल सुंग की तस्वीरों के अलावा कुछ नहीं लगाया जा सकता।

नॉर्थ कोरिया में किम वंश की तस्वीरों को सुरक्षित रखना हर नागरिक का फर्ज है। उन्हें इन तस्वीरों को रोज साफ करना होता है। अगर कोई नॉर्थ कोरियाई इन तस्वीरों को नुकसान पहुंचाता है तो उसे मौत की सजा दे दी जाती है, भले ही गलती से इन ही तस्वीरों को नुकसान पहुंचा हो।

नॉर्थ कोरिया की सत्तारूढ़ कोरियन वर्कर्स पार्टी के मुखपत्र रोडोंग सिनमुन में लोगों को आदेश दिया गया कि तूफान के दौरान उन्हें किम वंश की तस्वीरों को सुरक्षित रखना है।अगर वे घर छोड़कर जा रहे हैं तो उन्हें उन तस्वीरों को भी साथ ले जाना होगा। इसके साथ ही आस-पास लगी किम वंश की मूर्तियों और स्मारकों की भी सुरक्षा करने के आदेश दिए है। नॉर्थ कोरिया का इंफ्रास्टर खराब हालत में है। यहां पक्के मकान भी कम हैं। ऐसे में भारी बारिश और तूफान साथ लेकर देश में प्रवेश कर रहा खानून भारी नुकसान पहुंचा सकता है। हालांकि नॉर्थ कोरिया के सरकारी मीडिया की मानें तो उनका कहना है कि आर्मी समेत देश की सभी इम्पोर्टेन्ट यूनिट्स तूफान के दौरान हर संभव मदद करने के लिए काम कर रही हैं।

जर्मनी के बाद पोलैंड में मिला वर्ल्ड वॉर-2 का बम

बर्लिन , एजेंसी। पोलैंड के लुबलिन शहर में दूसरे विश्व युद्ध के समय का बम मिला है। इसके बाद शहर में करीब 14 हजार लोगों को अस्थायी रूप से घर छोड़ने का आदेश दिया गया। लोगों को स्कूलों और दूसरी बिल्डिंग में शिफ्ट किया गया। साथ ही उन्हें घरों में बिजली से चलने वाले सभी इक्विपमेंट्स, पानी और गैस को बंद करने के लिए कहा गया।

कंस्ट्रक्शन साइट पर मिले इस बम का वजन 250 किलो था। इसके बाद बॉम्ब स्क्वॉड ने बम को हटाकर इसे डिफ्यूज कर दिया। खतरा टलने के बाद लोगों को फिर से घर जाने की इजाजत मिल गई। पोलैंड में इससे पहले भी कई बार दूसरे विश्व युद्ध के समय के बम मिल चुके हैं।

कुछ दिन पहले भी ऐसा ही एक मामला जर्मनी में सामने आया था, जहां डसलडॉर्फ शहर में 500 किलोग्राम का बम बरामद हुआ था। इस तरह का बम वर्ल्ड वॉर 2 के समय अमेरिका इस्तेमाल करता था। बम मिलने के बाद 13 हजार लोगों को अस्थायी रूप से स्कूलों में शिफ्ट किया गया था। इससे पहले पिछले महीने भी एक स्कूल के रेनोवेशन के वक्त तोपखाने के कुछ गोले मिले थे। वहीं पिछले साल पोलैंड की राजधानी वॉरसॉ में 500 किलो का बम मिला था, जिसके बाद 30 हजार लोगों को अस्थायी रूप से घर छोड़ना पड़ा था। वहीं अक्टूबर 2020 में पोलैंड में मिला वर्ल्ड वॉर 2 का सबसे बड़ा ब्रिटिश बम डिफ्यूज करने की कोशिशों के दौरान फट गया था। ये एक शिपिंग कैनल में फटा था। हालांकि इससे कोई नुकसान नहीं हुआ था। ब्लास्ट से पहले ही स्विनॉजशे शहर से 750 लोगों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया था। दूसरे विश्व युद्ध के समय 1939 से 1945 के बीच लुबलिन पर भारी बमबारी की गई थी। जंग से पहले यहां एक एयरपोर्ट और एक एयरक्राफ्ट फैक्ट्री थी, जो बाद में तबाह हो गई थी। जर्मनी के कब्जे के दौरान नाजियों ने इस शहर में एक जेल और कैदियों का कैंप भी बनाया था। 1 सितंबर 1939 को द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत हुई थी। करीब 6 साल चले इस युद्ध में 7 से 8 करोड़ लोग मारे गए थे। 1 सितंबर को एडोल्फ हिटलर की अगुआई में जर्मनी ने कब्जे की मंशा से पोलैंड पर हमला कर दिया था। इस हमले से बौखलाए ब्रिटेन और फ्रांस पोलैंड की मदद के लिए आगे आए। इसके बाद जर्मनी के पक्ष में इटली और जापान जबकि पोलैंड के साथ फ्रांस, ब्रिटेन, अमेरिका, सोवियत संघ और कुछ हद तक चीन आमने-सामने आ गए। इसके बाद यह जंग विश्व युद्ध में तब्दील हो गई। यह युद्ध भी पहले विश्व युद्ध की तरह दो गुटों के बीच लड़ा गया था। जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने युद्ध में जर्मनी को हारता देखकर 30 अप्रैल 1945 को आत्महत्या कर ली थी। हिटलर के मरने के एक हफ्ते बाद जर्मनी ने बिना किसी शर्त के समर्पण के कागजों पर दस्तखत कर दिए थे। इसके बाद 8 मई को जर्मनी ने आधिकारिक तौर पर हार मान ली। हालांकि जापान ने फिर भी जंग जारी रखी।

अफ्रीका से दाल खरीदेगा भारत

नईदिल्ली /काठमांडू, एजेंसी। मोदी सरकार ने महंगाई पर लगाम लगाने के लिए शानदार प्लान बनाया है। इसके लिए विदेशों से टमाटर और दालों का आयात किया जाएगा। भारत महंगाई पर ब्रेक लगाने के लिए नेपाल से टमाटर और अफ्रीका से दाल खरीदेगा। खबर है कि इसके लिए केंद्र सरकार की नेपाल और अफ्रीका के साथ डील हो गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमणने गुरुवार को संसद में इसकी जानकारी दी थी। बड़ी मात्रा में टमाटर निर्यात करने के लिए तैयार है, लेकिन उसने इसके लिए बाजार तक आसान पहुंच और अन्य जरूरी सुविधाओं की मांग की है। भारत में टमाटर की बढ़ती कीमतों को कम करने के लिए इस तरह के उपायों पर विचार किया जा रहा है। पड़ोसी देश का यह आश्वासन उस समय आया, जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमणने गुरुवार को संसद में बताया कि भारत ने नेपाल से टमाटर का आयात शुरू कर दिया है। भारी बारिश के कारण आपूर्ति बाधित होने के कारण भारत में

टमाटर की खुदरा कीमतें लगभग 242 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है और देश पहली बार टमाटर का आयात कर रहा है। नेपाल के कृषि मंत्रालय की प्रवक्ता शबनम शिवकोटी ने शुक्रवार को बताया कि उनका देश दीर्घकालिक आधार पर भारत को टमाटर जैसी सब्जियां निर्यात करने का इच्छुक है, लेकिन इसके लिए भारत को अपने बाजार तक आसान पहुंच और अन्य जरूरी सुविधाएं देनी होंगी। एक सप्ताह पहले ही आधिकारिक चैनलों के माध्यम से भारत को टमाटर का निर्यात शुरू कर दिया है, लेकिन अभी यह बड़ी मात्रा में नहीं है। उन्होंने कहा कि टमाटर के बड़े पैमाने पर निर्यात की व्यवस्था अभी की जानी बाकी है। कालीमाटी फल और सब्जी बाजार विकास बोर्ड के उप निदेशक विनय श्रेष्ठ ने कहा, अगर हमें भारतीय बाजार तक आसान पहुंच दी जाती है, तो नेपाल भारत को भारी मात्रा में टमाटर निर्यात कर सकता है। उन्होंने बताया कि नेपाली टमाटरों के लिए भारत एक अच्छा बाजार है। नेपाल के कृषि मंत्रालय की प्रवक्ता शबनम शिवकोटी ने कहा कि टमाटर निर्यात करने के बदले नेपाल ने भारत से भी चावल और चीनी भेजने की भी मांग की है। बता दें कि भारत सरकार ने हाल ही में गैर- बासमती चावल के निर्यात पर बैन लगा दिया था, जिससे नेपाल में चावल की कीमतें काफी बढ़ गईं। ऐसे में नेपाल ने भारत से 1 लाख टन चावल, 10 लाख टन धान और 50 हजार टन चीनी भेजने का अनुरोध किया है। दिल्ली सहित कई राज्यों में अरहर दाल 140 से 160 रुपए किलो बिक रही है, ऐसे में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए सरकार टमाटर की तरह दाल का भी आयात करेगी। भारत सरकार अफ्रीकन देश मोजाम्बिक से बातचीत कर रही है। कहा जा रहा है कि दाल के आयात को लेकर डील पक्की हो गई है। मोजाम्बिक 31 मार्च 2024 तक भारत में बिना किसी शर्त और प्रतिबंध के अरहर व उड़द दाल का आयात करेगा। खास बात यह है कि दालों के आयात को लेकर भारत और मोज़ाम्बिक ने द्विपक्षीय एमओयू पर साइन भी किया है। वहीं, दाल की कीमतों को कम करने के लिए सरकार ने 3 मार्च, 2023 से अरहर दाल पर 10 प्रतिशत की इंपोर्ट ड्यूटी हटा दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129